E-mail:-adhuniksamachar2014@gmail.com
website:www.adhuniksamachar.com

आधुनिक समाचार

आधुनिक भारत का आधुनिक नजरिया

प्रयागराज से प्रकाशित हिन्दी दैनिक

11 YEARS ANNIVERSARY

वर्ष -11 अंक -96 | प्रयागराज, शनिवार 21 जून, 2025 | पृष्ठ- 8 | मूल्य : 3.00 रूपये

भारत अचानक अपने परमाणु बम क्यों बढ़ाने लगा, अब पाकिस्तान से 10 ज्यादा,चीन से निपटने की तैयारी या कोई छिपी वजह

नयी दिल्ली। भारत के पास अब पाकिस्तान से ज्यादा

न्यूक्लियर बम हैं। एसआईपीआरआई की लेटेस्ट रिपोर्ट के मुताबिक पिछले दो साल में भारत ने 16 नए परमाणु बम बनाए और अब कुल संख्या 180 हो गई। जबकि पाकिस्तान के पास लगातार 3 साल से 170 परमाणु बम ही हैं। बीते 2 सालों में भारत के परमाणु हथियारों में काफी इजाफा हुआ है स्वीडन के रिसर्च इंस्टीट्यूट स्टॉकहोम इंटरनेशनल पीस रिसर्च इंस्टीट्यूट यानी एसआईपीआरआई की रिपोर्ट के मुताबिक. जनवरी 2025 तक भारत के पास 180 परमाणु हथियार हैं। 2024 में भारत के पास 172 और 2023 में 164 परमाणु हथियार थे। बीते साल भारत ने न सिर्फ अपने परमाणु हथियार बढ़ाए, बल्कि नई तकनीकों पर भी काम किया। भारत के पास अब कैनिस्टराइज्ड मिसाइलें हैं, जो परमाणु बम को जल्दी तैनात कर सकती हैं। यह मिसाइलें एक बार में एक से ज्यादा परमाणु बमों को ले जा सकती हैं। इनमें मल्टिपल इंडिपेंडेंटली टारगेटेबल सी-एंट्री व्हीकल्स यानी एमआईआर वीएस तकनीक होने का भी अनुमान है, जिससे एक मिसाइल कई टारगेट्स को निशाना बना सकती है। भारत ने अपने परमाणु हथियारों वाली अग्नि-5 मिसाइल और आईएनएस रिघात जैसे पनडुब्बी से जमीन, समुद्र और हवाई सुरक्षा को मजबूत किया।पाकिस्तान ने अपने परमाणु हथियार नहीं बढ़ाए, बल्कि वह नई डिलीवरी सिस्टम और फिसाइल मटेरियल को जमा कर रहा है, जो परमाणु हथियार बनाने के लिए बेहद जरूरी सामान है। यानी पाकिस्तान आने वाले समय में परमाणु जखीरा बढ़ा सकता है। फिलहाल पाकिस्तान का फोकस शॉर्ट-रेंज टैक्टिकल न्यूक्लियर हथियारों पर है, जिन्हें भारत से मुकाबला करने के लिए डिजाइन किया गया है। अभी तक पाक से काम हथियार रखने के पीछे रिटायर्ड लेफ्टिनेंट जनरल संजय कुलकर्णी के मुताबिक, भारत के कम हथियार रखने की 3 बड़ी वजहें हो सकती हैं.भारत ने 1998 में दूसरी बार परमाणु परीक्षण करने के बाद 'नो फर्स्ट यूज' की स्ट्रेटजी अपनाई थी। यानी भारत पहले परमाणु हमला नहीं करेगा। इस स्ट्रैटजी के तहत भारत का फोकस मिनिमम क्रेडिबल डिटरेंस पर था, यानी इतने हथियार रखना कि जवाबी हमले से दुश्मन को भारी नुकसान हो सके। इसलिए भारत ने कम परमाणु हथियार बनाने पर जोर दिया। भारत ने कम हथियारों के साथ अपनी रक्षा करने की स्ट्रैटजी बनाई, जिसके लिए कम वॉरहेड्स की जरूरत थी। इसके उलट पाकिस्तान की नीति में पहले हमला करने की कोशिशें थीं। इसलिए पाकिस्तान ने शुरू से ही ज्यादा परमाणु हथियार बनाने पर जोर दिया।भारत का क्षेत्रफल करीब 32.8 लाख वर्ग किमी. है, जबकि

पाकिस्तान का क्षेत्रफल सिर्फ 7.96 लाख वर्ग किमी. ही है। भारत ने यह मानते हुए शुरू में कम हथियार रखे कि पाकिस्तान के छोटे क्षेत्रफल को निशाना बनाने के लिए कम लेकिन शक्तिशाली हथियार काफी हैं। भारत के पास न्यूट्रॉन, फिजन और थर्मोन्यूक्लियर बम हैं, जो 1.5 किमी. से लेकर 20 किमी. तक के इलाके को तबाह कर सकते हैं।

स्ट्रैटेजिक नजरिए से देखें तो छोटे क्षेत्रफल वाले देश को कम हथियारों से ज्यादा नुकसान पहुंचाया जा सकता है, क्योंकि इन देशों में टारगेट्स कम दूरी पर होते हैं। पाकिस्तान ने भारत के बड़े क्षेत्रफल की वजह से ज्यादा हथियार बनाए, ताकि वह भारत के कई हिस्सों को निशाना बना सके। इसलिए पाक ने कम दूरी वाली मिसाइलों पर काम किया, जो छोटे इलाकों में तेजी से इस्तेमाल हो सकें। 1990 और 2000 के दशक में भारत का परमाणु प्रोग्राम शुरुआती चरण में था। भारत ने अपने संसाधनों को परमाणु हथियारों के साथ-साथ आर्थिक विकास, सैन्य ताकत बढ़ाने और वैज्ञानिक अनुसंधान डेवलप करने में लगाया।

भारत ने परमाणु हथियारों की संख्या से ज्यादा क्वालिटी पर जोर दिया। जिससे कम बम ही पाकिस्तान में ज्यादा तबाही ला सकें। भारत ने अग्नि मिसाइलें, परमाणु पनडुब्बी और एमआईआरवि यानी एक साथ कई टारगेट्स को मारने वाली तकनीकों पर काम किया। जबकि पाकिस्तान ने सिर्फ परमाणु प्रोग्राम पर जोर दिया। पाकिस्तान ने तो यहां तक कहा था कि हम घास खा लेंगे, लेकिन परमाणु हथियार बनाकर रहेंगे।इसके अलावा भारत पर कई तरह के अंतरराष्ट्रीय प्रतिबंध भी लगे। 1998 में परमाणु परीक्षण के बाद भारत को कम फिसाइल मटेरियल मिला। जबकि पाकिस्तान को बम बनाने में चीन और नॉर्थ कोरिया ने मदद की। 2008 में भारत-

चीन DF-1 इंटर-कॉन्टिनेंटल बैलिस्टिक मिसाइल विकसित कर रहा है, जिसकी रेंज 12,000 से 15,000 किमी तक है। यह भारत की अग्नि-V से दोगुनी है।

अमेरिका परमाणु समझौते के बाद भारत को फिसाइल मटेरियल की खेप मिलनी शुरू हुई।पाकिस्तान से ज्यादा परमाणु बम बनाने की क्या वजह ऑब्जर्वर रिसर्च फाउंडेशन यानी ओआरआरफ़ में फेलो और डिफेंस एक्सपर्ट मनोज जोशी कहते हैं, 'भारत चीन को ध्यान में रखते हुए अपने परमाणु हथियार बढ़ा रहा है, क्योंकि चीन ने भी बहुत तेजी से अपने परमाणु हथियार बढ़ाए हैं। उसे डर है कि अमेरिका जैसा देश अगर उस पर परमाणु हमला कर दे, तो रिटैलिएट करने के लिए चीन के पास हथियार क्षमता कम है। चीन के बढ़ते हथियारों के चलते भारत भी सतर्क हो रहा है, क्योंकि चीन उस पर भी यह हथियार इस्तेमाल कर सकता है।' भारत अब अग्नि-6 जैसी लंबी दूरी की मिसाइलों पर काम कर रहा है, जो 6 हजार से 8 हजार किमी. दूरी तक हमला कर सकती हैं। यह मिसाइलें चीन के किसी भी हिस्से को निशाना बना सकती हैं, क्योंकि चीन का क्षेत्रफल और सैन्य ठिकाने भारत से ज्यादा बिखरे हुए हैं। इसके लिए ज्यादा परमाणु बमों की जरूरत है। ओआरआरफ़ में सीनियर फेलो सुशांत सरीन कहते हैं, 'हथियारों का जखीरा कोई भी देश अपनी न्यूक्लियर डिटरेंस यानी प्रतिरोधकता को दिखाने के लिए बढ़ाता है। अगर कभी परमाणु हमले की नौबत आती है, तो पाकिस्तान के महत्वपूर्ण तीन-चार इलाकों पर ही बम गिराना भारत के लिए काफी होगा।' सुशांत सरीन के मुताबिक, कूटनीतिक तौर पर भारत पाकिस्तान और चीन को यह संदेश भी देना चाहता है कि अगर पाकिस्तान और चीन एक साथ दो मोर्चों से भारत पर हमला करते हैं, तो वह दोनों पर मजबूत पलटवार करने में सक्षम होगा। भारत की न्यूक्लियर पॉलिसी पहले हमला न करने की है, लेकिन पाकिस्तान ऐसी कोई पॉलिसी नहीं मानता और बीते कुछ सालों में पाकिस्तान और चीन एकजुट हुए हैं। चीन के पास 600 परमाणु हथियार हैं, जो भारत से तीन गुना से भी ज्यादा हैं। एसआईपीआरआई के मुताबिक 2023 से चीन हर साल 100 न्यूक्लियर हथियार बढ़ा रहा है। जबकि भारत ने 2023 से 2025 तक सिर्फ 16 न्यूक्लियर हथियार ही बढ़ाए हैं। पाकिस्तान और चीन दोनों के परमाणु हथियार जोड़ लिए जाएं, तो यह भारत से चार गुना ज्यादा हैं। इतना ही नहीं, एसआईपीआरआई के मुताबिक चीन की करीब 350 इंटर-कॉन्टिनेंटल बैलिस्टिक मिसाइल भी लगभग तैयार हैं, जिन्हें उसने रेगिस्तानों और पहाड़ों पर तैनात किया है।चीन ने पहली बार अपने 24 परमाणु हथियारों को किसी भी वक्त लॉन्च करने के लिए मिसाइलों और ऑपरेशन बेसों पर भी तैनात कर दिया है। मनोज जोशी कहते हैं, 'परमाणु युद्ध में 5-10 हथियार भी पूरे देश को तबाह कर सकते हैं। अगर 5 हथियार ही पाकिस्तान के इस्लामाबाद, लाहौर और कराची पर गिरा दिए जाएं तो फिर पाकिस्तान में बचेगा क्या। ऐसे ही भारत में मुंबई, दिल्ली और कोई दो बड़े शहरों पर परमाणु हथियार गिरा दिए जाएं तो देश का काफी नुकसान हो जाएगा।' सुरक्षा कारणों से भारत अपने परमाणु हथियारों की लोकेशन नहीं बताता। शांति के समय में भारत अपने परमाणु हथियारों और लॉन्चर्स को अलग-अलग रखता आया है। हालांकि, एक्सपर्ट्स के मुताबिक अब भारत ने अपने कुछ परमाणु हथियारों को अंडरग्राउंड बंकर्स में न्यूक्लियर लॉन्चर्स के साथ ही रखा होगा, जिससे खतरे के समय इन्हें तुरंत लोड करके लॉन्च किया जा सके। अन्य हथियार भी अंडरग्राउंड स्टोरेज में ही रखे हो सकते हैं।

एअर इंडिया की आज 8 फ्लाइट्स कैंसिल:वजह ऑपरेशन और मेंटेनेंस,अहमदाबाद प्लेन क्रैश के बाद 9 दिन में 84 उड़ानें रद्द

नयी दिल्ली। एअर इंडिया ने शुक्रवार को 8 फ्लाइट्स कैंसिल कर

दी हैं। इनमें 4 इंटरनेशनल और 4 डोमेस्टिक हैं। एअर इंडिया ने बताया कि एयरपोर्ट पर मेंटेनेंस और ऑपरेशनल वजहों से इन उड़ानों को रद्द किया गया है। डोमेस्टिक फ्लाइट्स में पुणे से दिल्ली जा रही फ्लाइट एआई874, अहमदाबाद से दिल्ली की फ्लाइट एआई456, हैदराबाद से मुंबई की फ्लाइट एआई2872 और चेन्नई से मुंबई की फ्लाइट एआई571 कैंसिल हुई हैं। वहीं, इंटरनेशनल फ्लाइट्स में दुबई से चेन्नई आ रही फ्लाइट एआई906, दिल्ली से मेलबर्न जा रही फ्लाइट एआई308, मेलबर्न से दिल्ली आ रही फ्लाइट एआई309 और दुबई से हैदराबाद आ रही फ्लाइट एआई2204 शामिल हैं। इस तरह अहमदाबाद प्लेन क्रैश के बाद 9 दिन में अलग-अलग वजह से अब तक 84 उड़ानें रद्द की गई हैं। 12 जून को हुए प्लेन क्रैश हादसे में 270 लोगों की मौत हो गई थी। इसके बाद से हर एयरपोर्ट पर विमानों की ऑपरेशनल चेकिंग को सख्त कर दिया गया है।दिल्ली से वियतनाम जा रही एअर इंडिया की फ्लाइट एआई388 (एयरबस ए320 नियो विमान) को बीच रास्ते से वापस दिल्ली बुलाया गया था। फ्लाइट में 130 यात्री सवार थे। प्लेन में तकनीकी खामी का पता चला। इनके अलावा, एयर इंडिया की 3 अन्य फ्लाइट भी कैंसिल हुई थीं।दिल्ली से लेह जा रही इंडिगो फ्लाइट 6ई 2006 तकनीकी खराबी के कारण गुरुवार सुबह वापस दिल्ली लौटी थी। फ्लाइट में क्रू मेंबर्स सहित 180 लोग सवार थे। स्पाइसजेट फ्लाइट एसजी696 भी उड़ान भरने के 10 मिनट बाद वापस लौटी थी।। ये फ्लाइट हैदराबाद से तिरुपति जा रही थी। फ्लाइट में कुल 80 यात्री सवार थे। एयरलाइंस ने बताया था कि टेकऑफ के बाद पायलट को संकेत मिला कि विमान के पिछले दरवाजे में कुछ दिक्कत है। इंडिगो एयरलाइन का विमान गुवाहाटी से चेन्नई जा रहा था। प्लेन फ्यूल की कमी के चलते बेंगलुरु में उतारा गया। फ्लाइट में 168 यात्री सवार थे। यहीं पर रीफ्यूलिंग होने के बाद वापस चेन्नई के लिए उड़ा।दिल्ली से बाली जा रही फ्लाइट एआई2145 बीच रास्ते से ही दिल्ली लौटी। एयरलाइन ने बताया यह फैसला बाली एयरपोर्ट के पास ज्वालामुखी विस्फोट की खबरों के कारण यात्रियों की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए लिया गया। टोरंटो से दिल्ली वाली फ्लाइट एआई188 कैंसिल की गई। फ्लाइट में यात्री सवार हो चुके थे, उन्हें उतारा गया। कहा गया कि विमान के मेंटेनेंस और क्रू के फ्लाइट ड्यूटी टाइम की लिमिटेशन के चलते इसे रद्द किया गया है। दुबई से दिल्ली आने वाली फ्लाइट एआई996 को तकनीकी खामी के चलते कैंसिल किया गया। इस फ्लाइट में भी यात्री सवार हो चुके थे। आदेश जारी होते ही उन्हें भी उतारा गया।उड्डयन महानिदेशालय के अनुसार, 12 से 17 जून के बीच एअर इंडिया ने बोइंग 787 की फ्लाइट्स को मिलाकर 69 उड़ानें रद्द कीं। डीजीसीए ने कहा- 12 जून की घटना के बाद एअर इंडिया के बोइंग 787 सीरीज ड्रीमलाइनर की जांच की गई, जिसमें सुरक्षा को लेकर कोई बड़ी बात सामने नहीं आई। डीजीसीए ने कहा कि विमान का रखरखाव मौजूदा सिक्योरिटी नियमों के मुताबिक पाया गया है। एयर इंडिया की फ्लीट में 33 बोइंग 787- 8/9 विमान हैं। मंगलवार को डीजीसीए की एअर इंडिया के अधिकारियों के साथ बैठक हुई। इसमें डीजीसीए ने एयरलाइन को विमान सुरक्षा पर ध्यान देने, फ्लाइट ऑपरेशन को सख्त करने और समय पर फ्लाइट डिपार्चर ये तय करने के निर्देश दिए हैं।

यूपी के कई जिलों में भारी बारिश की चेतावनी, वङ्कापात का ऑरेंज अलर्ट

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में बुधवार से दक्षिणी हिस्से से शुरू हुई मानसूनी बारिश का दायरा धीरे- धीरे तराई, मध्य और पश्चिमी इलाकों तक बढ़ने लगा है। मौसम विभाग का कहना है कि शुक्रवार को प्रदेश में बारिश के क्षेत्रफल और तीव्रता में और बढ़ोतरी आएगी। शुक्रवार के लिए पूर्वी-दक्षिणी यूपी और बुंदेलखंड के बांदा, झांसी, ललितपुर समेत कुल 12 जिलों में भारी बारिश का ऑरेंज अलर्ट जारी किया गया है। साथ ही मध्य व पश्चिमी यूपी के 23 जिलों में भारी बारिश का येलो अलर्ट है। वहीं प्रदेश के 55 जिलों में गरज चमक के साथ वङ्कापात की चेतावनी जारी की गई है। बारिश के दौरान इन इलाकों में तेज झोंकेदार हवाएं चलने के आसार हैं। प्रदेश में मानसून के दाखिल होने के साथ ही बृहस्पतिवार को फिरोजाबाद में सर्वाधिक 120 मिमी बारिश दर्ज की गई। वहीं आगरा, मथुरा, अलीगढ़, फिरोजाबाद, इटावा, बुलंदशहर, मेरठ, बरेली, सीतापुर,

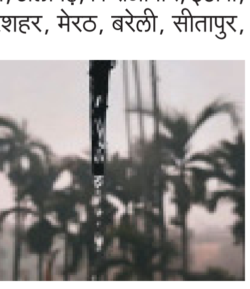

लखनऊ, बाराबंकी, बहराइच, बलरामपुर, सिद्धार्थनगर, सोनभद्र, वाराणसी, सुल्तानपुर में भी हल्की से मध्यम बारिश हुई।आंचलिक मौसम विज्ञान केंद्र लखनऊ के वरिष्ठ वैज्ञानिक अतुल कुमार सिंह ने बताया कि 20 जून को यूपी के विभिन्न हिस्सों में बारिश की तीव्रता और क्षेत्रफल में विस्तार देखने को मिलेगा।भारी से बहुत भारी वर्षा के लिए ऑरेंज अलर्ट बांदा, चित्रकूट, कौशांबी, प्रयागराज, फतेहपुर, सोनभद्र, मिर्जापुर, भदोही, हमीरपुर, महोबा, झांसी, ललितपुर व आसपास के इलाकों में। यहां है मेघगर्जन व वङ्कापात का ऑरेंज अलर्ट बांदा, चित्रकूट, कौशांबी, प्रयागराज, फतेहपुर, प्रतापगढ़, सोनभद्र, मिर्जापुर, चंदौली, वाराणसी, भदोही, जौनपुर, गाजीपुर, आजमगढ़, मऊ, बलिया, गोंडा, श्रावस्ती, बहराइच, लखीमपुर खीरी, सीतापुर, हरदोई, फर्रुखाबाद, कन्नौज, कानपुर देहात, कानपुर नगर, उन्नाव, लखनऊ, बाराबंकी, रायबरेली, अमेठी, सुल्तानपुर, अयोध्या, अंबेडकर नगर, अलीगढ़, मथुरा, हाथरस, कासगंज, एटा, आगरा, फिरोजाबाद, मैनपुरी, इटावा, औरैया, बरेली, पीलीभीत, शाहजहांपुर, बदायूं, जालौन, हमीरपुर, महोबा, झांसी, ललितपुर व आसपास के इलाकों में।

भोपाल के बाद चर्चा में आया लखनऊ का अधूरा ओवरब्रिज, अखिलेश यादव बोले- ईमानदारी इसी पुल से कूदकर..

लखनऊ। लखनऊ के पारा इलाके में केशरीखेड़ा ओवरब्रिज का काम तीन महीने से रुका हुआ है। दरअसल रास्ते में आ रहे एक मकान के मालिक को अफसर मुआवजे के लिए राजी नहीं कर पा रहे हैं।भोपाल में तैयार एक ओवरब्रिज अपनी एल शेप डिजाइन के चलते सुर्खियों में छाया हुआ है। 90 डिग्री कोण पर बना यह ओवरब्रिज वाहन चालकों के लिए काल साबित हो सकता है। इसी तरह, लखनऊ में एक ओवरब्रिज ऐसी जगह पर बना दिया गया है जहां सामने मकान है और उसकी वजह से काम तीन महीने से रुका पड़ा है। इसको लेकर प्रशासन की किरकिरी हो रही है। लोग कह रहे कि बगैर किसी योजना के अफसरों ने ओवरब्रिज का काम कैसे शुरू करा दिया। इस मुद्दे पर सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने भी मजे लिए हैं। अपने एक्स हैंडल पर अखिलेश यादव ने लिखा है- 'जिन्होंने योजना आयोग को खत्म

कर दिया उनके राज में बिना योजना के यही हाल होगा। शुक्र तो ये मनाइए कि बिल्डिंग को चीरते हुए पुल नहीं बना। भाजपाई भ्रष्टाचार को देखकर, कहीं ईमानदारी इसी पुल से कूदकर..। और कुछ नहीं कहना है।'यह ओवरब्रिज पारा इलाके में बन रहा है। बॉटल नेक जैसी जगह पर मकान का कोना फंसने से करीब तीन माह से निर्माण कार्य रुका है। अफसर अभी तक मकान मालिक को मुआवजे के लिए राजी नहीं कर पाए हैं। फिलहाल जिला प्रशासन वार्ता के जरिए इसका हल तलाशने में जुटा है। पारा इलाके में कृष्णानगर क्रॉसिंग के पास का हिस्सा बेहद संकरा है। यहां ओवरब्रिज को मोड़ देना जरूरी है।सेतु निगम की टीम ने इस हिस्से तक ओवरब्रिज का निर्माण पूरा कर लिया है, लेकिन इसके आगे दो मंजिला मकान के कारण काम थम गया है। सूत्रों के मुताबिक, इसका हल निकालने के लिए सेतु निगम और जिला प्रशासन की टीमों ने कवायद शुरू की तो सामने आया कि मकान का कुछ हिस्सा रेलवे की जमीन पर है। इसके बाद जिला प्रशासन के अफसर ने मकान मालिक से बात की, लेकिन उनका दावा है कि मकान उनकी जमीन पर है।

गोंडा: पत्नी ने जहर देकर मारने की कोशिश की! सहमे पति ने प्रेमी से शादी करवा विदा कर दिया

गोंडा। उत्तर प्रदेश के गोंडा में एक पति ने अपनी पत्नी की शादी उसके प्रेमी से करवा दी। यह घटना खोड़ारे थाना क्षेत्र के दौलतपुर ग्रांट के दान बहादुर डीह गांव में हुई। हरिश्चंद्र नामक व्यक्ति ने अपनी पत्नी करिश्मा का विवाह उसके प्रेमी शिवराज चौहान से करा दिया। हरिश्चंद्र का कहना है कि पत्नी ने उसे जहर देकर मारने की कोशिश की थी, जिससे वह डर गया था और उसने यह कदम उठाया। यह शादी पूरे इलाके में चर्चा का विषय बना हुआ है।दूसरी ओर, पत्नी का कहना है कि पति ने उसकी जबरन शादी करवाई है जबकि प्रेमी का कहना है कि वह इस शादी से खुश है। यह मामला खोड़ारे थाना क्षेत्र के दौलतपुर ग्रांट का है। दान बहादुर डीह में रहने वाले 40 वर्षीय हरिश्चंद्र की 15 साल पहले 35 वर्षीय करिश्मा से शादी हुई थी। दोनों के दो बच्चे हैं, एक बेटा जिसकी उम्र 11 साल है और एक बेटी जिसकी उम्र 7 साल है। हरिश्चंद्र सूरत में काम करता था। बीमार होने के कारण वह घर लौट आया और फिलहाल घर पर ही रह रहा था। करीब एक साल पहले करिश्मा का प्रेम प्रसंग महराजगंज निवासी शिवराज चौहान से शुरू हुआ। शिवराज भी सूरत में ही काम करता है। हरिश्चंद्र को इस बारे में पहले ही पता चल गया था। पति हरिश्चंद्र ने करिश्मा और शिवराज को पकड़कर गांव के बुढ़ऊ बाबा मंदिर ले गया। वहां उसने पहले पत्नी करिश्मा की मांग का सिंदूर खुद पानी से धोया। इसके बाद शादी कराने के लिए पंडित को बुलाया। प्रेमी शिवराज चौहान ने करिश्मा की मांग में सिंदूर भरा। शादी के बाद करिश्मा बेटी को साथ ले गई, जबकि बेटा पति हरिश्चंद्र के पास है। दूसरी ओर, इलाके की पुलिस को ऐसी किसी घटना के बारे में जानकारी नहीं है।

नैनी जेल में अतीक का बेटा 'फांसी घर' भेजा गया:4 सिक्योरिटी गार्ड, सीसीटीवी से निगरानी, कैश मिलने के बाद बदली बैरक

प्रयागराज। अतीक के बेटे

अली अहमद को नैनी सेंट्रल जेल की 'फांसी घर' वाली हाई सिक्योरिटी सेल में रखा गया है। अली के पास जेल में कैश बरामद होने के बाद यह सख्ती की गई है। फांसी घर की हाई सिक्योरिटी सेल अन्य बैरकों से काफी दूर है। बैरक के अंदर और बाहर के पूरे रास्ते तक इतने CCTV लगे हैं कि कोई ब्लैंक स्पॉट नहीं है। बैरक के बाहर 4 सुरक्षाकर्मी और नंबरदारों की ड्यूटी लगी है। प्रयागराज की नैनी सेंट्रल जेल के अंदर बना 'फांसी घर' अब खंडहर सरीखी इमारत में तब्दील हो चुका है। साल-1970 से यह वीरान खंडहर की तरह पड़ा है। कभी यहां पर फांसी देने वाले बंदियों को एक दिन पहले लाकर बंद किया जाता था। इस 'फांसी घर' में कुल 14 लोगों को फांसी दी गई गई है। फांसी की सजा पर रोक के बाद अब यह हिस्सा कम ही इस्तेमाल होता है। लेकिन, इस हाई सिक्योरिटी बैरक में अहम कैदियों को रखा जाता है। कई बार ऐसे कैदी, जो साथियों पर हंगामा करते हैं, उन्हें यहां बंद किया जाता है। अब इसी हाई सिक्योरिटी सेल में अली अहमद को रखा गया है।

शराब पीकर हंगामा करने से रोका तो महिला पर हमला,12 लोगों ने घर में घुसकर की मारपीट

प्रयागराज। खुल्दाबाद थाना क्षेत्र

में एक महिला के साथ मारपीट का मामला सामने आया है। सब्जी मंडी पुलिस चौकी के पीछे रहने वाली मंजू सिंह ने मोहल्ले के कुछ युवकों को शराब पीकर हंगामा करने से रोका। इस पर दबंगों ने उनके घर में घुसकर हमला कर दिया।किशन सोनकर, राहुल सोनकर, अंकित सोनकर समेत करीब एक दर्जन लोगों ने महिला के साथ अभद्रता की। आरोपियों ने परिवार के अन्य सदस्यों को भी धमकाया। मोहल्ले के लोगों ने जब बीच-बचाव की कोशिश की तो आरोपी उनसे भी भिड़ गए।पीड़िता ने महिला पुलिस चौकी में लिखित शिकायत दर्ज कराई है। उनका आरोप है कि शिकायत के बाद भी पुलिस ने कोई कार्रवाई नहीं की। इससे दबंगों का हौसला बढ़ गया है और मोहल्ले में डर का माहौल है।स्थानीय लोगों के अनुसार इन दबंगों के खिलाफ पहले भी कई शिकायतें की गई हैं। मंजू सिंह ने पुलिस प्रशासन से सुरक्षा की मांग की है। उन्होंने कहा कि समय रहते कार्रवाई न होने पर उनके परिवार को खतरा हो सकता है।स्थानीय लोग पीड़िता को न्याय दिलाने की मांग कर रहे हैं। क्षेत्र में तनावपूर्ण स्थिति बनी हुई है।

अटाला रेस्टोरेंट बमबाजी के आरोपी पकड़े गए,प्रयागराज में पुलिस मुठभेड़, एक को लगी गोली, दूसरा भी गिरफ्त में

प्रयागराज। अटाला इलाके में रेस्टोरेंट पर बम

फेंकने के आरोपियों को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। खुल्दाबाद थाना क्षेत्र में देर रात हुई मुठभेड़ में मुख्य आरोपी अब्दुल्ला पैर में गोली लगने से घायल हो गया। पुलिस ने उसके साथी भानु को भी मौके से दबोच लिया। कुछ दिन पहले दोनों आरोपियों ने अटाला स्थित एक रेस्टोरेंट में बम फेंका था। इस घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने से शहर में दहशत फैल गई थी। मुखबिर की सूचना पर पुलिस ने आरोपियों की लोकेशन ट्रेस की। पुलिस की घेराबंदी के दौरान बदमाशों ने फायरिंग शुरू कर दी। जवाबी कार्रवाई में अब्दुल्ला घायल हो गया। उसे इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। भानु को मौके पर ही पकड़ लिया गया। पुलिस दोनों आरोपियों का आपराधिक इतिहास खंगाल रही है। घटना के पीछे का मकसद और पूरे नेटवर्क की जांच की जा रही है।

प्रयागराज जंक्शन पर 25 हजार वोल्ट लाइन से लटका युवक-बाल-बाल बची जान

प्रयागराज। प्रयागराज जंक्शन पर एक युवक द्वारा 25 हजार वोल्ट की ओवरहेड इलेक्ट्रिक (ओएचई) लाइन पर झूलने का हैरान कर देने

वाला वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। यह सनसनीखेज घटना प्लेटफॉर्म नंबर 7 पर हुई, जब एक मानसिक रूप से असंतुलित युवक ने रेलवे ट्रैक के ऊपर लगे हाई वोल्टेज तार को पकड़कर कई राउंड झूला और फिर ट्रैक पर कूद गया।करीब 46 सेकेंड के इस वीडियो को शशिकांत दुबे नाम के युवक ने इंस्टाग्राम पर शेयर किया, जिसमें यह पूरी घटना कैद है।

महिलाओं के लिए लगती है फ्री योगा क्लास,शिवाजी पार्क में रोज करती हैं प्रैक्टिस, 8 साल पहले हुई थी शुरुआत

प्रयागराज। 21 जून को अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस है। इस दिन हर कोई योग करते हुए फोटो सोशल मीडिया पर पोस्ट करते दिख जाएगा। लेकिन ममफोर्डगंज स्थित शिवाजी पार्क में प्रतिदिन योग दिवस होता है। यहां महिलाओं के लिए फ्री योग शिविर आयोजित होता है। राधे-राधे योगा एंड एरोबिक्स वेलफेयर सोसाइटी की अध्यक्ष अंजली वर्मा की ओर से की गई यह पहल आज महिलाओं के स्वास्थ्य को बेहतर बनाने में मददगार साबित हो रही है। काफी दूर से यहां महिलाएं योगाभ्यास करने के लिए पहुंचती हैं।अंजली वर्मा कहती हैं कि आठ साल पहले हमने इसी पार्क से योग करना शुरू किया। 2017 में चार महिलाओं से एरोबिक स्टार्ट किया था। काफी कुछ संघर्ष भी करना पड़ा। कुछ लोगों ने यहां से हटाने की कोशिश भी की लेकिन हमारी मेहनत और ईमानदारी से किए गए हर कार्य आज इतनी महिलाएं यहां योग शिविर में शामिल हो

रही हैं। संस्था की तरफ से हम लोग कई तरह के सामाजिक कार्य करते हैं जो पूर्णता निशुल्क रहते हैं।यहां किसी से कोई पैसा नहीं लिया जाता है। यहां से अभी लगभग 400 महिलाएं स्वास्थ्य लाभ ले चुकी हैं और लगभग 10 से 15 महिलाएं यहां से एरोबिक्स और योग सीख कर अलग-अलग कक्षाएं चला रही हैं। संस्था की सचिव लक्ष्मी केसरवानी कहती हैं, 21 जून को यहां योग महाकुंभ आयोजित होगा। जिसमें बड़ी संख्या में महिलाएं शामिल होंगी।शिक्षिका मोनिषा शुक्ला यहां 6 वर्षों से योग करने के लिए आती हैं। यह कहती हैं, मैं डायबिटिक हूं। बीपी और थायराइड भी है। लेकिन जब से यहां आती हूं काफी आराम मिलता है। मैं अब दवा नहीं लेती हूं। राखी गुप्ता ने कहा, मैं यहां प्रतिदिन आकर योग करती हूं। यहां आकर शारीरिक और मानसिक तौर पर काफी स्वस्थ हूं। मंदाकिनी कहती हैं, मैं 2 साल से आती हूं योग करने। माइग्रेन की प्राब्लम थी लेकिन अब बिल्कुल राहत है। सांत्वना मिश्रा कहती हैं, योग से मैं बहुत ही स्वस्थ रहती हूं। प्रकाश कौर कहती हैं वर्षों से मैं यहां योग करने के लिए आती हूं, योग से काफी एनर्जी रहती है।

मानसून से पहले नालों की सफाई की जाए':प्रयागराज में महापौर ने बैठक में नगर निगम के अधिकारियों को दिए निर्देश

प्रयागराज। प्रयागराज नगर निगम में गुरुवार को मानसून पूर्व

तैयारियों को लेकर महत्वपूर्ण बैठक हुई। महापौर उमेश चंद्र गणेश केसरवानी ने बैठक की अध्यक्षता की। बैठक में पार्षद कुसुम लता, आशीष द्विवेदी, रीतेश मिश्रा, दीपेन्द्र यादव समेत अपर नगर आयुक्त और नगर स्वास्थ्य अधिकारी महेश कुमार उपस्थित थे।महापौर ने पिछली समीक्षा बैठक में दिए गए निर्देशों की प्रगति रिपोर्ट मांगी। नाले-नालियों की सफाई के लिए मैनपावर बढ़ाने के पूर्व निर्देशों पर अधिकारी संतोषजनक जवाब नहीं दे पाए। इस पर महापौर ने सभी जोनों में तत्काल मैनपावर बढ़ाने के आदेश दिए।शहर में जमा कूड़े और मलबे के निस्तारण पर विशेष ध्यान देने को कहा गया। गलियों की नालियों से सिल्ट निकालने का कार्य भी तेजी से करने के निर्देश दिए गए। महापौर ने स्पष्ट किया कि कार्य में लापरवाही स्वीकार नहीं की जाएगी। उन्होंने कहा कि समय पर सफाई न होने से बारिश में जलभराव की समस्या उत्पन्न हो सकती है। नगर निगम आने वाले दिनों में शहरभर में विशेष सफाई अभियान चलाने की योजना बना रहा है। यह अभियान मानसून से पहले पूरा किया जाएगा।

ईरान के खुमैनी या खामेनेई... किसका है यूपी के बाराबंकी से कनेक्शन?

बाराबंकी। ईरान और इजरायल के बीच चल रहे युद्ध

की वजह से पूरी दुनिया में खलबली मची हुई है। इजरायली रक्षा मंत्री का कहना है कि ईरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनेई जीवित रहने योग्य व्यक्ति नहीं है। बहुत कम लोगों को पता होगा कि यूपी के बाराबंकी का ईरान से बहुत पुराना कनेक्शन है। 1978 में जब ईरान में इस्लामिक क्रांति हुई तो उसके अगुवा रूहुल्लाह खुमैनी थे। खुमैनी के दादा सैयद अहमद मूसवी बाराबंकी के गांव किंतूर के रहने वाले थे। उनका जन्म यहीं हुआ था। सोशल मीडिया और कई मीडिया रिपोर्टों में खुमैनी की जगह खामेनेई का नाता बाराबंकी से बताया जा रहा है जो कि गलत है। सिरौलीगौसपुर तहसील के किंतूर गांव में सैयद अहमद मूसवी का जन्म हुआ था। 40 साल की उम्र में वह पहली बार धार्मिक यात्रा पर इराक गए। वहां से ईरान पहुंचे और वहीं के एक गांव खुमैन में बस गए। अहमद मूसवी ने अपने नाम के आगे उपनाम हिंदी जोड़ा। लोग उन्हें सैयद अहमद मूसवी हिंदी के नाम से पुकारने लगे।मूसवी के पोते रूहुल्लाह खुमैनी का जन्म 1902 में हुआ। उन्होंने धर्म के साथ बड़े दार्शनिकों की किताबें पढ़ी। उस समय ईरान में पहलवी खानदार का शासन था। खुमैनी ने जमकर उनका विरोध किया। शासक ने उनको देश से निकाल दिया। एक अखबार ने उनको भारत का एजेंट बता दिया। आम जनता खुमैनी के पक्ष में सड़कों पर उतर आई। डरकर शासन ईरान छोड़कर भाग गया। 14 साल बाद खुमैनी वापस ईरान लौटे। 1979 में पहली बार ईरान में इस्लामी सरकार बनी। खुमैनी ईरान के पहले सुप्रीम लीडर बने।1989 में जब रूहुल्लाह खुमैनी का निधन हुआ तो वर्तमान सुप्रीम लीडर अयातुल्ला खामनेई ने उनकी जगह ले ली। पद संभालते ही उन?होंने ईरान के संविधान में संशोधन करवा दिया। ईरान को एक मजहबी तानाशाही में लाने में अयातुल्ला खामेनेई और उनके गुरु कहे जाने वाले रुहोल्लाह खुमैनी का बड़ा योगदान माना जाता है।

केजीएमयू के 3 डॉक्टर सहित 10 लोगों को कोरोना संक्रमण:लखनऊ में 2 दिन में 17 केस थाईलैंड से लौटे व्यक्ति की रिपोर्ट पॉजिटिव

लखनऊ। लखनऊ में कोरोना

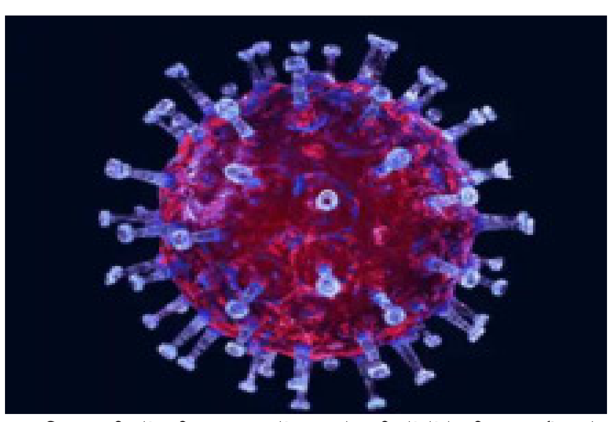

संक्रमित मरीजों की संख्या में लगातार इजाफा हो रहा है। आज केजीएमयू के 3 डॉक्टर सहित 10 लोगों की कोविड रिपोर्ट पॉजिटिव आई है। दो दिन के भीतर लखनऊ में 17 कोरोना पॉजिटिव केस सामने आ चुके हैं। राजधानी के कई डॉक्टर भी कोरोना की चपेट में हैं।शुक्रवार सुबह आई रिपोर्ट में लखनऊ में 24 घंटे में 10 नए संक्रमित मिले हैं। इनमें 5 महिला और 5 पुरुष शामिल हैं। इसी के साथ लखनऊ में सक्रिय कोरोना संक्रमितों की संख्या तीन दर्जन के पार कर 37 तक पहुंच गई है।शहर के जानकीपुरम निवासी की रिपोर्ट पॉजिटिव आई है। 8 जून को थाईलैंड टूर पर निकलना के बाद 14 को नई दिल्ली आए और फिर 17 को वापस लखनऊ लौटे। जुकाम और बुखार होने जांच के लिए सैंपल भेजा गया था।पॉजिटिव आने वाले मरीजों में केजीएमयू कैंपस के टीजी हॉस्टल में रह रहे 3 डॉक्टर भी शामिल हैं। इनमें एक महिला और दो पुरुष हैं। सभी को आइसोलेशन में रखा गया है। इसके साथ डॉक्टर निगरानी कर रहे हैं।24 घंटे में राज्य में 30 पॉजिटिव केस मिले हैं। इसी के साथ कोरोना संक्रमितों के एक्टिव केस की संख्या 255 तक पहुंच गई है। सबसे ज्यादा एक्टिव केस गौतमबुद्ध नगर में है। यहां 155 संक्रमित हैं। इसके अलावा लखनऊ में 37 और गाजियाबाद में 20 संक्रमित हैं।एक दिन पहले यानी गुरुवार को लखनऊ में 6 महीने की बच्ची समेत 7 नए कोरोना संक्रमित मिले थे। इनमें रहीमाबाद में 12 साल की बच्ची भी पॉजिटिव मिली है। संक्रमितों में पांच पुरुष और दो महिलाएं हैं।

आगरा पुलिस की खुले में शराब पीने वालों पर कार्रवाई,405 लोगों को पकड़ा लगातार होगी धरपकड़, कमिश्नर बोले- शहरवासी 112 पर दें सूचना

आगरा। आगरा पुलिस ने खुले में शराब पीने वालों के खिलाफ अभियान शुरू किया है। अभियान के पहले दिन शहर में 405 लोगों को सार्वजनिक स्थल पर शराब पीते हुए पकड़ा गया। आगरा पुलिस कमिश्नर दीपक कुमार ने इस अभियान को सफल बनाने के लिए

शहरवासियों का सहयोग मांगा है। उन्होंने अपील की है कि सार्वजनिक स्थल पर शराब पीने वाले की सूचना 112 पर दें।आगरा पुलिस ने बीती रात को शहर में सार्वजनिक स्थल पर शराब पीने वालों के खिलाफ अभियान चलाया। रात को थाना क्षेत्रों में पुलिसकर्मी शराब के ठेके और मॉडल शॉप पर पहुंचे। यहां पर जो भी लोग खुले में शराब पी रहे थे। उनको पकड़ा गया। शहर में 405 लोगों के शराब पीते हुए पकड़ा गया। इसके अलावा कार में बैठकर शराब पीने वालों पर भी कार्रवाई की गई। पुलिस ने 255 वाहनों के चालान भी किए।खुले में शराब पीने वालों के खिलाफ वैधानिक कार्रवाई की गई है। इसके अलावा सभी को थानों में भविष्य में खुले में शराब न पीने की शपथ भी दिलाई गई। पुलिस आयुक्त दीपक कुमार ने बताया कि अभियान लगातार चलता रहेगा।जनपद के सभी सम्मानित नागरिकों को मेरा नमस्कार, मैं आपका पुलिस कमिश्नर दीपक कुमार। आप जनपद वासियों से एक सहयोग चाहता हूं। मैंने अभी हाल ही में जनपद के सभी थाना क्षेत्रों में सार्वजनिक स्थलों पर शराब सेवन के विरूद्ध अभियान शुरू कराया है। इस अभियान के दौरान सभी थाना क्षेत्रों में प्रभावी कार्यवाहियां हुई हैं, जो लगातार जारी हैं।बीती रात्रि भी शहर क्षेत्र से कुल 405 व्यक्तियों को सार्वजनिक स्थलों पर शराब सेवन करते हुए पकडा गया है, जिनके विरुद्ध वैधानिक कार्यवाही की गई है। नागरिकों से अनुरोध है कि सार्वजनिक स्थलों पर शराब सेवन न करें। यह दण्डनीय अपराध है।मैं चाहता हूं कि हम इस अभियान को साथ मिलकर और अधिक प्रभावी रूप से अंजाम दें। इस सम्बन्ध में मुझे आपका अपेक्षित सहयोग चाहिए, जिसमें आप यदि किसी व्यक्ति को सार्वजनिक स्थलों पर शराब सेवन करते हुए देखते हैं तो इसकी सूचना 112 डायल कर दे सकते हैं। आपके सहयोग से हम जनपद में सार्वजनिक स्थलों पर शराब सेवन को पूर्णतः रोक सकते हैं।आइए, हम एक साथ मिलकर एक सभ्य और सुरक्षित समाज के निर्माण में अपनी भागीदारी सुनिश्चित करें, एक अच्छे और जागरूक नागरिक का परिचय दें।

बलरामपुर में नाबालिग से दुष्कर्म का मामला,12 घंटे में पुलिस ने चारों आरोपियों को किया गिरफ्तार

बलरामपुर। बलरामपुर के कोतवाली उतरौला क्षेत्र में 12 जून को एक नाबालिग लड़की के साथ

दुष्कर्म का मामला सामने आया है। पीड़िता की मां ने 18 जून को पुलिस में शिकायत दर्ज कराई।15 वर्षीय पीड़िता मेला देखने गई थी। वहां से चचेरे भाई के साथ लौटते समय बाथरूम जाने पर चार युवकों ने उसके साथ दुष्कर्म किया।आरोपियों में लालगंज हरनीडीह के अख्तर रजा, राज कुरैशी, शिवा यादव और उतरौला के रफीनगर निवासी फिरोज कुरैशी शामिल हैं।पुलिस अधीक्षक विकास कुमार के अनुसार, पूछताछ में आरोपियों ने बताया कि रात 11 बजे शिवा यादव और अख्तर रजा मोटरसाइकिल से जा रहे थे। उन्होंने लड़की को सूनसान जगह पर देखा। फिर राज कुरैशी को फोन कर बुलाया। तीनों ने बारी-बारी से पीड़िता के साथ दुष्कर्म किया। इसके बाद शराब के नशे में धुत फिरोज कुरैशी को लड़की को सौंप दिया, जिसने भी उसके साथ दुष्कर्म किया।पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए 12 घंटे के भीतर सभी आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। पीड़िता की मां ने बताया कि लोक-लाज के कारण वह घटना की सूचना 6 दिन बाद दर्ज करा पाईं।

एक और घर बर्बाद

संदिग्ध हालात में मिले मां-बेटी के शव, जहरीला पदार्थ खाने की आशंका, पति से हुआ था विवाद

कौशांबी। उत्तर प्रदेश में कौशांबी के सैनी कोतवाली क्षेत्र

के पथरावां गांव में बृहस्पतिवार को कमरे में मां-बेटी का शव पाया गया। घटना स्थल पर सल्फास का रैपर मिला है, जिससे आशंका जताई जा रही है कि जहरीला पदार्थ खाने से मौत हुई है। परिजनों की सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर विधिक कार्रवाई करते हुए जांच शुरू कर दी।बता दें, सैनी कोतवाली क्षेत्र के पथरावां गांव के सुरेंद्र कुमार यादव जो राजस्थान में काम करता है। वहीं कौशांबी स्थित घर पर उसकी पत्नी सोनी देवी अपनी दो बेटियों और सास ससुर के साथ रहती थी। इधर कुछ दिनों पहले पति घर आया था। जो पत्नी पर शक कर के आए दिन उससे विवाद करता था। चार दिनों पहले भी उसने पत्नी पर किसी अन्य व्यक्ति से अवैध संबंध होने का आरोप लगाया, जिसको लेकर दोनों के बीच जमकर विवाद हुआ।विवाद के बाद पति नाराज होकर राजस्थान चला गया। बुधवार की रात्रि में परिवार के सभी सदस्य भोजन करने के बाद अपने-अपने कमरे में सोने चले गए। देर रात्रि में छोटी बेटी लक्ष्मी ने मां को किसी अन्य व्यक्ति के साथ देखे जाने की बात कही और शोरगुल मचाने लगी। लेकिन परिवार के अन्य सदस्यों ने समझा बुझाकर मामला शांत कराया।वहीं बृहस्पतिवार को सुबह चार बजे शौच क्रिया के लिए उठी बड़ी बेटी ने मां और छोटी बहन को मृत हालत में देखा। शवों के देखकर उसकी चीख पुकार निकल गई। शोरगुल सुनकर पहुंचे ग्रामीणों और परिवार के अन्य सदस्यों को घटना की जानकारी हुई। परिवारिक सदस्यों का कहना है कि रात्रि में छोटी बेटी ने मां को अन्य व्यक्ति के साथ देख लिया था, बात आगे न बढ़े तो उसके डर से मां ने पहले छोटी बेटी को सल्फास खिलाकर हत्या कर दी, बाद में खुद सल्फास खाकर आत्महत्या कर ली।वहीं पूछताछ के दौरान मृतका की बड़ी बेटी ने बताया कि पिता से मां का अक्सर विवाद होता था, पिता के राजस्थान जाने के बाद भी मोबाइल पर दोनों आपस में झगड़ते रहते थे। वहीं मामले पर क्षेत्राधिकारी सिराथू सतेंद्र तिवारी का कहना है कि, घटना की जानकारी मृतका के पति को दे दी गई है। पुलिस ने दोनों शवों को कब्जे में लेकर विधिक कार्रवाई करते पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

मुख्य विकास अधिकारी ने 11वे अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस 21 जून को आयोजित होने वाले आयोजन की तैयारियों को लेकर की बैठक

मोतीलाल नेहरू स्टेडियम में 21 जून को मनाया जाएगा अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस

रायबरेली। मुख्य विकास अधिकारी अर्पित उपाध्याय की

अध्यक्षता में विकास भवन स्थित गांधी सभागार में 11वे अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के आयोजन के सम्बन्ध में एक महत्वपूर्ण बैठक सम्पन्न हुई। बैठक में योग दिवस कार्यक्रम के सफल आयोजन हेतु बनाई गई कार्य योजना पर विस्तृत चर्चा की गई व आवश्यक दिशा निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिए गए, इसके साथ ही विभिन्न विभागों और संगठनों के बीच सहयोग और समन्वय को बढ़ावा देने पर जोर दिया गया। मुख्य विकास अधिकारी ने बताया कि 21 जून को अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के दिन सामूहिक योगाभ्यास का आयोजन जनपद मुख्यालय में मोतीलाल नेहरू स्टेडियम में प्रातः 06.00 बजे से किया जाएगा। इसके साथ ही सभी ग्राम पंचायत, ब्लॉक, तहसील, ऐतिहासिक स्थल ,विद्यालय और महाविद्यालय में भी कॉमन योग प्रोटोकॉल का अभ्यास किया जाएगा। उन्होंने बताया कि इस कार्यक्रम का उद्देश्य योग के प्रति लोगों को जागरूक करना, लोगों को स्वस्थ व तंदुरुस्त बनाने के लिए योग को बढ़ावा देना है। बैठक में जिला विकास अधिकारी अरुण कुमार, पीडी सतीश प्रसाद मिश्रा, जिला पंचायत राज अधिकारी सौम्यशील सिंह, जिला विद्यालय निरीक्षक संजीव कुमार सिंह, जिला प्रोबेशन अधिकारी जय पाल वर्मा सहित सभी संबंधित विभागों के अधिकारीगण उपस्थित रहे।

राजकीय आईटीआई में रोज़गार मेला 21 जून 2025 को

राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण

संस्थान नैनी प्रयागराज में दिनांक 21 जून 2025 को रोज़गार मेले का आयोजन किया गया है। जिसमें निजी क्षेत्र की एक कंपनी Teamlease Services Limited Prayagraj प्रतिभाग कर रही है जो कि एयरटेल के लिए भर्ती करेगी। जॉब लोकेशन- प्रयागराज,वाराणसी,

Gender - Male, Position/Post - Broadband and Wifi Installation Engineer, Educational Qualification- 12th, Graduate,B.tech, Technical Qualification- ITI (Wireman,Electrician), Salary/Stipend - 15000/. To 20000/., Bike,License and Android Mobile Must.

टेस्ट - साक्षात्कार के आधार पर। उम्र - 18 से 30 वर्ष, इच्छुक पुरुष अभ्यर्थी उक्त तिथि को अपने समस्त बायोडाटा सहित मूल दस्तावेज के साथ समय 10:00 बजे संस्थान में उपस्थित होने का कष्ट करें। प्लेसमेंट प्रभारी- 'अजय कुमार'

26 जून को जनपद स्तरीय खरीफ उत्पादकता गोष्ठी/किसान मेला का होगा आयोजन

रायबरेली। मुख्य विकास

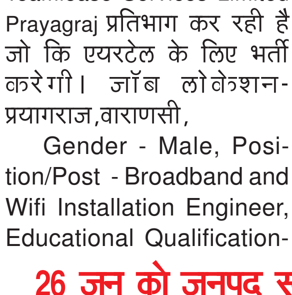

अधिकारी अर्पित उपाध्याय ने बताया है कि कृषि सूचना तंत्र के सुदृढीकरण एवं कृषक जागरूकता कार्यक्रम योजनान्तर्गत जनपद स्तरीय खरीफ उत्पादकता गोष्ठी, किसान मेला/प्रदर्शनी एवं कृषक जागरूकता कार्यक्रम से सम्बन्धित 01 दिवसीय खरीफ किसान मेला का आयोजन 26 जून 2025 को पूर्वान्ह 10:00 बजे से कृषि विज्ञान केन्द्र दरियापुर जनपद रायबरेली में किया जा रहा है, जिसमें सभी विभागों द्वारा अपने-अपने विभागों से संबंधित क्रियाकलापों एवं शासन द्वारा अनुमन्य सुविधाओं की जानकारी. प्रदर्शनी/स्टाल के माध्यम से मेले में भाग लेने वाले कृषकों/उपभोक्ताओं को दी जानी है। इस कार्यक्रम के माध्यम से किसानों को अधिक उत्पादन एवं उत्पादकता प्राप्त करने हेतु वैज्ञानिकों द्वारा जागरूक किया जाना है, जिसमें समस्त विभागों के प्रगतिशील कृषकों की भागीदारी तथा जनपद के समस्त कृषक उत्पादक संगठनों (एफ0पी0ओ0) के सदस्यों की प्रतिभागिता सुनिश्चित करायी जानी है।मुख्य विकास अधिकारी ने संबंधित विभागीय अधिकारियों से कहा है कि उपरोक्त कार्यक्रम में अपने-अपने विभागों की प्रदर्शनी/स्टाल लगवाना सुनिश्चित करते हुए स्वयं अपनी भी भागीदारी सुनिश्चित करें।

मिसेज यूनिवर्स एशिया नेहा शर्मा पहुंचीं नैनी औद्योगिक प्रशिक्षण केंद्र के छात्रों के बीच, टॉक शो में की बातें

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) प्रयागराज/नैनी। मिसेज यूनिवर्स एशिया नेहा शर्मा ने नैनी औद्योगिक प्रशिक्षण केंद्र के छात्रों के साथ एक प्रेरणादायक टॉक शो में भाग लिया। इस कार्यक्रम में नेहा शर्मा ने छात्रों के साथ अपने जीवन के अनुभव और करियर के बारे में चर्चा की। नेहा शर्मा ने कहा, 'आत्मविश्वास और मेहनत से हम अपने लक्ष्यों को प्राप्त कर सकते हैं।' उन्होंने छात्रों को अपने सपनों को पूरा करने के लिए प्रेरित किया और उन्हें अपने लक्ष्यों के प्रति मेहनत करने के लिए प्रोत्साहित किया। छात्रों ने नेहा शर्मा से उनके करियर, सौंदर्य और आत्मविश्वास के बारे में सवाल पूछे, जिसका उन्होंने विस्तार से जवाब दिया। इस टॉक शो में छात्रों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया और नेहा शर्मा की बातों से प्रेरित हुए। नैनी औद्योगिक प्रशिक्षण केंद्र के अधिकारियों ने बताया कि इस कार्यक्रम का उद्देश्य छात्रों को प्रेरित करना और उन्हें अपने लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए प्रोत्साहित करना है। नेहा शर्मा की प्रेरणादायक कहानी और उनके अनुभव छात्रों के लिए बहुत ही उपयोगी रहे।

संगम तट अरैल घाट पर संपन्न हुआ तीसरा त्रिवेणी योग महोत्सवष्ठ.!!

प्रयागराज। महाकुंभ मेले के दौरान करोड़ों श्रद्धालुओं की आस्था का केन्द्र रहा त्रिवेणी संगम तट अरैल घाट आज योगाभ्यास का साक्षी बना।अवसर था 11 वें अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के पूर्व योगाभ्यास हेतु आयोजित' त्रिवेणी योग महोत्सव' का जहाँ सैकड़ों की संख्या में स्त्री, पुरुष , युवा एवं बच्चों ने सामूहिक रूप से योगाभ्यास किया। उल्लेखनीय है कि भारत को पूरी दुनिया में 'योग साधना'के लिए 'विश्व गुरु' के रूप में जाना जाता है। प्रति वर्ष 21 जून को अंतरराष्ट्रीय योग दिवस का आयोजन विश्व स्तर पर किया जाता है। योग साधना व्यायाम का ऐसा प्रभावशाली प्रकार है, जिसके माध्यम से न केवल मानव शरीर के अंगों बल्कि मन और मस्तिष्क में आसानी से संतुलन बनाया जाता है। इसी परम्परा को आगे बढ़ाते हुये प्रयागराज फॉउण्डेशन ,पीयूष ग्रामोद्योग सेवा समिति सहित अन्य सभी सहयोगी संस्थाओं व सामाजिक संगठनों के माध्यम से आज अंतरराष्ट्रीय योग दिवस सप्ताह के अन्तर्गत 'त्रिवेणी योग महोत्सव' आयोजित किया गया। इस दौरान आरोग्यम् योग केन्द्र की निदेशिका योग प्रशिक्षिका आचार्य कुमकुम ने ध्यान सहित योग की विभिन्न विधाओं का अभ्यास कराया। इस अवसर पर कार्यक्रम के संरक्षक भाजपा के वरिष्ठ नेता योगेश शुक्ल ने अपने विचार रखते हुये कहा कि तीर्थराज प्रयाग के त्रिवेणी तट पर सामूहिक योगाभ्यास से निकला संदेश निश्चित ही पूरी दुनिया को मानवता की रक्षा हेतु प्रेरणा देने का काम करेगा। गत कुम्भ के जैसे ही आने वाले वर्षों में यह योग महोत्सव भी धीरे-धीरे पूरी दुनिया के लिये योग कुम्भ के स्वरूप

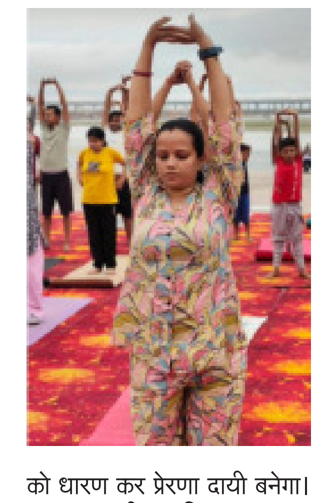

को धारण कर प्रेरणा दायी बनेगा। अपर शासकीय अधिवक्ता शशांक शेखर पाण्डेय एवं कार्यक्रम के समन्वयक दत्तात्रेय पाण्डेय ने कार्यक्रम की प्रस्तावना रखते हुये अतिथियों एवं सहयोगी संस्थाओं के प्रतिनिधियों के साथ सभी प्रतिभागियों को सहभागिता प्रमाण पत्र एवं तुलसी के पौधे का वितरण कर उनका अभिवादन कर सबको धन्यवाद ज्ञापित किया।इस अवसर पर माँ शारदा संगीत समिति एवं द स्टेप फॉउण्डेशन के द्वारा पूर्व में आयोजित विभिन्न रचनात्मक विषयों की कार्यशाला व प्रतियोगिता के विजेता एवं सभी प्रतिभागियों को भी सम्मानित किया गया। साथ ही शार्प साइट नेत्र चिकित्सालय के द्वारा निःशुल्क नेत्र जाँच तथा पैथोलॉजी प्वाइंट के द्वारा विभिन्न प्रकार के जाँच शिविर का भी आयोजन किया गया।कार्यक्रम में मुख्य रूप से भाजपा के वरिष्ठ नेता योगेश शुक्ल, प्रयागराज फॉउण्डेशन के अध्यक्ष शशांक शेखर पाण्डेय, पीयूष ग्रामोद्योग सेवा समिति के सचिव दत्तात्रेय पाण्डेय एवं आरोग्यम् योग केन्द्र की निदेशिका योग प्रशिक्षिका आचार्य कुमकुम व योगी पवन पाण्डेय , माँ शारदा संगीत समिति के निदेशक अभिषेक सिंह, द स्टेप फॉउण्डेशन के अध्यक्ष दिलीप चौधरी महामन्त्री सुश्री आयुषी पाण्डेय, सरस्वती सामाजिक सेवा संस्थान के अध्यक्ष कुंवर जी तिवारी, आवर्तन फॉउण्डेशन के अध्यक्ष जयव्रत सिंह, एक्सेल इन्स्टिट्यूट ऑफ प्रोफेशनल स्टडीज के निदेशक मुकेश पाण्डेय, अपेक्स प्राइवेट आई॰ टी॰ आई॰ नैनी के निदेशक बी॰ एन॰ दीक्षित,ॐ इवेन्ट मैनेजमेन्ट एण्ड डॉन्स सेन्टर के निदेशक ॠषभ चौरसिया, प्रयागराज वधिर कल्याण ट्रस्ट के महामंत्री रामर घुवीर मिश्रा , शार्प साइट नेत्र चिकित्सालय, पैथोलॉजी प्वाइंट, संदीप स्टूडियो के निदेशक आशीष शर्मा , जितेन्द्र शर्मा हितैषी, यमुनापार लोक संस्कृति परिषद के अध्यक्ष कृष्ण कुमार सत्यार्थी, विजय कनौजिया, नितिन कनौजिया, भाजपा नेता आरती कोल, विनय शुक्ल, हरिमोहन पाण्डेय, हरीकान्त पाण्डेय, देवेन्द्र पाण्डेय, महेन्द्र अवस्थी, सरदार पतविन्दर सिंह, गुरु प्रसाद राव, संगीता गुप्ता, साधना गुप्ता, अर्चना शर्मा, गौरव त्रिपाठी, देवराज सिंह, मनीष चतुर्वेदी, स्वतंत्र पाण्डेय आदि उपस्थित रहे ।

ईरानी न्यूज चैनल पर मिसाइल गिरी, लखनऊ का पत्रकार बचा

लखनऊ। लखनऊ के पत्रकार रविश जैदी के पिता अमीर अब्बास

जैदी का। वह 15 साल से वहीं के सरकारी चैनल में जर्नलिस्ट हैं। इजराइल और ईरान के बीच में मौजूदा जंग में भी वह लाइव रिपोर्टिंग कर रहे हैं। जंग के हालात के चलते वह अपने मां के जनाजे में भी नहीं शामिल हो सके। उनके पिता का कहना हैं 'मेरी पत्नी का 6 दिन पहले देहांत हो गया था। बेटा ईरान में टीवी पत्रकार है। मां के इंतकाल की जानकारी देने के लिए मैं बेटे रवीश जैदी को लगातार फोन कर रहा था, लेकिन कॉल नहीं लग रही थी। देर शाम किसी तरह बेटे के एक दोस्त से बात हुई। तो पता चला कि ईरान में उसके न्यूज चैनल के ऑफिस पर इजराइल ने मिसाइल अटैक किया था। पूरा दफ्तर तहस-नहस हो गया है। एंकर को लाइव शो छोड़कर भागना पड़ा।यह सुनने के बाद दिल बहुत घबरा गया। लेकिन पता चला कि बेटा सेफ है। उसके अगले दिन बेटे से बात हुई तो बताया कि डैडी हमले से 20 सेकेंड पहले ही मैं दफ्तर से निकला था। इसी वजह से मेरी जान बच पाई और आपसे बात कर पा रहा हूं।' रविश जैदी की तरह लखनऊ के कई और लोग भी ईरान में फंसे हुए हैं। इनमें वहां जॉब, पढ़ाई और जियारत (धार्मिक यात्रा) करने गए लोग शामिल हैं। लखनऊ में उनके परिवार के लोग परेशान हैं। उनकी आंखों में आंसू हैं। वह सरकार से उन्हें निकालने की गुजारिश कर रहे हैं।लखनऊ के रविश जैदी ईरान के इस्लामिक रिपब्लिक ऑफ ईरान न्यूज नेटवर्क में काम करते हैं। उनके पिता अमीर अब्बास जैदी बताते हैं कि 13 जून को मेरी पत्नी का देहांत हो गया। इसकी जानकारी देने के लिए मैंने बेटे रविश को लगातार कॉन्टैक्ट करने की कोशिश की, लेकिन बात नहीं हो पाई।मैंने उसके दोस्तों से संपर्क किया, तो पता चला कि उसके कार्यालय में लाइव टेलीकास्ट के दौरान ही हमला हो गया था। रविश सुरक्षित हैं, इंटरनेट बंद हो चुका है। उसके अगले दिन रविश से बात हुई तो राहत मिली।फ्लाइट्स बंद हो चुकी थीं, इसलिए रविश इंडिया नहीं आ सके। मैंने पत्नी का तदफीन (अंतिम संस्कार) कर दिया। पिता ने भास्कर रिपोर्टर को रविश से बात कराने की कोशिश की, लेकिन वहां इंटरनेट बंद होने की वजह से कॉल कनेक्ट नहीं हुई।अमीर अब्बास जैदी ने बताया कि बेट के दोस्तों से बातचीत में पता चला कि ईरान के आईआरआईएनएन के मुख्यालय पर लाइव टेलीकास्ट चल रहा था। एंकर न्यूज पढ़ रही थी। उसी समय इजराइल ने हमला कर दिया। चैनल के मुख्यालय पर बम गिरने

लगे। लाइव टेलीकास्ट अचानक बंद हो गया। बाद में इसका वीडियो क्लिप सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हुआ।अमीर अब्बास जैदी बताते हैं कि बेटे से जब हादसे के बारे में पूछा तो उसने बताया कि मैं बिल्डिंग पर हमले से 20 सेकेंड पहले ही निकला था। इससे मेरी जान बच गई। उन्होंने कहा कि बेटा उस हादसे में जान गंवा देता तो कोई गम नहीं होता। हमारी धार्मिक आस्था के अनुसार उसे शहीद का दर्जा मिलता, लेकिन बेटा है चिंता तो होती है। लगभग 6 महीने पहले रविश की पत्नी का भी इंतकाल हो गया था।

वाराणसी में गंगा घाट पर दक्षिण-भारतीय पति-पत्नी का मिला शवःबेटा बोला-दर्शन पूजन के लिए गए थे, पुलिस सीसीटीवी खंगाल रही

वाराणसी। वाराणसी के क्षेमेश्वर घाट पर उस समय सनसनी

फैल गई जब घाट के सीढ़ी पर पति-पत्नी का शव मिला। स्थानीय लोगों ने जब दोनों को घाट के सीढ़ी पर देखा तो पहले उन्हें उठाने का प्रयास किया लेकिन जब स्थानीय लोगों को प्रतीत हुआ कि उन दोनों का निधन हो गया है तो उन्होंने तत्काल इसकी सूचना पुलिस को दी।मौके पर पुलिस ने फोरेंसिक टीम को बुलाया डीसीपी काशी, एसीपी भेलूपुर सहित थाने की फोर्स भी मौके पर पहुंची। आधार कार्ड से उनकी पहचान विरामल्लू गंगा राव (उम्र 70 वर्ष) के रूप में हुई है, जो अपनी पत्नी विरामल्लू आई अम्मा (उम्र 65 वर्ष) के साथ काशी आये थे। दोनों वेस्ट गोदावरी आंध्रप्रदेश के रहने वाले हैं। दोनों के पास से कुछ पैसे, की-पैड मोबाइल,और कुछ दस्तावेज प्राप्त हुआ हैं।एडीसीपी काशी जोन सरवणन टी. ने बताया कि मौके से पानी की खुली बोतल मिली है। एक मोबाइल फोन मिला है। फोन देखने पर लगा कि दोनों ने अपने पोते को कई बार कॉल किया। उधर से भी कई बार फोन आया है लेकिन बात नहीं हो सकी है। आशंका है कि जहरीला पदार्थ खाकर दोनों ने सुसाइड किया है। वेस्ट गोदावरी पुलिस और इनके परिजनों को सूचना दे दी गई है।पुलिस ने पता लगाया तो पता चला दोनों भेलूपुर में ही तेलुगु आश्रम में रुके थे। देखने से आत्महत्या प्रतीत हो रही है। हालांकि पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट से मौत का स्पष्ट कारण पता चल सकेगा। वैसे आशंका यह भी लगाया जा रहा है कि मोक्ष की प्राप्ति के लिए दोनों ने यह कदम उठाया होगा।क्योंकि पूर्व में भी काशी आकर बहुत से दक्षिण भारतीय ने ऐसी वारदात को अंजाम दिया है। पुलिस ने बताया कि सभी एंगल पर जांच होगी। परिजनों के काशी पहुंचने पर जांच की प्रतिक्रिया को आगे बढ़ाया जाएगा।

आगामी योग दिवस नोएडा के हर बूथ पर मनाया जाएगाः महेश चौहान

नोएडा भाजपा नोएडा महानगर की कामकाजी बैठक जिला कार्यालय

सेक्टर 116 नोएडा में आयोजित हुई। इस बैठक में मुख्य अतिथि के रूप में पूर्व राज्य सभा सांसद एवं नोएडा प्रभारी श्रीमती कांता कर्दम रही। बैठक की अध्यक्षता जिला अध्यक्ष महेश चौहान द्वारा की गई। इस बैठक में आगामी कार्यक्रमों पर चर्चा हुई साथ ही कैसे हर कार्यक्रम को सफल बनाया जाए इस पर विशेष ध्यान दिया गया।कांता कर्दन ने बताया कि 21 जून को अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस पूरे विश्व में मनाया जाएगा इसी के चलते नोएडा में भी नोएडा स्टेडियम में इसका आयोजन किया जाएगा। इसके बाद 23 जून को बलिदान दिवस कार्यक्रम को मनाने मनाया जाएगा, 25 जून को आपातकाल दिवस के चलते जिला गोष्ठी का आयोजन किया जाए और 29 जून को मन की बात कार्यक्रम का आयोजन हर बूथ पर आयोजित किया जाए। 6 जुलाई को श्यामा प्रसाद मुखर्जी के जन्म दिवस पर गोष्ठी का आयोजन किया जाएगा। प्रधानमंत्री मोदी जी ने अपने पिछले मन की बात कार्यक्रम में एक पेड़ मां के नाम के बारे में बताया था उसकी को आगे ले जाते हुए इस पूरे महीने पौधारोपण अभियान पूरे नोएडा में।चलाया जाएगा। जिला अध्यक्ष महेश चौहान ने आगामी कार्यक्रमों के लिए सभी कार्यकर्ताओं को।तैयार रहने को कहां साथ ही अभी तक हुए सभी सफल कार्यक्रमों के आयोजन के लिए हर एक कार्यकर्ता का धन्यवाद किया।आज के बैठक में पूर्व विधायक बिमला बाथम, चंदगीराम यादव, उमेश त्यागी, मनीष शर्मा, युधवीर चौहान, विनोद शर्मा, सुचित्रा कक्कड़, हर्ष चतुर्वेदी, गणेश जाटव, चमन अवाना, धर्मेंद्र गुप्ता, तन्मय शंकर, अमित त्यागी, डिंपल आनंद, ओमवीर अवाना, एस पी चमोली, प्रमोद बहल, भूपेश चौधरी, मनोज चौहान, गोतम शर्मा, नीरज चौधरी, प्रदीप चौहान, मनीष तिवारी, राम किशन यादव, नरेश शर्मा, सत्यनारायण माहवार, दीनबंधु कुमार, पूनम सिंह, प्रज्ञा पाठक, राहुल शर्मा, पंकज झा, अशोक मिश्रा, अरुण चौहान, रवि यादव, शिवांश श्रीवास्तव, मल्लिकेश्वर झा, उमेश यादव, सुशील शर्मा, मुक्तानंद शर्मा, घनशयाम यादव आदि कार्यकर्ता मौजूद रहे।

प्रेमी की हत्या के बाद प्रेमिका ने दी जानःसाड़ी के फंदे से लटकी, लखनऊ में पति-बेटे ने प्रेमी को काट डाला था

लखनऊ। लखनऊ में 15 जून को एक युवक की हत्या उसकी प्रेमिका के पति और बेटे ने कर दी थी। इससे आहत प्रेमिका मीरा ने तीन दिन बाद गुरुवार को घर के पास झोपड़ी में फंदे से लटककर जान दे दी। प्रेमी संजय की मां रामदुलारी ने फांसी पर लटके देखा तो पुलिस और आस-पास के लोगों और पुलिस को सूचना दी।

पुलिस ने शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया है। मामला रहीमाबाद थाना क्षेत्र का है। रामदुलारी ने पुलिस को बताया- मीरा ने बुधवार रात खाना नहीं खाया था। वो संजय की हत्या के बाद से काफी परेशान थी। मीरा कह रही थी कि इस दुनिया में मेरा कोई नहीं बचा है। इसके बाद सुबह उसका शव फांसी पर लटका मिला।हामिद खेड़ा गांव के माजरा मवई कला में रविवार देर रात पहुंचे दो लोगों ने पेश से ड्राइवर संजय पर चारा काटने वाले बांके से ताबड़तोड़ वार कर हत्या कर दी थी। उसकी हत्या प्रेम-प्रसंग में की गई थी। प्रेमिका के पति समेत 4 लोगों को हिरासत में लिया गया था। प्रेमिका मीरा ने पुलिस से पूछताछ में बताया था कि हत्या उसके पति ने ही की है। हमलावरों ने संजय के सिर, कमर, कंधे और शरीर के कई हिस्सों पर बांके से मारा। इस दौरान संजय रसोई की तरफ भागा तो वहां भी उसे बांके से मारते रहे। बाद में बेटा बाहर भागते हुए नहर में कूद गया। हमलावरों ने उसे वहां भी नहीं छोड़ा। मृतक संजय का विवाह 12 साल पहले रानी से हुआ था। लेकिन, इस दौरान वह अपनी बचपन की प्रेमिका मीरा के संपर्क में भी रहा। इस बात से नाराज संजय की पत्नी अपने 3 बच्चों के साथ मायके जाकर रहने लगी। उसकी प्रेमिका मीरा की भी शादी हो चुकी थी। इसके चलते उसका पति सुनील आए दिन संजय को धमकी देता रहता था।प्रेमिका मीरा ने बताया था- '12 साल की उम्र में संजय से प्यार हुआ। यह पता चलते ही 14 साल की उम्र में घरवालों ने सुनील से मेरी मर्जी के बिना शादी करा दी। फिर संजय की भी दूसरी लड़की से शादी हो गई। मेरे 2 और संजय के 3 बच्चे हुए। इसके बावजूद मेरे और संजय के बीच प्यार कम नहीं हुआ।हम दोनों छिप-छिपकर मिलते रहे। जब यह बात मेरे पति सुनील को पता चली, तो उसने विरोध शुरू कर दिया। करीब 4 साल पहले मैं संजय के साथ भाग गई। घरवालों ने विरोध किया, तो मैंने हाथ की नस काट ली और संजय ने जहर खा लिया। दोनों का इलाज चला और हम बच गए।इसके बाद फिर मैं अपने पति सुनील के साथ रहने लगी। फिर करीब 2 साल पहले मैं पति और बच्चों को छोड़कर संजय के साथ मुंशी पुलिया के पास किराए के घर में रहने लगी। संजय की पत्नी रानी भी उसे छोड़कर बच्चों के साथ अपने मायके चली गई। 15 जून की शाम संजय अपने गांव गया। यह बात न जाने कैसे मेरे पति को पता चल गई। इसके बाद पति और बेटे ने मिलकर संजय की बांके से काट कर हत्या कर दी। सुनील से मैंने कभी दिल से प्यार नहीं किया, उसको यही बात अखरती रही।'

पुजारी और एक महिला पर अश्लील इशारे करने का आरोप,युवती बोली- पुजारी ने भाई को दी धमकी, दो दिन में अपनी बहन भेज दे, वरना सबको गायब करवा देंगे

कानपूर। कानपुर के बाबूपुरवा स्थित एक प्रसिद्ध देवी मंदिर के

पुजारी व एक महिला पर फूल माला बेचने वाली एक युवती ने अश्लील इशारे करने, धमकाने का आरोप लगाते हुए रिपोर्ट दर्ज कराई। इससे पहले युवती का भाई पुजारी पर मामूली बात में हमला करने के आरोप में जेल जा चुका है। लोगों के मुताबिक, इसी रंजिश के चलते रिपोर्ट दर्ज कराई गई है। बाबूपुरवा निवासी युवती के मुताबिक, करीब 50 वर्षों से उसके परिवार की मंदिर के गेट पर फूल माला की दुकान है। वह भी हाथ बंटाती है। आरोप है कि मंदिर के पुजारी व उनकी एक सहयोगी महिला अपने जाल में फंसाने के लिए गंदे इशारे, अश्लील कमेंट करते हैं। जब यह बात घर पर बताई तो भाई विरोध करने गए तो पुजारी ने तो फिर से अश्लील बातें युवती के खिलाफ कहीं, इसपर भाई ने गुस्से में पुजारी को धक्का दिया। पुजारी ने मंदिर के कर्मचारी से सूचना भिजवाई और कहा कि दो दिनों में बहन को भेज दो, नहीं तो सबको गायब करवा देंगे। वहीं मंदिर के पुजारी ने बताया कि मंदिर में प्रत्येक वर्ष 1 जनवरी को हवन व उत्सव होता है, इससे एक दिन पहले एक ट्रस्टी ने पूरे मंदिर को सजवाने की इच्छा जताई तो उन्होंने एक माली को मंदिर की सजावट करने को कह दिया। इसपर युवती का भाई उग्र हो गया और बोला कि वह पहले ही किसी और से मंदिर सजाने का ठेका ले चुका है। इसी बात पर हमला बोल दिया। सीसीटीवी कैमरे में घटना कैद होने के बाद आरोपित को जेल भेजा गया था। जेल से छूट कर आने के बाद लगातार अपनी बहन को आगे कर मुकदमा दर्ज कराने को प्रयासरत है। पुलिस कई बार जांच कर निर्दोष साबित कर चुकी है। इंस्पेक्टर बाबूपुरवा अरुण कुमार द्विवेदी के मुताबिक पीड़िता की तहरीर पर रिपोर्ट दर्ज की गई है। मामले में जांच करने के बाद ही आगे की कार्रवाई की जाएगी।

जिला स्तरीय उद्योग/व्यापार बंधु की बैठक संपन्न

उद्यमियों व व्यापारियों की समस्याओं का समय से निस्तारण करने के दिए गए निर्देश

रायबरेली। बीते गुरूवार जिलाधिकारी हर्षिता माथुर के

निर्देशानुसार सीडीओ अर्पित उपाध्याय की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट स्थित बचत भवन सभागार में जिला स्तरीय उद्योग/व्यापार बन्धु की समीक्षा बैठक संपन्न हुई। बैठक में सीडीओ ने उद्यमियों द्वारा औद्योगिक क्षेत्रों में सड़कों की मरम्मत एवं नालियों की साफ-सफाई, जल निकासी, सफाई, विद्युत कार्य को दुरुस्त कराने आदि के संज्ञान में लाए गए कार्यों की बिंदुवार समीक्षा की। उन्होंने ने औद्योगिक क्षेत्रों में साफ सफाई, विद्युत विभाग से सम्बन्धित समस्याओं एवं औद्योगिक क्षेत्र के ड्रेनेज सिस्टम आदि जैसी समस्याओं के सम्बन्ध में संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि उद्यमियों द्वारा अवगत कराई गई समस्याओं का प्राथमिकता के साथ समयबद्ध गुणवत्तापूर्ण निस्तारण सुनिश्चित कराए, जो बड़े कार्य है, उनके लिए प्रयास कर निस्तारण कराने का प्रयास किया जाए। इसके पश्चात जिला स्तरीय व्यापार बन्धु की समीक्षा बैठक संपन्न हुई। बैठक में व्यापारी बंधुओं ने सड़कों की मरम्मत, बिजली, साफ-सफाई, पार्किंग, सामुदायिक शौचालय की समस्या उठाई गई, जिनकी बिंदुवार समीक्षा कर संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए गए की व्यापारियों की समस्याओं का निस्तारण कराया जाए, जिससे व्यापारियों को किसी प्रकार की कोई समस्या उत्पन्न न हो।बैठक में अपर जिला अधिकारी प्रशासन सिद्धार्थ अपर पुलिस अधीक्षक संजीव सिन्हा,उपायुक्त उद्योग परमहंस मौर्य सहित संबंधित विभागों के अधिकारी व उद्यमीगण व व्यापारीगण उपस्थित रहे।

अपराध, कानून व्यवस्था अभियोजन कार्यों की बैठक कलेक्ट्रट सभागार में सम्पन्न, लंबित वादों के शीघ्र निस्तारण के निर्देश

रायबरेली। गुरुवार को अपर जिलाधिकारी प्रशासन सिद्धार्थ और अपर पुलिस अधीक्षक संजीव सिन्हा की सयुक्त अध्यक्षता में बचत भवन स्थित कलेक्ट्रेट सभागार में अपराध,कानून व्यवस्था,अभियोजन कार्यों की अप्रैल-मई को को लेकर संबंधित अधिकारियों के साथ बैठक हुई। बैठक में निस्तारित वादों और लंबित केसों की कार्यवाही की समीक्षा की गई। साथ ही मिशन शक्ति में महिलाओं से संबंधित केसों में नियमानुसार त्वरित कार्यवाही किए जाने के निर्देश दिए गए। अधिकारी द्वय ने आपसी रंजिश, अपराध रोकथाम, साइबर अपराध, विवेचना निस्तारण, भूमि विवाद निस्तारण, अपराधियों पर प्रभावी अंकुश लगाने हेतु पाबंदी की कार्यवाही, गुंडाएक्ट, जिलाबदर एवं हिस्ट्रीशीटर आदि की समीक्षा की तथा अपराधियों पर सतर्क दृष्टि बनाए रखने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि महिला उत्पीड़न, पॉस्को, हत्या, बलात्कार, अपहरण, दहेज प्रथा आदि प्रकरणों में त्वरित कार्यवाही सुनिश्चित कराने के लिए कहा।

गौ राष्ट्र यात्राः नोएडा में 'गाय पर चर्चा' - गौ माता के संवर्धन व संरक्षण को लेकर लिया ऐतिहासिक संकल्प

नोएडा गौ राष्ट्र यात्रा का कारवां आज नोएडा पहुँचा, जहाँ हिंदराइज पुनरुत्थान का आधार बनाया जाएगा। इस संवाद में अनेक

गौ संवर्धन केंद्र में एक विशेष कार्यक्रम के अंतर्गत 'गाय पर चर्चा' का आयोजन किया गया। इस अवसर पर राष्ट्रीय गौसेवक संघ के तत्वावधान में दिल्ली-एनसीआर क्षेत्र के गौसेवकों, गौशाला संचालकों, और ग्राम्य उद्यमियों ने भाग लिया।

कार्यक्रम का नेतृत्व भारत सिंह राजपुरोहित, नरेंद्र कुमार (संस्थापक, हिंदराइज गौ संवर्धन केंद्र व अध्यक्ष, राष्ट्रीय गौसेवक संघ) ने किया। इस संवाद का उद्देश्य देसी गायों के संवर्धन, संरक्षण और पंचगव्य आधारित आजीविका के लिए एक ठोस और नीति-आधारित दिशा तय करना था। उपस्थित सभी लोगों ने सर्वसम्मति से यह संकल्प पारित किया: 'जब तक भारत में गौ हत्या के विरुद्ध मृत्युदंड का कानून नहीं बनता, तब तक यह अनवरत राष्ट्रव्यापी आंदोलन जारी रहेगा।' यह सिर्फ भावनात्मक नहीं बल्कि व्यावहारिक, नीति-संगत और सामाजिक चेतना से युक्त संवाद था। चर्चा में यह भी तय किया गया कि देसी गाय को केवल आस्था का विषय नहीं, बल्कि ग्राम स्वावलंबन, स्वास्थ्य, और राष्ट्रीय प्रेरणास्रोत शामिल हुएः रोहित बिष्ट (माटी इंडिया) - प्राकृतिक खेती और देशी नस्ल संवर्धन में अग्रणी, असीम रावत (हेथा ऑर्गेनिक्स) - पंचगव्य आधारित उत्पादों के नवाचारकर्ता, पराग गौड़ (प्रकृति) - जैविक गौ-उत्पादों के निर्माता, प्रवीण सेठी व वंदना सेठी - गौ आधारित जैविक जीवनशैली के प्रेरणास्रोत, अंकित शर्मा (खबर किसान की) - ग्रामीण पत्रकारिता में समर्पित, हेमंत कुमार, मनीष गुप्ता(वरिष्ठ समाजसेवी), ललित जैन, कुंवर नीरज सिंह, सुरेंद्र कुमार, सुशील यादव, अतर सिंह यादव, राकेश सिंह, कमल गोला, वीरेंद्र भाटी - एनसीआर के प्रमुख गौ सेवक जिन्होंने अपने अनुभव व सुझाव साझा किए। विशेष बिंदुः- गौ शालाओं की डिजिटलीकरण योजना, पंचगव्य उत्पादों के लिए ग्रामीण स्टार्टअप मॉडल, राष्ट्रीय स्तर पर गौ रक्षा नीति प्रारूप समिति का गठन प्रस्तावित, स्कूलों में गौमाता आधारित नैतिक शिक्षा की पहल, दिल्ली-एनसीआर में 'गौ रथ सेवा' प्रारंभ करने का निर्णय, यह कार्यक्रम केवल एक पड़ाव नहीं, बल्कि एक नए राष्ट्र निर्माण की दिशा में उठाया गया निर्णायक कदम है।

सपा नोएडा महानगर ने प्याऊ शिविर कार्यक्रम के तहत सेक्टर 82 व सेक्टर 10 में किया प्याऊ शिविर का आयोजन

नोएडा। सपा नोएडा महानगर

के प्याऊ शिविर कार्यक्रम के तहत सेक्टर 82 व सेक्टर 10 में महानगर अध्यक्ष डॉक्टर आश्रय गुप्ता की अध्यक्षता में प्याऊ शिविर का कार्यक्रम आयोजित की गई। डॉ आश्रय गुप्ता ने कहा इस बढ़ती गर्मी को देखते हुए समाजवादी पार्टी नोएडा महानगर संगठन का एक छोटा सा प्रयास लगातार जारी रहेगा जिससे कि आम लोगों को थोड़ा राहत मिल सके। कार्यक्रम का संचालन महासचिव विकास यादव के द्वारा किया गया कार्यक्रम में उपस्थित मुख्य लोगों में महासचिव विकास यादव, वीरपाल प्रधान, बाबूलाल बंसल, मनीष गोयल,अशरफ अंसारी, साहिल चौधरी,रंजीत पटेल , पंकज झा, संतोष यादव , मुकेश पटेल, दिलीप राय, कमरुद्दीन, आरती, मुस्कान, किरणपाल यादव,खेमचंद, उम्मीद यादव, राजेश,एसके रथ, अमितेश, प्रमोद यादव, राजीव श्रीवास्तव , बरकत अली ,अली अकबर, सुभाष गुप्ता मुख्य रूप से मौजूद रहे।

चोरी के दौरान मैगी पार्टी करने वाले गैंग से मुठभेड़,लखनऊ में सरगना को पुलिस ने दौड़ाकर मारी गोली, 7 साथियों संग दबोचा गया

लखनऊ। लखनऊ में चोरी के दौरान साथियों के साथ मैगी पार्टी

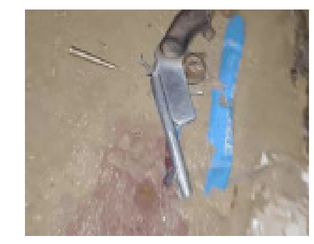

करने वाले चोर गैंग का सरगना शुक्रवार तड़के पुलिस मुठभेड़ में पकड़ा गया। शातिर चोर 7 साथियों के साथ सर्वोदयनगर मजार के पास चोरी का सामान बांट रहा था। पुलिस ने घेराबंदी की तो चोरों ने फायरिंग कर दी। पुलिस की जवाबी कार्रवाई में सरगना के पैर में गोली लगी। पुलिस ने उसे गिरफ्तार करके अस्पताल में भर्ती कराया। उसके पास से तमंचा, कारतूस, खोखा और चोरी का सामान बरामद हुआ। पुलिस सूत्रों ने बताया कि उसके 7 साथियों को भी पकड़ लिया गया है। जिनसे पूछताछ की जा रही है।गाजीपुर पुलिस के मुताबिक, पिछले दिनों इंदिरानगर के मकान में चोरी हुई थी। चोरी के दौरान चोरों ने मैगी पार्टी की थी। चोरी की तलाश में टीम लगी थी। शुक्रवार तड़के गश्त के दौरान सर्वोदय नगर मजार के पास संदिग्ध लोगों बैठे दिखे। घेराबंदी करने पर उनमें से एक युवक ने पुलिस पर फायरिंग कर दी। जवाबी फायरिंग में उसके पैर में पुलिस की गोली लगी। उसे गिरफ्तार कर लिया गया। उसकी पहचान तकरोही बजारा निवासी हिमांशु उर्फ संजू के रूप में हुई। उसके पास से चोरी का सामान बरामद हुआ।उसके कुछ साथियों को हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है। शुरुआती पूछताछ में पता चला है कि सभी चोर गैंग के सदस्य हैं। हिमांशु गैंग का सरगना है। गैंग बंद घरों की रेकी करके चोरी करता था।इंदिरानगर के सी-ब्लॉक के 499 मकान में बैंक से रिटायर्ड भूपाल सिंह बसेरा परिवार के साथ रहते हैं। उनके दोनों बेटे सेना में तैनात हैं। 8 जून को भूपाल सिंह की तबीयत ज्यादा खराब हो गई। इसके चलते बेटे आलोक बसेरा ने इलाज के लिए पिता को दिल्ली बुला लिया। भूपाल सिंह अपनी पत्नी नीरू बसेरा के साथ दिल्ली चले गए थे। देखभाल करने वाली पड़ोसी दीपा बिष्ट ने सोमवार को देखा उनके घर की लाइट जल रही है। वो अंदर गई तो सारा सामान बिखरा पड़ा था।

थाना सेक्टर-39 पुलिस व मोबाइल स्नेचर बदमाशों के बीच हुई मुठभेड़

नोएडा। थाना सेक्टर-39 पुलिस द्वारा गार्डेनिया ग्लोरी

सेक्टर 46 नोएडा की तरफ जाने वाले कट पर चैकिंग की जा रही थी तभी सामने की तरफ से 01 मोटरसाइकिल बिना नम्बर प्लेट पर 02 व्यक्ति सवार आते हुए दिखाई दिए। संदिग्ध प्रतीत होने पर पुलिस टीम द्वारा उन्हें रुकने का इशारा किया तो रुके नही और अपनी मोटरसाइकिल को मोड़कर सेक्टर-49 की तरफ भगाने लगे। एक पुलिस टीम द्वारा मोटरसाइकिल सवार व्यक्तियों का पीछा किया गया व दूसरी पुलिस टीम द्वारा सामने से घेरने का प्रयास किया गया तो मोटरसाइकिल सवार व्यक्तियों द्वारा अपनी मोटरसाइकिल सेक्टर-42 के जंगल की तरफ मोड़ दी व मोटरसाइकिल सवार बदमाशों द्वारा अपने आपको घिरता देख पुलिस टीम पर जान से मारने की नियत से फायर किए। पुलिस टीम द्वारा आत्मरक्षार्थ की गयी जवाबी कार्रवाई में दोनों बदमाश गोली लगने से घायल हो गए। घायल बदमाशों की पहचान 1. सोनू उर्फ मोटा पुत्र अनिल कश्यप निवासी ग्राम जिमाना, थाना रमाला, जिला बागपत उम्र 24 वर्ष 2. विनय पुत्र सुशील निवासी ग्राम जिमाना, थाना रमाला, जिला बागपत वर्तमान पता केशव नगर, थाना लोनी बार्डर, जिला गाजियाबाद उम्र करीब 23 वर्ष के रूप में हुई है। घायल बदमाशों के कब्जे से 02 तमंचा मय 02 खोखा कारतूस .315 बोर व 06 स्नेचिंग किए हुए मोबाइल फोन बरामद हुए है। बरामद मोबाइल फोन में से 01 मोबाइल फोन थाना सेक्टर-39 नोएडा पर पंजीकृत मु0अ0सं0- 293/2025 धारा 304(2) बीएनएस से संबंधित है तथा अन्य मोबाइल फोन के संबंध में जानकारी की जा रही है। घायल बदमाशों के उपचार हेतु अस्पताल भेजा जा रहा है।

अभियुक्त सोनू उर्फ मोटा के आपराधिक इतिहास का विवरण- 1.मु0अ0सं0 555/2020 धारा 392/411 भादवि, थाना सेक्टर-24, कमिश्नरेट गौतमबुद्धनगर।

2.मु0अ0सं0 571/2020 धारा 379 भादवि, थाना सेक्टर-24, कमिश्नरेट गौतमबुद्धनगर। 3.मु0अ0सं0 360/2024 धारा 304(2) बीएनएस, थाना सेक्टर-49, कमिश्नरेट गौतमबुद्धनगर। 4.मु0अ0सं0 431/2024 धारा 304(2) बीएनएस, थाना सेक्टर-49, कमिश्नरेट गौतमबुद्धनगर। 5.मु0अ0सं0 366/2024 धारा 304(2) बीएनएस, थाना सेक्टर-58, कमिश्नरेट गौतमबुद्धनगर। 6.मु0अ0सं0 442/2024 धारा 3/25/27 आर्म्स एक्ट व 109/317(5) बीएनएस, थाना सेक्टर-58, कमिश्नरेट गौतमबुद्धनगर। 7.मु0अ0सं0 542/2020 धारा 392/411 भादवि, थाना सेक्टर-58, कमिश्नरेट गौतमबुद्धनगर। 8.मु0अ0सं0 569/2020 धारा 392/411 भादवि, थाना सेक्टर-58, कमिश्नरेट गौतमबुद्धनगर। 9.मु0अ0सं0 576/2020 धारा 414/482 भादवि, थाना सेक्टर-58, कमिश्नरेट गौतमबुद्धनगर। 10.मु0अ0सं0 177/2024 धारा 356/379 भादवि, थाना फेस-2, कमिश्नरेट गौतमबुद्धनगर। 11.मु0अ0सं0 258/2024 धारा 356/379 भादवि, थाना फेस-2, कमिश्नरेट गौतमबुद्धनगर। 12.मु0अ0सं0 259/2024 धारा 307/414/411 भादवि व 3/25/27 आर्म्स एक्ट, थाना फेस-2, कमिश्नरेट गौतमबुद्धनगर। 13. मु0अ0सं0 293/2025 धारा 304(2) बीएनएस, थाना सेक्टर-39, कमिश्नरेट गौतमबुद्धनगर।

अभियुक्त विनय के आपराधिक इतिहास का विवरण- 1.मु0अ0सं0 555/2020 धारा 392/411 भादवि, थाना सेक्टर-24, कमिश्नरेट गौतमबुद्धनगर।

2.मु0अ0सं0 571/2020 धारा 379 भादवि, थाना सेक्टर-24, कमिश्नरेट गौतमबुद्धनगर। 3. मु0अ0सं0 569/2020 धारा 392/411 भादवि, थाना सेक्टर-58, कमिश्नरेट गौतमबुद्धनगर। 4. मु0अ0सं0 576/2020 धारा 414/482 भादवि, थाना सेक्टर-58, कमिश्नरेट गौतमबुद्धनगर। 5. मु0अ0सं0 163/2021 धारा 392/414 थाना टीला मोड़, गाजियाबाद। 6. मु0अ0सं0 168/2021 धारा 414 भादवि थाना टीला मोड़, गाजियाबाद। 7. मु0अ0सं0 293/2025 धारा 304(2) बीएनएस, थाना सेक्टर-39, कमिश्नरेट गौतमबुद्धनगर।

'अश्लील वीडियो देखने के आरोप में सोनभद्र में शिक्षक को ठगों ने किया डिजिटल अरेस्ट

सोनभद्र। सोनभद्रः उत्तर

प्रदेश में सोनभद्र में शिक्षक को डिजिटल अरेस्ट करने का संगीन मामला सामने आया है। जिले के अनपरा तापीय परियोजना कॉलोनी में रहने वाले एक निजी स्कूल के गणित शिक्षक को साइबर ठगों ने अपना शिकार बनाने की कोशिश की। ठगों ने मुंबई के ठाणे का एसपी बनकर फोन किया और अश्लील वीडियो देखने का झूठा आरोप लगाते हुए व्हाट्सएप पर फर्जी अरेस्ट वारंट भेजा। ठगों ने शिक्षक से लाखो रुपये की मांग की। वही बैंक कर्मचारियों की सतर्कता और पुलिस की तत्काल कार्रवाई से ठगी को रोका गया। जानकारी के मुताबिक अनपरा तापीय परियोजना कॉलोनी में निजी स्कूल के गणित शिक्षक धर्मेंद्र कुमार मिश्रा के साथ हुई साइबर ठगी की कोशिश हुई। जहां ठगों ने उनको डिजिटल अरेस्ट कर लिया। साइबर ठगों ने खुद को मुंबई के ठाणे का एसपी बताकर शिक्षक पर अश्लील वीडियो देखने का झूठा आरोप लगाया और व्हाट्सएप पर फर्जी अरेस्ट वारंट भेजकर 4 लाख रुपये की मांग की।पीड़ित शिक्षक ने डर के कारण एचडीएफसी बैंक से 4 लाख का लोन लेने के लिए अप्लाई किया। लेकिन बैंक कर्मचारियों जो कि शिक्षक के पूर्व छात्र भी रहे थे, उनको लोन लेने का ठीक कारण न बता पाने और वैरिफिकेशन के समय शिक्षक के हाव-भाव से कुछ शक हुआ, जिसके बाद पीड़ित शिक्षक ने आपबीती बताई।तब बैंक कर्मचारियों की सतर्कता ने स्कूल प्रबंधकों को सूचना दी जिससे मामला पुलिस तक पहुंचा।इसी बीच, शिक्षक की बेटी ने फोन चोरी होने की शिकायत दर्ज कराई। जिसे पुलिस ने सर्विलांस से नंबर ट्रेस किया तो उसी मोबाइल से परियोजना स्थित आवास पर शिक्षक ठगों से बात कर रहे थे। अनपरा पुलिस ने तत्काल कार्रवाई करते हुए एचडीएफसी और केनरा बैंक के खातों को सीज कर रुपये बचा लिए। शिक्षक का मोबाइल फॉर्मेट कर दिया गया ताकि ठगों के पास कोई डेटा न रहे।पिपरी सीओ अमित कुमार ने बताया कि थाना प्रभारी शिवप्रताप वर्मा की अगुवाई में पुलिस की तत्काल कार्रवाई से ठगी रोकी गई। उन्होंने जनता से अनजान कॉल्स पर भरोसा न करने और साइबर ठगी की सूचना तुरंत पुलिस या हेल्पलाइन 1930 पर देने की अपील की।

सोनभद्र का 1400 मिलियन साल पुराना फॉसिल्स पार्क लाया बड़ी खुशियां, यूनेस्को की वर्ल्ड हेरिटेज लिस्ट से कनेक्शन

सोनभद्र। उत्तर प्रदेश के सोनभद्र में स्थित सलखन

जीवाश्म पार्क, जिसे सलखन फॉसिल्स पार्क भी कहा जाता है, 25 हेक्टेयर में फैला एक महत्वपूर्ण भूवैज्ञानिक और पर्यटकीय स्थल है। इसमें 1400 मिलियन वर्ष पुराने शैवाल और स्ट्रॉमैटोलाइट्स के जीवाश्म पाए गए हैं, जो पृथ्वी पर प्राचीन जीवन के प्रमाण देते हैं। यह पार्क वैज्ञानिक अनुसंधान और पर्यटन के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है। 4 जून 2025 को भारतीय प्रतिनिधिमंडल ने यूनेस्को में सलखन फॉसिल्स पार्क को विश्व धरोहर की संभावित सूची में शामिल करने का दावा पेश किया, जो एक बड़ी उपलब्धि है। इस सूची में भारत के 62 अन्य स्थल भी शामिल हैं, जिनमें 50 सांस्कृतिक, 10 प्राकृतिक और 3 मिश्रित श्रेणी के हैं। सलखन को उत्तर प्रदेश का एकमात्र प्राकृतिक श्रेणी का स्थल नामांकित किया गया है। विश्व धरोहर समिति अब इसका मूल्यांकन करेगी। यदि सलखन को विश्व धरोहर का दर्जा मिलता है, तो यह पर्यटन विकास को गति देगा और इसकी वैश्विक पहचान बढ़ेगी। वर्तमान में भारत में 43 यूनेस्को विश्व धरोहर स्थल हैं, जिनमें 7 प्राकृतिक श्रेणी के हैं। सलखन के साथ-साथ बनारस के ऐतिहासिक घाट और सारनाथ को सांस्कृतिक श्रेणी में नामांकित किया गया है। पिछले डेढ़ वर्ष से सलखन के लिए प्रयास जारी थे। लखनऊ की पर्यटन विभाग की टीम ने इसका विस्तृत अध्ययन कर डोजियर तैयार किया, जिसे केंद्र सरकार को भेजा गया। यह कदम सलखन के संरक्षण और वैश्विक मान्यता के लिए महत्वपूर्ण है।

रायबरेली में मुख्यमंत्री मॉडल कंपोजिट विद्यालय का भूमि पूजनः ग्रामीण शिक्षा में नई क्रांति का सूत्रपात

रायबरेली। उत्तर प्रदेश की योगी सरकार द्वारा शुरू की गई महत्वाकांक्षी मुख्यमंत्री मॉडल

कंपोजिट विद्यालय योजना के तहत, रायबरेली जिले के मजरा हमीरमऊ ग्राम पंचायत बेला-भेला में सदर विधायक अदिति सिंह और जिलाधिकारी हर्षिता माथुर ने विद्यालय का भूमि पूजन किया। यह पहल ग्रामीण क्षेत्रों में प्री-प्राइमरी से लेकर कक्षा 12 तक उच्च गुणवत्ता वाली शिक्षा उपलब्ध कराने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है, जिसका उद्देश्य निजी विद्यालयों द्वारा अभिभावकों पर पड़ने वाले वित्तीय बोझ को भी कम करना है। शिक्षा में समानता की ओर एक कदम के तहत उत्तर प्रदेश सरकार ने इस मॉडल के तहत कुछ चुनिंदा जनपदों को चिन्हित किया है, जिनमें सर्वप्रथम प्रयोग के तौर पर रायबरेली को चुना गया है। प्रदेश के 18 मंडल मुख्यालय को छोड़कर शेष 57 जनपदों में एक मुख्यमंत्री मॉडल कंपोजिट विद्यालय के नवीन उन्नत विद्यालय का निर्माण किया जाना है। इस विद्यालय में प्री-प्राइमरी एवं कक्षा 1 से 12 तक की कक्षाएं होगी जिसमें लगभग 1500 छात्र-छात्राएं अध्ययन कर सकते हैं। विद्यालय में कक्षाओं की संख्या 30 होगी जो लगभग 6 एकड़ में बनाया जाए। विद्यालय में विज्ञान, वाणिज्यिक, कला वर्ग की शिक्षा दी जाएगी। साथ ही प्रधानाध्यापकों ,अध्यापकों कर्मचारियों के लिए आवास की भी व्यवस्था होगी। इसकी अतिरिक्त प्रार्थना स्थल, क्रीडा स्थल, ओपन जिम, सामान्य एवं दिव्यांग शौचालय, झूले, सेनेटरी पैड वेंडिंग मशीन, इंसिनरेटर, अग्निशमन यंत्र, सीसीटीवी कैमरे, पुस्तकालय, कंप्यूटर लैब, स्मार्ट क्लास एवं प्रयोगशालाएं भी बनेगी। इस विद्यालय निर्माण की कार्यदाई संस्था कंस्ट्रक्शन एंड डिजाइन सर्विसेज (उ0 प्र0 जल निगम) है। बेला में सदर विधायक अदिति सिंह द्वारा किए गए भूमि पूजन के अवसर पर बीएसए शिवेंद्र प्रताप सिंह, बीडीओ गौरी सिंह राठौड़,बीईओ बृज लाल वर्मा,ग्राम प्रधान विनय यादव सहित कई गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे। ग्रामीण अंचलों को मिलेगी उच्च शिक्षा की सौगात- इस अवसर पर सदर विधायक अदिति सिंह ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ द्वारा किए जा रहे इस अभिनव प्रयोग की सराहना की। उन्होंने कहा कि यह मॉडल विद्यालय ग्रामीण अंचलों में भी अब उच्च गुणवत्ता वाली शिक्षा सुलभ कराएगा, जिससे शिक्षा के क्षेत्र में शहरी और ग्रामीण विभाजन कम होगा। यह कदम उन अभिभावकों के लिए भी बड़ी राहत लेकर आएगा, जिन्हें अक्सर निजी विद्यालयों की मनमानी फीस और अन्य शुल्कों से जूझना पड़ता है। निजी संस्थानों पर लगेगी लगाम- मुख्यमंत्री मॉडल कंपोजिट विद्यालय योजना का एक प्रमुख लक्ष्य निजी शिक्षण संस्थानों द्वारा अभिभावकों की जेब पर डाले जा रहे डाके पर लगाम कसना भी है। सरकारी विद्यालयों में प्री-प्राइमरी से लेकर 12वीं तक की शिक्षा की सुविधा उपलब्ध होने से अभिभावकों के पास एक व्यवहार्य और गुणवत्तापूर्ण विकल्प मौजूद होगा, जिससे उन्हें महंगे निजी स्कूलों की ओर देखने की मजबूरी नहीं रहेगी। यह योजना निश्चित रूप से उत्तर प्रदेश के ग्रामीण क्षेत्रों में शिक्षा के परिदृश्य को बदलने की क्षमता रखती है, जिससे हर बच्चे को, चाहे वह किसी भी पृष्ठभूमि से हो, अच्छी शिक्षा का अवसर मिल सकेगा।

अपर पुलिस अधीक्षक सोनभद्र द्वारा प्रशिक्षु महिला/पुरुष आरक्षियों को उ0प्र0 पुलिस सोशल मीडिया पॉलिसी-2023 के सम्बन्ध में किया गया ब्रीफ

सोनभद्र। अवगत करना है कि

नवनियुक्त 60244 आरक्षियों का आगमन अपने अपने प्रशिक्षण केन्द्रों पर हो रहा है जिसके उपरान्त उनका प्रशिक्षण प्रारम्भ होगा। उपरोक्त प्रशिक्षण में पुलिसिंग के परंपरागत मूल्यों के साथ-साथ आधुनिक तकनीकी ज्ञान, संवाद कौशल नागरिकों के साथ संवेदनशील व्यवहार इत्यादि तमाम अन्य विषयों पर प्रशिक्षण दिया जायेगा। सोशल मीडिया संवाद का एक सशक्त माध्यम है और अधिकांश पुलिसकर्मी भी अपने विचारों की अभिव्यक्ति सोशल मीडिया पर करते रहते हैं। जिसके दृष्टिगत नव नियुक्त आरक्षियों के द्वारा सोशल मीडिया का प्रयोग करते समय विभागीय नीति नियमों एवं अनुशासन का उलंघन न किया जाये जिसके सम्बन्ध में पुलिस महानिदेशक, उ0प्र0 महोदय द्वारा परिपत्र संख्या 05/2023 दिनांक 08.03.2023 को एक विस्तृत परिपत्र निर्गत किया गया है। जिसके अनुपालन में अपर पुलिस अधीक्षक (मुख्यालय) सोनभद्र श्री अनिल कुमार द्वारा जनपद सोनभद्र में प्रशिक्षण हेतु आये महिला/पुरुष नवनियुक्त आरक्षियों को डी0जी0 परिपत्र संख्या 05/2023 के सम्बन्ध में विस्तृत रुप से जानकारी देते हुए सोशल मीडिया पॉलिसी में दिये गये निर्देशों जैसे- सरकारी कार्य के दौरान सोशल मीडिया का व्यक्तिगत प्रयोग न करने, कार्य सरकार के दौरान वर्दी में विडियो/रील्स न बनाने, सरकारी एवं व्यक्तिगत सोशल मीडिया प्लेटफार्म से किसी भी व्यक्तिगत व्यवसायिक कम्पनी अथवा उत्पाद का प्रचार-प्रसार न करने, सोशल मीडिया प्लेटफार्म पर विभागीय गोपनीय जानकारी को साझा न करने, सोशल मीडिया प्लेट फार्म से किसी प्रकार का धनार्जन/आय प्राप्त न करने, अपराध अन्वेषण, विवेचनाधीन या मा0 न्यायालय में लम्बित प्रकरणों से सम्बन्धित कोई गोपनीय जानकारी सोशल मीडिया पर साझा न करने, किसी भी गोपनीय सरकारी दस्तावेज, हस्ताक्षर रिपोर्ट अथवा पीड़ित के प्रार्थना पत्र को सोशल मीडिया पर साझा न करने, विभाग में असंतोष की भावना की फैलाने वाली पोस्ट साझा न करने, सोशल मीडिया पर अश्लील/हिंसात्मक भाषा का प्रयोग एवं अश्लील फोटो/विडियो साझा न करने, सोशल मीडिया एकाउंट की सुरक्षा हेतु स्ट्रांग पासवर्ड बनाने और निरन्तर बदलते रहने तथा सुरक्षित लॉगिन हेतु ऊँद ईंर्दूँ ल्पहूर्ग्मेदह का प्रयोग करने, किसी भी संदिग्ध लिंक न खोलने इत्यादि के बारे में जानकारी देते हुए अनुपालन करने हेतु निर्देशित किया गया।

18 कुन्तल 6 किलो 560 ग्राम नाजायज मादक पर्दाथ सहित दो अभियुक्त गिरफ्तार

सोनभद्र। पुलिस अधीक्षक सोनभद्र अशोक कुमार मीणा द्वारा अपराध रोकथाम एवं वांछित

अभियुक्तगण की गिरफ्तारी के विरुद्ध चलाये जा रहे अभियान के क्रम में अपर पुलिस अधीक्षक मुख्यालय एवं क्षेत्राधिकारी नगर के नेतृत्व मे एवं कुशल मार्ग दर्शन में थाना रावर्ट्सगंज पुलिस द्वारा बडे पैमाने पर हो रही नाजायज डोडा की तस्करी मे हिन्दुआरी तिराहे से करीब 100 मीटर आगे मिर्जापुर रोड पर डी.सी.एम. यूपी25जीटी7905 से 18 कुन्तल 06 किलो 560 ग्राम नाजायज मादक द्रव्य डोडा पोस्त की बरामदगी करते हुए मौके से दो अभियुक्तगण (1) अकरम खान पुत्र मुल्तान खान निवासी मकरन्दपुर कुड्डा थाना भबोरा जनपद बरेली (2) मो0 आरिफ पुत्र हनीफ अंसारी निवासी क्यूना शादीपुर थाना भभोरा जनपद बरेली को गिरफ्तार करते हुए थाना रावर्ट्सगंज पर मु.अ.सं.-649/2025 धारा 8/18/25/29/60 एनडीपीएस एक्ट पंजीकृत कर चालान माननीय न्यायालय किया जा रहा है। पूछताछ के दौरान अभियुक्तगणों द्वारा बताया गया कि बरामद डीसीएम में डोडा पोस्त राँची झारखण्ड से लोडकर बरेली जनपद लेकर जा रहे थे। उक्त मुकदमे में एक अन्य अभियुक्त अनीश अंसारी वांछित अभियुक्त है, जिसके गिरफ्तारी के प्रयास किये जा रहे है। उपरोक्त बरामद मादक द्रव्य डोडा का अन्तर्राष्ट्रीय बाजार में कीमत एक करोड़ अस्सी लाख पैंसठ हजार छः सौ रूपये है। बरामदगी का विवरणः- डी.सी.एम. यूपी25जीटी7905 से 18 कुन्तल 06 किलो 560 ग्राम नाजायज डोडा बरामद डोडा का अन्तर्राष्ट्रीय बाजार में कीमत एक करोड़ अस्सी लाख पैंसठ हजार छः सौ रूपये। गिरफ्तार व्यक्तियों के नामः (1) अकरम खां पुत्र मुल्तान खां निवासी मकरन्दपुर कुड्डा थाना भमौरा जपनद बरेली उम्र 35 वर्ष, (2) मो0 आरिफ पुत्र हनीफ अंसारी निवासी क्यूना शादीपुर थाना भमौरा जिला बरेली उम्र 32 वर्ष,गिरफ्तारी के समय मौजूद पुलिस बलः (1) प्रभारी निरीक्षक गोपाल जी गुप्ता, थाना राबर्ट्सगंज, सोनभद्र। (2) उ0नि0 जावेद आलम सिद्दीकी एस.टी.एफ. लखनऊ (3) उ0नि0 आशुतोष राय थाना रावर्ट्सगंज, सोनभद्र। (4) उ0नि0 चन्द्रप्रकाश मिश्र एस.टी.एफ. लखनऊ। (5) 0नि0 बजेश कमार टबे थाना रावर्टमगंज मोनभद। (6) है0का कन्हैया यादव थाना राचर्ट्सगंज, सोनभद्र। (7) है। चन्जय सिंह एस टी एफ. लखनऊ, (8) हेएको0 संदीप कमार यादव, थाना रावर्टसगज

बारिश के बीच रेलवे अंडरपास में फंसी यात्रियों से भरी रोडवेज बस व पिकअप, अटक गई लोगों की सांसें

सोनभद्र। सोनभद्र जिले में मानसून की पहली बारिश ने ही

प्रशासन की तैयारियों की पोल खोल दी। बृहस्पतिवार को हुई झमाझम बारिश के चलते शक्तिनगर थाना क्षेत्र अंतर्गत खड़िया सीएचपी के पास स्थित रेलवे अंडरपास में कई फीट पानी भर गया है। जलभराव इतना ज्यादा हुआ कि वाराणसी-शक्तिनगर राज्य मार्ग पर रेलवे पुल के नीचे एक रोडवेज बस और पिकअप वाहन फंस गए। अंडरपास में जलभराव के कारण बस में सवार यात्रियों की सांसें अटक गईं। लोग भय के बीच मदद का इंतजार करते रहे। इस दौरान आवाजाही पूरी तरह बाधित हो गई और सड़क पूरी तरह तालाब में तब्दील हो गई। स्थानीय लोगों ने बताया कि हर साल बारिश में यही स्थिति बनती है, लेकिन प्रशासन की तरफ से कोई स्थायी समाधान नहीं किया गया। जलभराव के कारण कई गाड़ियां घंटों तक फंसी रहीं। सोशल मीडिया पर अंडरपास में फंसे वाहनों का वीडियो वायरल हो गया, जिसे लेकर लोग प्रशासनिक लापरवाही पर सवाल उठा रहे हैं। ग्रामीणों और राहगीरों ने मांग की है कि रेलवे अंडरपास की जलनिकासी व्यवस्था को दुरुस्त किया जाए, ताकि भविष्य में ऐसी परेशानी से बचा जा सके।

'आजमगढ़ आतंक का नहीं अदम्य साहस का गढ़' लिंक एक्सप्रेसवे का लोकार्पण कर बोले सीएम योगी

सोनभद्र। सीएम योगी आदित्यनाथ शुक्रवार को आजमगढ़ पहुंचे। उन्होंने

सलारपुर में आयोजित कार्यक्रम में गोरखपुर लिंक एक्सप्रेसवे का लोकार्पण किया। जनसभा स्थल पर नंद गोपाल नंदी ने उनका स्वागत किया। इसके बाद सीएम ने लिंक एक्सप्रेसवे का लोकार्पण कर जनता को संबोधित किया। कहा कि अब आजमगढ़ आतंक का गढ़ नहीं अदम्य साहस का गढ़ बन गया है।सीएम योगी ने कहा कि वीर कुंवर सिंह द्वारा 1857 में लड़ी गई आजादी की लड़ाई के समय अगर पूर्वांचल एक्सप्रेस-वे होता तो तभी आजमगढ़ के साथ पूरा देश आजाद होता। कहा कि जाति के नाम पर राजनीति करने वाले पूर्वांचल में सिर्फ वोट मांगने आते थे, आज प्रयागराज में गंगा एक्सप्रेसवे को सोनभद्र से जोड़ते हुए विकास की गंगा बह रही है। मुख्यमंत्री ने कहा कि उत्तर प्रदेश को सर्वोत्तम प्रदेश बनाने के लिए डबल इंजन की सरकार काम कर रही है। काशी, विंध्याचल, चित्रकूट, अयोध्या के बाद अब तो हम मथुरा और वृंदावन की तरफ भी भिड़ गए हैं। कहा कि विरासत के साथ-साथ विकास पर भी काम करेंगे।सीएम ने कहा जो सुरक्षा व्यवस्था में सेंध लगाने का प्रयास करेगा, पहले से उसका टिकट रिजर्व कर दिया जाएगा। पहले विकास के नाम पर यह लोग डी कंपनी को पालते थे, यानी दाउद कंपनी। हमारी सरकार ने ऐसे लोगों को जहन्नुम का टिकट दे दिया। गौरतलब है कि पूर्वांचल एक्सप्रेस-वे से जुड़े गोरखपुर लिंक एक्सप्रेसवे की कुल लंबाई 91.35 किमी है। यह गोरखपुर के एनएच-27 पर जैतपुर के पास शुरू होकर आजमगढ़ के सलारपुर में पूर्वांचल एक्सप्रेसवे से मिलता है। चार जिलों गोरखपुर,संतकबीरनगर, आंबेडकरनगर और आजमगढ़ से होकर गुजरने वाला यह एक्सप्रेस-वे भविष्य में छह लेन तक विस्तारित किया जा सकता है। एक्सप्रेस-वे निर्माण के लिए भूमि अधिग्रहण सहित 7283.28 करोड़ रुपये की लागत आई है। इसका निर्माण दो भाग में गोरखपुर के जैतपुर से अंबेडकरनगर के फुलवरिया तक (48.317 किमी) और फुलवरिया से आजमगढ़ के सलारपुर तक (43.035 किमी) किया गया है।

लाखों रूपये लगा कर बना इको पॉइंट पर गन्दगी का अम्बार,टुटे पडे है झुले और गेट

स्वच्छ भारत अभियान को फेल करता नजर आ रहा है पिकनिक स्पॉट

सोनभद्र। टोल प्लाजा के आगे लाखो रूपये लगा कर बना इको पॉइंट पर सफाई के नाम पर जीरो.स्वच्छ भारत मिशन के नाम पर सिर्फ कोरम पुरा हो रहा है प्लास्टिक के पैकट आइसक्रीम के रैपर पानी कि प्लास्टिक कि तामाम बाटले फेकी गई .घुमने आए लोग द्वारा खाना पिने का समान डस्टबिन मे न डालकर बाहर खुले मे फेक देते है.अन्दर लगे बैठने एव लगे झुले भी टुट कर गिर चुके है यही नहीं अन्दर एंट्री करने वाले लोहे का मेने गेट भी टुट चुका है.कोई गार्ड व सुरक्षा कर्मी न होने के कारण लाखों रुपये लगा कर बनाया गया इको पॉइंट कि दुर्दशा देखने लायक हुई है इस

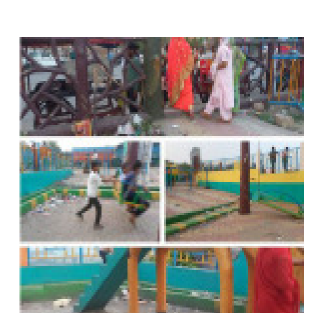

हाल के जिम्मेदार आम जनता ही है डस्टबिन लगने के बावजूद भी गन्दगी बाहर ही फेक कर चले जाते है जीस के चलते वहां बैठने लायक भी स्थिति नहीं बची.

नगर पालिका प्रशासन ने चट्टी चौराहा से हटाए बैनर पोस्टर

सोनभद्र। नगर पालिका प्रशासन द्वारा शुक्रवार को रावटसगंज नगर पालिका क्षेत्र के सार्वजनिक स्थलों पर लगे राजनीतिक पार्टियों के बैनर पोस्टर हटवाया गया दी गई संबंधितों को वार्निंग।नगर पालिका अध्यक्ष रूबी प्रसाद ने बताया कि पूर्व में शासन द्वारा दिशा निर्देशित किया गया है कि सार्वजनिक स्थल अथवा नगर पालिका क्षेत्र में किसी भी राजनीतिक पार्टी द्वारा बैनर पोस्टर बिना परमिशन लिए ना लगाया जाए उसी क्रम में शुक्रवार को नगर पालिका टीम द्वारा बरौली चौराहा ,धर्मशाला, साईं चौक, महिला थाना ,उरमौरा सहित विभिन्न स्थलों पर लगे बैनर पोस्टर हटाए गए और संबंधितों को दिए गए वार्निंग। नपा अध्यक्ष ने बताया कि नगर पालिका क्षेत्र में बैनर पोस्टर लगाने से पहले नगर पालिका प्रशासन से परमिशन लेते हुए संबंधित सरकारी शुल्क जमा कर ही राजनीतिक पार्टी कार्यकर्ता बैनर पोस्टर लगाए।

एक दिवसीय धरना प्रदर्शन कर बुलंद की आवाज राष्ट्रीय पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) मोर्चा दिए 9 सूत्री मांग पत्र

सोनभद्र। राष्ट्रीय पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) मोर्चा द्वारा कलेक्ट्रेट परिसर में शुक्रवार को इकदिवासी धरना प्रदर्शन करते हुए अपनी नव सुत्री मांग पत्र राज्यपाल नामित जिलाधिकारी प्रतिनिधि को देखकर बुलंद की आवाज।जिला अध्यक्ष धनजीत मौर्य ने बताया की लोहंदा, कौशांबी उत्तर प्रदेश में पिछड़े वर्ग की बालिका के साथ हुए रेप प्रकरण, बदायूँ उत्तर प्रदेष में कर्तव्य पटेल की गोली मारकर हत्या, संतकबीरनगर में 10 वर्षीय किरन चौहान की 11000 वोल्ट तार गिरने से मृत्यु, बस्ती जनपद में कोतवाली थाना अर्न्तगत 4 वर्षीय बच्ची के साथ रेप, लालगंज थाना अर्न्तगत सिद्धनाथ गाँव की 05 वर्षीय बच्ची की रेप कर हत्या, संतकबीरनगर जनपद के मेंहदावल उपजिलाधिकारी संजीव कुमार राय द्वारा जातिवादी

मानसिकता व संविधान द्रोह करते हुए शान्तिपूर्ण तरीके से आन्दोलन करने वाले लोगों को जेल भेजना, बस्ती जनपद में आन्दोलनकारियों पर प्रशासन द्वारा फर्जी मुकदमें लगाने को लेकर न्याय दिलाया जाए।श्री मौर्य ने बताया कि उपरोक्त संदर्भ में उत्तर प्रदेश के सभी 75 जिलों से धरना-प्रदर्षन पश्चात ज्ञापन भेज कर हम अपनी नौ सूत्री मांग किया गया है जिसमें इस घटना की माननीय सुप्रीम कोर्ट की निगरानी में जांच करवाई जाय।, दुष्कर्म के आरोपी की जमानत रद्द कर उसको जेल भेजा जाय।, इस प्रकरण में पक्षपात पूर्ण तरीके से कार्य करने वाले अधिकारियों को बर्खास्त किया जाय।,पीड़िता एवं उसके परिवार तथा सहयोगियों को सुरक्षा उपलब्ध कराई जाय।, पीड़िता के परिवार एवं ग्राम प्रधान पर लगाये गये झूठे मुकदमें वापस लिए जाय। सहित अन्य मांगों को पूर्ण किया जाए। इस मौके पर राकेश कुमार, प्रदीप कुमार, लक्ष्मी नारायण, सूर्यभान, सोनू ,रूपनारायण, दीपू ,कारण ,शिव ,अरविंद, जितेंद्र ,शशि आदि लोग मौजूद रहे।

पुलिस अधीक्षक, सोनभद्र द्वारा प्रतिदिन की भांति जनता दर्शन में आए फरियादियों की सुनी गई समस्याएं

सोनभद्र। प्राप्त जन शिकायतों के त्वरित व गुणवत्तापूर्ण निस्तारण हेतु सम्बन्धित को दिए गए आवश्यक दिशा-निर्देश, इसी क्रम में जनपद के समस्त राजपत्रित पुलिस अधिकारियों व थाना प्रभारियों द्वारा कार्यालय/थानों पर सुनी जा रही जन शिकायतें। प्रतिदिन की भांति की जा रही जनसुनवाई के क्रम में आज दिनांक- 20.06.2025 को श्री अशोक कुमार मीणा, पुलिस अधीक्षक सोनभद्र द्वारा जनता दर्शन में आये फरियादियों की समस्याएं/शिकायतों को सुना गया। जनसुनवाई के दौरान प्राप्त शिकायतों के शीघ्र एवं गुणवत्तापूर्ण निस्तारण हेतु सम्बन्धित को आदेशित किया गया। महोदय द्वारा सभी थाना प्रभारियों को सचेत किया गया कि जनसुनवाई/महिला हेल्पडेस्क को और अधिक प्रभावशाली बनाये ताकि पीड़ित/शिकायतकर्ता को अनावश्यक रूप से अपने थाने से पुलिस कार्यालय आने की आवश्यकता न हो। साथ ही निर्देशित किया गया कि जिस समस्या का समाधान थाना स्तर से हो सकता है उनका समाधान थाना स्तर पर ही समयबद्ध, गुणवत्तापूर्ण निस्तारण प्राथमिकता के आधार पर कराना सुनिश्चित करें।

गंभीर और गिल को तलाशने होंगे 4 सवालों के जवाब,रोहित की जगह ओपनिंग किसे मिलेगी? गिल चौथे तो नंबर-3 पर कौन खेलेगा?

नयी दिल्ली। रोहित शर्मा और विराट कोहली ने टेस्ट

क्रिकेट से संन्यास ले लिया है। टीम के सीनियर खिलाड़ी जसप्रीत बुमराह भी इंग्लैंड दौरे पर 3 ही टेस्ट खेलेंगे। रोहित के रिटायमेंट के बाद बल्लेबाज शुभमन गिल को टीम की कमान सौंपी गई है। सीनियर खिलाड़ियों की गैरमौजूदगी में हेड कोच गौतम गंभीर और कप्तान गिल के सामने टीम कॉम्बिनेशन को लेकर 4 सवालों के जवाब तलाशने होंगे। स्टोरी में हम यह जानने की कोशिश करेंगे कि प्लेइंग-11 में रोहित की जगह ओपनिंग कौन करेगा? गिल अगर नंबर-4 पर खेले तो नंबर-3 पर कौन खेलेगा। रोहित ने 7 मई को टेस्ट क्रिकेट को अलविदा कह दिया। पिछले 6 साल से वे रेड बॉल में ओपनिंग कर रहे थे। 2023 से उनके पार्टनर यशस्वी जायसवाल हैं। ऐसे में यशस्वी की जगह तो

फिक्स है, लेकिन उनका साथ कौन देगा, इस सवाल का जवाब अभी तलाशना होगा। ओपनिंग पोजिशन पर रोहित की जगह यशस्वी के साथ केएल राहुल हो सकते हैं। राहुल ने ऑस्ट्रेलिया दौरे और इंग्लैंड लायंस के खिलाफ अनऑफिशियल टेस्ट में यशस्वी के साथ ओपनिंग की थी। इनके अलावा साई सुदर्शन भी रोहित की जगह लेने के दावेदार हैं।

केएल राहुलः 33 साल के राहुल ने 2014 में टेस्ट डेब्यू किया। उन्होंने अब तक 58 टेस्ट खेले और 3257 रन बनाए। इसमें से लगभग 85-90प्रतिशत पारियों में ओपनिंग की। राहुल के नाम 8 टेस्ट शतक हैं, जिनमें ओपनिंग करते हुए उन्होंने 7 सेंचुरी लगाईं। राहुल ने विदेशी पिचों पर सबसे ज्यादा रन इंग्लैंड में ही बनाए हैं। उनके नाम यहां 2 शतक हैं। साई सुदर्शनः 23 साल के सुदर्शन आईपीएल में अपनी परफॉर्मेंस के बाद चर्चा में हैं। वे भारत के लिए 3 वनडे और 1 टी-20 खेल चुके हैं। सुदर्शन फर्स्ट क्लास क्रिकेट में 7 शतक लगा चुके हैं और उन्हें इंग्लैंड में काउंटी क्रिकेट का अनुभव भी है।विराट कोहली ने 12 मई को टेस्ट से संन्यास ले लिया। वे टीम में नंबर-4 पर बैटिंग करते थे और स्क्वॉड के सबसे अनुभवी मेंबर थे। उनके जाने से टीम में मिडिल ऑर्डर के अनुभवी और मजबूत बैटर का बहुत बड़ा गैप हो गया। इस गैप को गिल भरेंगे। पहले टेस्ट में गिल पहली बार नंबर-4 पर बल्लेबाजी करेंगे। उप कप्तान ऋषभ पंत ने बुधवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस में यह जानकारी दी। अगर गिल चौथे नंबर पर खेले तो नंबर-3 का सवाल उठता है। इसके दो दावेदार हैं।साई सुदर्शनः गिल अगर अपनी मौजूदा पोजिशन बदलकर नंबर-4 पर बैटिंग के लिए उतरे तो नंबर-3 पर सुदर्शन खेल सकते हैं। वे फॉर्म में हैं और लेफ्ट हैंडर हैं, जिससे टॉप ऑर्डर में वैरायटी मिलेगी। करुण नायरः 33 साल के नायर को 8 साल बाद टेस्ट स्क्वॉड में मौका मिला है। उन्होंने आखिरी टेस्ट मार्च, 2017 में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ खेला था। नायर भी तीसरे नंबर के दावेदार हैं। टेस्ट क्रिकेट का अनुभव रखते हैं, 2016 में इंग्लैंड के खिलाफ नॉटआउट ट्रिपल सेंचुरी भी लगा चुके हैं। हालांकि, नायर को मिडल ऑर्डर में खेलने की आदत है, ऐसे में नंबर-3 पर सुदर्शन के चांस ज्यादा हैं और नायर छठे नंबर पर खेल सकते हैं। करुण ने अब तक 6 टेस्ट में 374 रन बनाए हैं।तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह वर्कलोड और इंजरी को देखते हुए इंग्लैंड के खिलाफ सीरीज के 2 या 3 टेस्ट ही खेलेंगे। उनकी गैरमौजूदगी में अनुभव के तौर पर मोहम्मद सिराज पेस अटैक को लीड कर सकते हैं। उन्हें अब तक सभी

प्रारूपों में अच्छा अनुभव है। उनके अलावा प्रसिद्ध कृष्णा और शार्दूल ठाकुर भी ऑप्शन हैं।मोहम्मद सिराजः भारत से तीनों फॉर्मेट में खेल चुके सिराज टेस्ट में बुमराह की गैरमौजूदगी में पेस अटैक को लीड करने के दावेदारों में सबसे आगे हैं। उनकी गेंदबाजी में पेस और एग्रेशन है, जिससे वे बल्लेबाजों को परेशान करते हैं। वे 36 टेस्ट में 100 विकेट ले चुके हैं। बुमराह, मोहम्मद शमी और उमेश यादव की गैरमौजूदगी में सिराज ने 2020-21 में ऑस्ट्रेलिया दौरे पर टेस्ट डेब्यू किया और सीरीज में भारत के लिए सबसे ज्यादा विकेट लिए। प्रसिद्ध कृष्णाः 29 साल के प्रसिद्ध ने 2023 में साउथ अफ्रीका के खिलाफ टेस्ट डेब्यू किया था। उन्होंने अब तक 3 टेस्ट खेले और 8 विकेट लिए। उन्होंने आईपीएल ?2025 में सबसे ज्यादा 25 विकेट लिए और पर्पल कैप जीती। कृष्णा का पहला इंग्लैंड दौरा है।

शार्दूल ठाकुरः भारत के लिए तीनों फॉर्मेट में डेब्यू कर चुके शार्दूल ने अब तक 11 टेस्ट में 31 विकेट लिए हैं। उन्होंने रणजी ट्रॉफी 2024-25 में 35 विकेट लेने के साथ और 505 रन भी बनाए। उन्हें इंग्लैंड में खेलने का भी अनुभव

है। उन्होंने यहां 4 टेस्ट में 173 रन बनाने के साथ और 10 विकेट भी लिए हैं। इनमें दो अर्धशतक शामिल हैं। वे वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप फाइनल भी में फिफ्टी लगा चुके हैं।टीम इंडिया ने इंग्लैंड दौरे के लिए स्क्वॉड में 3 स्पिनर को शामिल किया। ऑलराउंडर रविंद्र जडेजा और वॉशिंगटन सुंदर के अलावा स्पेशलिस्ट स्पिनर कुलदीप यादव भी हैं। जडेजा और सुंदर दोनों बल्लेबाजी में भी सपोर्ट कर सकते हैं। वहीं, टीम मैनेजमेंट पिच कंडीशन को देखते हुए यह फैसला करेगी कि प्लेइंग-11 कॉम्बिनेशन क्या होगा।रवींद्र जडेजाः रोहित और कोहली के बाद टेस्ट टीम में जडेजा ही इकलौते सीनियर प्लेयर बचे, जिनका करियर 12 साल से ज्यादा का है। नंबर-1 टेस्ट ऑलराउंडर ने अब तक 80 टेस्ट मैच खेले हैं, जिनमें 3370 रन और 323 विकेट हैं । इनमें 4 शतक और 22 अर्धशतक भी शामिल हैं। जडेजा ने इंग्लैंड में टेस्ट क्रिकेट में 12 मैचों में 642 रन और 27 विकेट लिए हैं। वॉशिंगटन सुंदरः उन्होंने अब तक इंग्लैंड में

कोई भी टेस्ट मैच नहीं खेला। हालांकि, सुंदर के नाम 9 टेस्ट में 468 रन और 25 विकेट हैं। कुलदीप यादवः चाइनामैन कुलदीप ने 13 ही टेस्ट खेले हैं। इनमें उन्होंने 56 विकेट लिए हैं। कुलदीप ने इंग्लैंड में केवल एक टेस्ट खेला। उन्हें 2018 में लॉर्ड्स टेस्ट की प्लेइंग-11 में शामिल किया गया था। उस मैच में उन्हें एक भी विकेट नहीं मिला, फिर प्लेइंग-11 से बाहर कर दिया गया। इंग्लैंड की पिचें आम तौर पर सीम और स्विंग को मदद करती हैं, लेकिन गर्मियों में कुछ विकेट स्पिनर्स के लिए मददगार हो सकते हैं। अगर ओवल, मैनचेस्टर या ट्रेंट ब्रिज जैसे मैदानों पर टर्न मिलने की उम्मीद हो, तो कुलदीप यादव भारत की प्लेइंग-11 में शामिल हो सकते हैं।कप्तान शुभमन गिल 4 नंबर पर बैटिंग करेंगे। गिल फिलहाल नंबर-3 पोजिशन पर खेलते हैं, लेकिन विराट कोहली के संन्यास के बाद वे नंबर-4 पर बैटिंग करेंगे। टेस्ट क्रिकेट में नंबर-4 पर बल्लेबाजी करना एक बहुत ही अहम नंबर माना जाता है और आमतौर पर इस पोजिशन पर टीम का सबसे अनुभवी, भरोसेमंद और

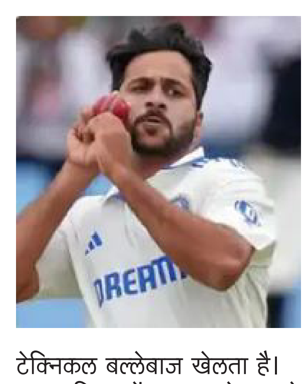

टेक्निकल बल्लेबाज खेलता है।

सचिन तेंदुलकर ने अपने करियर में ज्यादातर नंबर-4 पर बल्लेबाजी की और इसी पोजिशन पर सबसे ज्यादा रन बनाए। स्टीव स्मिथ मौजूदा दौर के सबसे सफल टेस्ट बैटर हैं और नंबर-4 पर ही खेलते हैं। जो रूट और विराट कोहली ने भी लंबे समय तक नंबर-4 पर बल्लेबाजी की।यशस्वी जायसवाल, केएल राहुल, साई सुदर्शन, शुभमन गिल (कप्तान), ऋषभ पंत (उप कप्तान), करुण नायर, रविंद्र जडेजा, शार्दूल ठाकुर, जसप्रीत बुमराह, मोहम्मद सिराज, प्रसिद्ध कृष्णा।टीम इंडिया आज से इंग्लैंड में 5 टेस्ट की सीरीज खेलेगी। रोहित के संन्यास के बाद टीम नए कप्तान की मौजूदगी में खेलने उतरेगी। वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप की नई साइकल में भारत की यह पहली सीरीज रहेगी।

भगवान ने दे ही दिया एक और मौका...3006 दिन बाद करुण की मैदान पर वापसी, 2017 में खेला था पिछला टेस्ट

नयी दिल्ली। वर्षों का इंतजार खत्म हुआ और आखिरकार

करुण नायर की वापसी हो गई। इंग्लैंड के खिलाफ मुकाबले के जरिये दाएं हाथ के बल्लेबाज भारतीय टीम में 3006 दिन यानी आठ साल, दो महीने और 23 दिन बाद वापसी कर रहे हैं। उन्होंने पिछला टेस्ट 2017 में खेला था। बता दें कि, भारत और इंग्लैंड के बीच हेडिंग्ले में पहला टेस्ट मुकाबला खेला जा रहा है। इंग्लैंड के कप्तान बेन स्टोक्स ने भारत को पहले बल्लेबाजी का न्योता दिया है।33 वर्षीय करुण नायर ने पिछला टेस्ट मैच धर्मशाला में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ खेला था। तब से वह टेस्ट टीम में वापसी के लिए संघर्ष कर रहे थे। ऐसे में वह कुल 77 टेस्ट मैचों में बाहर रहे। हाल फिलहाल में घरेलू क्रिकेट में कई बेहतरीन पारियां खेलने वाले नायर के लिए दो-दो खुशखबरी सामने आई है। उन्हें

इंग्लैंड दौरे के लिए भारतीय-ए टीम के बाद सीनियर भारतीय टीम में भी चुना गया है। उनकी वापसी किसी फिल्मी कहानी से कम नहीं है। साल 2022 में क्रिकेट में लगातार नाकामी के बाद उन्होंने एक भावुक कर देने वाला पोस्ट लिखा था। नायर ने एक्स पर लिखा था, 'प्रिय क्रिकेट, मुझे एक और मौका दें।' अब उन्हें एक और मौका मिल गया है और इस मौके को वह जोरदार तरीके से भुनाना चाहेंगे।' नायर ने 2016 में भारत के लिए डेब्यू किया था, लेकिन टेस्ट में तिहरा शतक जड़ने के बावजूद टीम के लिए लंबे समय तक खेलने में नाकाम रहे। एक बार जब वह टीम से बाहर हो गए, तो वह कभी नहीं लौटे। 2022 में कर्नाटक की टीम से बाहर किए जाने के बाद उन्होंने सोशल मीडिया 'प्रिय क्रिकेट' वाला पोस्ट किया

था।इंग्लैंड में भारतीय टीम के लिए प्रभावशाली प्रदर्शन निश्चित रूप से इस दाएं हाथ के बल्लेबाज को लंबे समय तक टीम इंडिया में बनाए रखेगी। खासकर ऐसे समय में जब विराट कोहली और रोहित शर्मा ने प्रारूप छोड़ दिया है, करुण अच्छी पारी खेलकर इनमें से एक की जगह पर कब्जा जमाने की कोशिश करेंगे। कई वर्षों तक घरेलू क्रिकेट में कर्नाटक का प्रतिनिधित्व करने के बाद अब वह विदर्भ का प्रतिनिधित्व कर रहे हैं। 2024-25 विजय हजारे ट्रॉफी में उन्होंने आठ पारियों में 779 रन बनाए, जिसमें पांच शतक शामिल हैं। इनमें से चार बैक-टू-बैक शतक रहे। वह लगभग अकेले दम पर ही विदर्भ को फाइनल में ले गए थे। यही नहीं उन्होंने रणजी ट्रॉफी में भी शानदार प्रदर्शन किया। उन्होंने नौ मैचों में 863 रन बनाए, जिसमें केरल के खिलाफ फाइनल में एक महत्वपूर्ण शतक और एक अर्धशतक शामिल था। विदर्भ को खिताब जीतने में उनकी भूमिका अहम रही।करुण की वापसी क्रिकेट में सबसे जबरदस्त वापसी में से एक है। भारत के लिए छह टेस्ट मैचों में उन्होंने 62.33 की औसत से 374 रन बनाए थे। इसमें एक तिहरा शतक शामिल है। इस दौरान सात पारियों में उनका स्कोर- 4, 13, 303ङ, 26, 0, 23 और 5 रन का रहा है। प्रथम श्रेणी क्रिकेट में करुण ने 49.16 की शानदार औसत से 8211 रन बनाए हैं। इनमें 23 शतक और 36 अर्धशतक शामिल हैं। तिहरे शतक के बावजूद उन्हें दरकिनार कर दिया गया। वह 2018 इंग्लैंड दौरे की टीम का हिस्सा थे, लेकिन उन्हें उस सीरीज में कभी खेलने का मौका नहीं मिला। वह पिछली बार फरवरी 2017 में भारत के लिए खेले थे। भारत का तब टेस्ट में ऑस्ट्रेलिया से धर्मशाला में सामना हुआ था। यानी अगर करुण को खेलने का मौका मिलता है तो यह आठ साल बाद होगा जब वह लाल गेंद के प्रारूप में भारत के लिए कोई मुकाबला खेलेंगे, लेकिन वापसी उनकी सात साल बाद हुई है। इसके अलावा वह दो वनडे भी खेल चुके हैं। 2016 में उन्होंने जिम्बाब्वे के खिलाफ हरारे में दो मैच खेले थे। इसमें उन्होंने कुल मिलाकर 46 रन बनाए थे।

लीड्स में काली पट्टी बांधकर मैदान पर उतरीं दोनों टीमें, अहमदाबाद में मारे गए लोगों के लिए रखा मौन

नयी दिल्ली। भारत और इंग्लैंड के बीच लीड्स में पहले टेस्ट की शुरुआत हो चुकी है। दोनों टीमों के खिलाड़ी इस मुकाबले में काली पट्टी बांधकर उतरे तो लोग समझ नहीं पाए कि ऐसा क्यों है। बता दें कि भारत और इंग्लैंड दोनों टीमों के खिलाड़ियों ने अहमदाबाद विमान हादसे में मारे गए लोगों को श्रद्धांजलि देने के लिए बांह पर काली पट्टी बांधी है। साथ ही राष्ट्रगान से पहले दोनों टीमों ने दो मिनट का मौन धारण किया। 12 जून को अहमदाबाद से लंदन जा रही एअर इंडिया की फ्लाइट संख्या- एआई171 उड़ान भरने के तुरंत बाद क्रैश हो गई थी। इस हादसे में 270 से ज्यादा लोगों की मौत हो गई थी।एअर इंडिया का विमान 12 जून दोपहर 13:38 बजे टेकऑफ हुआ था। एअर इंडिया के मुताबिक बोइंग 787-8 मॉडल के इस विमान में 242 यात्री और चालक दल के सदस्य सवार थे। यात्रियों में 169 भारतीय नागरिकों समेत ब्रिटेन, पुर्तगाल और कनाडा के नागरिक शामिल थे। इस भीषण हादसे में गुजरात के पूर्व मुख्यमंत्री विजय रुपाणी समेत कुल 270 से ज्यादा लोगों की मौत हुई। मरने वालों में ज्यादातर लोग विमान में सवार थे। बाकी हताहत लोग विमान

के क्रैश होते समय मेघाणीनगर में हादसे की चपेट में आ गए थे। इस हादसे पर क्रिकेट समुदाय ने भी दुख व्यक्त किया था। भारत ए टीम ने इंट्रा स्क्वाड मैच शुरू होने से पहले भी इस हादसे में मारे गए लोगों को श्रद्धांजलि दी थी।लीड्स के हेडिंग्ले में शुरुआती टेस्ट में इंग्लैंड के कप्तान बेन स्टोक्स ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी का फैसला किया। इंग्लैंड ने प्लेइंग-11 की घोषणा पहले ही कर दी थी। वहीं, भारतीय कप्तान शुभमन गिल ने भी कहा कि वह टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करना चाहते थे। गिल ने कहा कि सुदर्शन डेब्यू कर रहे हैं। करुण की वापसी हुई है और तीन विशेषज्ञ तेज गेंदबाज खेल रहे हैं। शार्दुल ऑलराउंडर की भूमिका निभाते दिखेंगे। सुदर्शन तीसरे नंबर पर और करुण छठे नंबर पर बल्लेबाजी करते दिख सकते हैं।भारतः यशस्वी जायसवाल, केएल राहुल, साई सुदर्शन, शुभमन गिल (कप्तान), ऋषभ पंत (विकेटकीपर), करुण नायर, रवींद्र जडेजा, शार्दुल ठाकुर, जसप्रीत बुमराह, मोहम्मद सिराज, प्रसिद्ध कृष्णा। इंग्लैंडः जैक क्राउली, बेन डकेट, ?ओली पोप, जो रूट, ?हैरी ब्रूक, ?बेन स्टोक्स (कप्तान), जेमी स्मिथ (विकेटकीपर), क्रिस वोक्स, ?ब्राइडन कार्स, जोश टंग, शोएब बशीर।

मेंटल हेल्थ- गंजा हूं, लड़कियां रिजेक्ट कर देती हैंःलड़के डेट पर जाते हैं, मैं कमरे में अकेले पड़ा रहता हूं, इस शर्म से कैसे निकलूं

नयी दिल्ली। एक्सपर्ट- डॉ. द्रोण शर्मा एक पेशेंट के सवाल का जवाब देते हुए बताते हैं की एक युवा पेशेवर के रूप में आपकी समस्या बहुत व्यावहारिक और संवेदनशील है। जाहिर है, गंजेपन के कारण आप आत्मविश्वास की कमी महसूस करते हैं और इसका असर आपके मानसिक स्वास्थ्य पर भी पड़ रहा है। मैं आपकी समस्या का मूल्यांकन इन बुनियादी पैरामीटर्स पर करूंगा।1. आत्म-सम्मान में गिरावट- बालों के झड़ने को अपनी पहचान से जोड़कर देखकना और इस कारण सेल्फ वैल्यू और सेल्फ रिस्पेक्ट की कमी महसूस करना। 2. सोशल एंग्जाइटी- यह डर महसूस करना कि लोग गंजेपन का मजाक उड़ाते हैं। शक्ल या बालों से हमें आंकते हैं और इस कारण एंग्जाइटी महसूस करना। 3. अवसाद और अकेलापन- ऊपर दिए तमाम कारणों के कारण खुद को समाज से, दोस्तों से आइसोलेट कर लेना, डेटिंग से डरना और उदासी व निराशा महसूस करना। 4. पारिवारिक संवेदनशीलता की कमी- गाहे-बगाहे घरवालों की टिप्पणियों से भावनात्मक चोट लगना। ये कारण सही हैं। आगे हम इस पर और विस्तार से डिसकस करेंगे और सेल्फ हेल्प प्लान के बारे में भी बात करेंगे, लेकिन मैं अपनी बात की शुरुआत इस एक फैक्ट के साथ करना चाहता हूं कि हमारी शक्ल-सूरत, नैन-नक्श, बाल और शरीर से हमारा महत्व तय नहीं होता। ये वो चीजें हैं, जिन पर हमारा कोई कंट्रोल भी नहीं है। लेकिन हमारे इंटेलीजेंस और अच्छे व्यवहार पर हमारा कंट्रोल है। इसलिए हमारा फोकस उन्हीं चीजों पर होना चाहिए, जिन्हें हम बेहतर बना सकते हैं।कई बार हमें खुद पता नहीं होता कि हम जिस मेंटल हेल्थ समस्या से गुजर रहे हैं, उसकी इंटेंसिटी कितनी है। वह समस्या कितनी गंभीर है। उस समस्या को ठीक करने के लिए सेल्फ हेल्प काफी है या हमें प्रोफेशनल मदद की जरूरत है। यह जानने के लिए हम एक सेल्फ एसेसमेंट टेस्ट करेंगे। सेल्फ हेल्प प्लान- अगर आपका टोटल स्कोर 15 से कम है तो आपकी समस्या गंभीर नहीं है और खुद थोड़ा सजग होकर, आप इस समस्या को दूर कर सकते हैं। अगर स्कोर ज्यादा है और आप प्रोफेशनल हेल्प ले रहे हैं तो भी सेल्फ हेल्प के ये तरीके हमेशा ही कारगर होंगे। नीचे मैं आपको चार हफ्ते का एक सेल्फ हेल्प प्लान दे रहा हूं। ये प्लान सीबीटी टेक्नीक यानी कॉग्निटिव बिहेवियर टेकनीक पर आधारित है। इसका अर्थ है कि बहुत सचेत ढंग से अपने सोचने के तरीके और उसके साथ अपने व्यवहार को बदलने की कोशिश करना। बहुत से मेंटल हेल्थ से जुड़े मामलों में सीबीटी टेकनीक काफी कारगर होती है।पहला हफ्ता - सच्चाई को जानना और स्वीकार करना, उ?द्देश्यः गंजेपन के बारे में सही जानकारी प्राप्त करना और अपने नेगेटिव विचारों की पहचान करना। 'मैं जैसा हूं, वैसा ही ठीक हूं' क्या करना हैः- बाल झड़ने के बारे में वैज्ञानिक जानकारी हासिल करना। जानिए कि 50फीसदी पुरुषों में उम्र बढ़ने के साथ बाल झड़ते हैं। यह कोई अनोखी बात नहीं है, जो सिर्फ मेरे साथ हुई है। गंजापन एक जेनेटिक और हार्मोनल प्रक्रिया है। इसमें डीएचटी नामक हॉर्मोन का रोल है। ये मेरी कोई पर्सनल गलती या कमी नहीं है। गंजापन किसी तरह की कमजोरी, बीमारी या मर्दानगी की कमी का संकेत भी नहीं है।नेगेटिव सोच को बदलना सीबीटी टेकनीक के मुताबिक सारे बदलाव सबसे पहले हमारे दिमाग में होते हैं। नेगेटिव सोच जिस दिमाग में पैदा हो रही है, उसी दिमाग में पॉजिटिव सोच भी आ सकती है। लेकिन उसके लिए हमें प्रयास करना होता है। जब भी आपके मन में कोई नेगेटिव ख्याल आइए तो उसे कागज पर लिखकर उसका पॉजिटिव ऑल्टरनेटिव ढूंढने की कोशिश करिए। लिखना हमेशा कारगर होता है। इसके अलावा दिन में दो बार खुद से बोलें- 'मैं जैसा हूं, अच्छा हूं। मेरा आत्मविश्वास मेरे बालों से नहीं, मेरे कर्मों से आता है।' दूसरा हफ्ता- खोया आत्म-सम्मान और सेल्फ वैल्यू फिर से पाना उ?द्देश्यः गंजेपन को अपनी पहचान का नकारात्मक हिस्सा मानना बंद करना और अपनी सेल्फ वैल्यू को बालों से नहीं, बल्कि अपने आंतरिक गुणों से जोड़कर देखना।क्या करना हैः-1. अपनी खूबियों की एक लिस्ट बनाएं। बालों और बाहरी सुंदरता के अलावा आप में और वो कौन-कौन से गुण हैं, जो आपको पसंद हैं। अपनी ऐसी 10 क्वालिटीज एक पन्ने पर लिखें। जैसे, मेहनती, वफादार, ईमानदार, मजाकिया वगैरह। अपनी वो 10 क्वालिटीज रोज खुद को एक बार याद दिलाएं।रोज 5 मिनट आईने के सामने खड़े होकर खुद से कहेंः-'मैं कॉन्फिडेंस से भरा हुआ हूं।' 'मेरे पास प्यार, रिस्पेक्ट, काइंडनेस जैसे बहुत सी चीजें देने के लिए हैं।' 'गंजापन मेरी कमजोरी नहीं, मेरी मैच्योरिटी की निशानी है।' गंजेपन की मोटिवेशनल स्टोरीज यूट्यूब पर ऐसे सफल लोगों की कहानियां खोजिए, जिनके सिर पर बाल नहीं थे और जिन्होंने जीवन में ऊंचा मुकाम हासिल किया। जैसे जेसन स्टैथम, ड्वेन डगलस। दुनिया का सबसे अमीर और सफल आदमी जेफ बेजोस भी गंजा है।

ये उदाहरण दिखाते हैं कि आत्म-स्वीकृति ही असली आकर्षण है। आपको शायद यह जानकर आश्चर्य होगा कि पेनेसिल्वेनिया यूनिवर्सिटी की एक स्टडी के मुताबिक गंजे पुरुष ज्यादा सफल और कॉन्फिडेंट होते हैं। डेढ़ हजार से ज्यादा मोस्ट सक्सेसफुल पुरुषों पर किए गए सर्वे की यह फाइंडिंग्स हैं। यही स्टडी ये भी कहती है कि महिलाएं बाल्ड पुरुषों की तरफ ज्यादा आकर्षित होती हैं। इसलिए यहां पर परेशानी आपका गंजापन नहीं है। उसे लेकर आपने अपने मन में जो नरेटिव बुन लिया है, वो समस्या है। उस नरेटिव को आप बदल सकते हैं।

तीसरा हफ्ता- सोशल एंग्जाइटी दूर करना बातचीत को लेकर डर और संकोच को दूर करना उद्देश्यः बालों को लेकर शर्म और हीनता से बाहर निकलना। लोगों से बातचीत को लेकर, डेटिंग को लेकर मन में बैठे डर को धीरे-धीरे दूर करना। क्या करना हैः- 1. धीरे-धीरे अपने डर को दूर करें पहले दिनः किसी दुकान में जाकर बात करें। तीसरे दिनः ऑफिस में किसी सहकर्मी से बात शुरू करें। छठे दिनः सोशल मीटअप क्लब में जाएं। 2. फोकस रखें- याद रखें कि लोग आपके बालों को नहीं, आपकी बॉडी लैंग्वेज और व्यवहार को नोटिस करते हैं। उसे ज्यादा-से-ज्यादा अट्रैक्टिव बनाने के लिए काम करें। 3. सीबीटी सोच सुधार तकनीक जब भी आपका दिमाग आपसे ये कहे- 'लड़कियां गंजे लड़कों को पसंद नहीं करतीं,' तो खुद से पूछेंः क्या मेरे पास इस बात का कोई सबूत है? क्या मैं दूसरों को सिर्फ उनके बालों से जज करता हूं? क्या आत्मविश्वास और सच्चाई ज्यादा आकर्षक नहीं होती? क्या बाल्ड लोगों पर की गई स्टडीज गलत हैं। 4. सीबीटी वर्कशीट बनाएं अपने सोचने के तरीके को बदलने और पॉजिटिव डायरेक्शन में बढ़ने के लिए अपने हर नेगेटिव ख्याल को लेकर एक सीबीटी वर्कशीट बनाएं। जैसे फर्ज करिए कि एक ख्याल है कि डेटिंग एप पर जाना चाहिए या नहीं। नेगेटिव ख्याल ये है कि मैं रिजेक्ट हो जाऊंगा। लेकिन उस नेगेटिव डर को हम पॉजिटिव सोच में कैसे बदलेंगे।चौथा हफ्ता फैमिली की सोच कैसे बदलें सामाजिक नजरिए से कैसे निपटें उद्देश्यः अपने आपको इतना मजबूत और क्लीयर करना कि दूसरों की टिप्पणियां आपको प्रभावित न करें। अपने लिए आगे की बेहतर दिशा चुनना। क्या करना हैः- 1. सम्मानजनक ढंग से अपनी सहमति जाहरि करना जब भी कोई बालों पर टिप्पणी करे या कोई ऐसी बात करे, जो आपको पसंद न आए तो बहुत दृढ़ता के साथ और बिना नाराज हुए जवाब दें। आत्मविश्वास से, लेकिन सम्मानजनक ढंग से अपनी सीमाएं बताना सीखें। जैसेः 'मैं जानता हूं, आप मजाक कर रहे हैं, लेकिन यह बात मुझे चुभती है। मुझे खुशी होगी, अगर हम इस पर बात न करें।' 2. नए लुक को अपनी पहचान बनाना एक अच्छा ट्रिम्ड लुक वाला, क्लीन शेव हेड और बियर्ड वाला कॉन्फिडेंट स्टाइल अपनाएं। स्टाइलिश कपड़ों, फिटनेस और अच्छी बॉडी लैंग्वेज के साथ आप अपनी खुद की परिभाषा गढ़ सकते हैं।

3. लक्ष्य तय करें अगले 3 महीने के लिए खुद को कुछ टारगेट दें। वो टारगेट अपनी डायरी में नोट करें और हरेक लक्ष्य पूरा होने के बाद खुद को शाबाशी भी दें। जैसेकिः एक सार्वजनिक कार्यक्रम में हिस्सा लेना।

एक नया दोस्त बनाना। डेटिंग ऐप पर अपनी प्रोफाइल बनाना। अपनी बॉडी लैंग्वेज सुधारने के लिए क्लासेज अटेंड करना।कोई नई हॉबी डेवलप करना, जिसमें आपकी रुचि हो।अपने लिए नए स्टाइलिश कपड़ों की शॉपिंग करना।

अंत में ध्यान रखने वाली बातें अंत में मैं सिर्फ यही कहना चाहूंगा कि गंजापन आपके पुरुषत्व को तय करने वाला पैमाना नहीं है। वो सिर्फ एक बाहरी शारीरिक बदलाव है। आप कितने 'मर्द' हैं, यह आपकी ईमानदारी, सहानुभूति, जिम्मेदारी और सेल्फ कंट्रोल से तय होता है। हम दूसरों के नजरिए को तो नहीं बदल सकते, लेकिन खुद को देखने के नजरिए को तो बदल सकते हैं। आपको दूसरों की फिक्र छोड़कर सिर्फ खुद को बेहतर बनाने के लिए काम करना है।

अपने मूल्यांकन से आपको वैश्विक पहचान मिल सकती है!

वो स्कूल बंद होने वाला था। सरकारी नियमों के अनुसार भी उसे बंद होना पड़ता, क्योंकि 2006

में शुरू हुए स्कूल में 2023 में महज तीन ही छात्र बचे थे। राज्य सरकार के नियम भी कहते हैं कि 10 से कम विद्यार्थी वाले स्कूल बंद होने चाहिए। वह साल 2023 का समय था, जब स्कूल के नए प्रिंसिपल दत्तात्रेय वारे ने वहां पद संभाला। अब हम सीधे 2025 पर आते हैं। पुणे से 50 किमी दूर जलिंदर नगर के खेड़ तालुका स्थित इस मराठी माध्यम के स्कूल ने ना सिर्फ खुद को जीवंत किया, बल्कि आज इसमें कक्षा एक से सात तक के 120 विद्यार्थी पढ़ रहे हैं। इससे भी ज्यादा विद्यालय को 'स्कूल विकास में सामुदायिक भागीदारी' श्रेणी में अंतरराष्ट्रीय पहचान भी मिली है। स्कूल को यह पहचान यूके के 'द टी4 एजुकेशन कॉम्पिटिशन' के कारण मिली, जो हर साल दुनियाभर में उत्कृष्ट स्कूलों को मान्यता देता है और उन्हें विश्व के सर्वश्रेष्ठ स्कूलों की श्रेणी में लाता है। यह उन स्कूलों को हाईलाइट कर रहा है, जो अपने नवाचारों से छात्रों और समुदाय पर महत्वपूर्ण प्रभाव डाल रहे हैं। आपके दिमाग में कई सवाल आ रहे होंगे जैसे 'उन्होंने यह कैसे किया? वो भी एक जिला परिषद स्कूल ने महज दो सालों में?' 'कैसे उन्होंने ये अन्तरराष्ट्रीय पहचान हासिल की?' मैं आपको इनके जवाब देता हूं। नए प्रिंसिपल वारे ने जॉइन करने के बाद खुद आगे होने के बजाय लोकेलिटी में रहने वाले बच्चों के माता-पिता को आगे किया। प्रिंसिपल ने उन पर भरोसा जताया, क्योंकि कौन से अभिभावक ऐसे होंगे, जो अपने बच्चों को सफल नहीं देखना चाहते। प्रिंसिपल ने उनसे इस बारे में बातचीत की कि निजी स्कूलों में ऐसा क्या है, जो अभिभावकों को आकर्षित करता है और इस जिला परिषद स्कूल में क्या और जोड़ा जा सकता है। दोनों ने मिलकर ना सिर्फ आधुनिक लर्निंग टूल्स, कौशल आधारित प्रशिक्षण और चीजों को प्रयोग कर उनके बारे में सीखने जैसे वृहद क्षेत्रों की, बल्कि कंप्यूटिंग, एआई, कम्युनिकेशन, इलेक्ट्रॉनिक्स, कला-शिल्प जैसे अनिवार्य कौशल भी पहचाने।

फिर हर अभिभावक ने अपनी विशेषज्ञतानुसार अपनी भूमिका तय की। जैसे किसी की इलेक्ट्रॉनिक्स की दुकान है तो उसने इलेक्ट्रॉनिक उपकरण दिए। दूसरा कम्प्यूटर विशेषज्ञ है तो उसने फ्री ट्रेनिंग की पेशकश की। जब ऐसे छोटे-बड़े योगदानों को सम्मान मिला तो ये बात जंगल की आग की तरह फैल गई और छोटे से कस्बे में मदद के लिए और लोग आगे आए। जब माता-पिता ने इस प्रक्रिया में हिस्सा लेना शुरू किया और घरों में रात को डिनर के समय परिवार में अपने योगदान पर बातचीत होने लगी, तो स्वाभाविक तौर पर बच्चे और अधिक रुचि लेने लगे। ऐसी सामूहिक सहभागिता के चलते बच्चों की जिज्ञासा और बढ़ी। चूंकि वे ही ये लाभ पाने वाले थे, इसलिए उन्होंने सोशल मीडिया से सीखी मांगें रखीं। जिस स्कूल ने कभी इतने छात्रों की कल्पना तक नहीं की थी, वह इसरो जैसे संस्थानों के शिविरों में भाग लेने लगा। इससे छात्रों की रुचि और बढ़ी। हर छोटी उपलब्धि से कस्बे का उल्लास बढ़ता जाता। पर वारे खुद को और अपने स्कूल को किसी और चीज में परखना चाहते थे, यहीं उनकी नजर 'टी4 एजुकेशन कॉम्पिटिशन' पर पड़ी। उन्होंने आवेदन किया और अर्जेंटीना की एक टीम के साथ ऑनलाइन साक्षात्कार में अभिभावक शामिल हुए और अभिभावकों ने अंग्रेजी में बात भी की। इस प्रकार ये स्कूल 'सामुदायिक भागीदारी' की श्रेणी में चयनित होने वाला देश का पहला और एक मात्र सरकारी स्कूल बना। जाहिर तौर पर महाराष्ट्र से भी ये दुनिया के शीर्ष 10 में शामिल होने वाला पहला स्कूल था। यह सिर्फ एक अवॉर्ड ही नहीं है, बल्कि इसने दुनिया के नवाचारों वाले श्रेष्ठ स्कूलों के बड़े नेटवर्क का निर्माण भी किया है, जिससे नए विचारों के साथ सर्वश्रेष्ठ करने की उनकी गति भी बढ़ी है। ध्यान रखें कि मूल्यांकन आत्म परीक्षण नहीं हैं, बल्कि यह सफलता के लिए एक नेटवर्क बनाना है।

फंडा यह है कि यदि आप अपनी मानसिक संतुष्टि के लिए हर वैश्विक मानदंड पर खुद का मूल्यांकन करते रहेंगे तो क्या पता कि आपके सामने कोई ऐसी खिड़की खुल जाए जो आपको ग्लोबल ट्रॉफी दिला दे और अपनी श्रेणी में आपको सर्वश्रेष्ठ का ताज पहना दे।

रिसर्च और एआई में निवेश के बिना हम आगे नहीं बढ़ सकते

यूके को पीछे छोड़कर भारत दुनिया की पांचवीं सबसे बड़ी

अर्थव्यवस्था बन चुका है। एक-दो वर्षों में वह जापान से आगे निकलकर चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था भी बन जाएगा। देश में कोविड के बाद हुई आर्थिक वृद्धि को हल्के में नहीं लिया जा सकता। बीते तीन वर्षों में जब विश्व की अर्थव्यवस्था में उथल-पुथल मची थी तो भारत की जीडीपी तकरीबन 8फीसदी की दर से बढ़ी है। यह प्रभावी है। फिर भी भारत की बढ़ती आर्थिक क्षमताओं से अधिक उत्साहित होना क्या तर्कसंगत है? हमें विश्व की शीर्ष अर्थव्यवस्थाओं में से एक होने के सांख्यिकीय मायनों को समझ लेना चाहिए। भारत दुनिया का सबसे अधिक आबादी वाला देश है। प्रति व्यक्ति आय के संदर्भ में हमारी रैंकिंग अब भी निम्न-मध्यम आय वाले देश की है। पर-कैपिटा नॉमिनल जीडीपी में भारत 194 देशों में 143वें स्थान पर है और प्रति व्यक्ति क्रय शक्ति (पीपीपी) में 125वें स्थान पर। इन रैंकिंग्स में हमारी स्थिति में थोड़ा सुधार जरूर हुआ है, लेकिन बहुत अधिक नहीं। शायद ये आंकड़े हमें थोड़ा विनम्र बनाएं। लेकिन हमें समग्र जीडीपी के लिहाज से भी दुनिया के शीर्ष पांच देशों में खड़े होने की अपनी महत्ता को कमतर नहीं आंकना चाहिए। चीन का उदाहरण लें। नॉमिनल पर-कैपिटा जीडीपी के लिहाज से वह दुनिया में 69वें और पीपीपी पर-कैपिटा जीडीपी के मानकों पर 72वें क्रम पर है। इन आंकड़ों के बावजूद दुनिया में उसके दबदबे पर कोई फर्क नहीं पड़ता। उसकी आर्थिक और रणनीतिक ताकत दुनिया में अमेरिका के बाद सबसे अधिक है और कहीं-कहीं तो उससे भी अधिक है। दुनिया पर भारत के प्रभाव को भी उसकी प्रति व्यक्ति रैंकिंग के बजाय उसकी ओवरऑल जीडीपी रैंकिंग के आधार पर ही मापा जाना चाहिए। लेकिन विश्व की शीर्ष अर्थव्यवस्थाओं और भारत के बीच जो अंतर है, हमें उसको भी ध्यान में रखना होगा। अमेरिका की नॉमिनल जीडीपी 30 ट्रिलियन डॉलर की है और चीन की 19 ट्रिलियन डॉलर की। जबकि भारत की अभी महज 3.9 ट्रिलियन डॉलर ही है। 2018 में भारत सरकार ने कहा था कि 2025 तक हम 5 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था होंगे। बहुत-से विशेषज्ञों ने उस समय इस लक्ष्य पर संशय जताया था। कोविड के दो सालों में भी भारत की अर्थव्यवस्था को धक्का पहुंचा। लेकिन भारत के 5 ट्रिलियन इकोनॉमी बनने का सपना देख रहे लोग इस बात पर निराश होंगे कि हम लक्ष्य से पिछड़ गए हैं। 2018-19 में भारत की जीडीपी 2.8 ट्रिलियन डॉलर थी और 2024-25 में 3.9 ट्रिलियन डॉलर है। हम 1.1 ट्रिलियन डॉलर पीछे हैं। अब आशा है कि हम यह लक्ष्य 2029 तक हासिल कर लेंगे। अर्थव्यवस्था के महत्वपूर्ण सेक्टरों में दुनिया भारत के बढ़ते प्रभाव को मानती है, लेकिन इनका भी विश्लेषण करें तो मिली-जुली-सी कहानी ही सामने आती है। भारत विश्व का सबसे बड़ा एआई यूजर है और दुनिया की 16 प्रतिशत एआई प्रतिभा भी हमारे यहां है। भारत चाहता है कि एआई के क्षेत्र में दुनिया का नेतृत्व वह करे। फिर भी इस क्षेत्र में निवेश के मामले में हम दूसरे देशों से बहुत पीछे हैं। स्टैनफर्ड यूनिवर्सिटी के शोधकर्ताओं का अनुमान है कि एआई सेक्टर में भारत में सिर्फ 1.2 अरब डॉलर का ही निजी निवेश हुआ है। अमेरिका में सर्वाधिक 109 अरब डॉलर का निवेश हुआ है, लेकिन चीन में भी भारत से सात गुना अधिक निवेश हुआ है। इकोनॉमिस्ट के एक नए लेख में सवाल उठाया गया है कि क्या भारत एआई के क्षेत्र में विजेता बन पाएगा? लेख का निष्कर्ष यह है कि भारत को अभी बहुत कुछ करना बाकी है। हाल के दिनों में मैन्युफैक्चरिंग क्षेत्र की सबसे चर्चित खबर यह रही है कि एपल अमेरिका में बिकने वाले अपने 20 प्रतिशत स्मार्ट फोन की असेंबलिंग भारत में कर रहा है और 2026 तक यह आंकड़ा 100 प्रतिशत तक पहुंच जाएगा। यह निश्चित ही प्रभावित करता है, लेकिन सच्चाई यह भी है कि भारत में सिर्फ फोन की असेंबलिंग हो रही है, लगभग सभी पुर्जे तो अब भी चीन में बन रहे हैं।भविष्य की आर्थिक वृद्धि का सबसे बड़ा जरिया अनुसंधान एवं विकास (आर-एंड-डी) क्षेत्र में निवेश होता है, लेकिन दुःखद है कि भारत में सार्वजनिक और निजी- दोनों ही क्षेत्र इसमें निवेश को लेकर हाथ रोके बैठे हैं। भारत अपनी जीडीपी के अनुपात में महज 0.64 प्रतिशत ही आर-एंड-डी में खर्च करता है, जबकि चीन 2.4 और अमेरिका अपनी विशाल जीडीपी का 3.5 प्रतिशत हिस्सा इस पर खर्च करता है। भारत अपनी जीडीपी के अनुपात में 0.64फीसदी ही आर-एंड-डी में खर्च करता है, जबकि चीन 2.4 और अमेरिका अपनी विशाल जीडीपी का 3.5इ हिस्सा खर्च करता है। अपनी संभावनाओं का लाभ लेना है तो इसे बदलना होगा। (ये लेखिका के अपने विचार हैं।)नीरज कौशल

पूर्वोत्तर के हमारे देशवासियों के साथ भेदभाव कब तक?

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 27 मई, 2025 को कहा था कि 'आज

गणेश-प्रतिमाएं भी विदेशों से आती हैं। छोटी आंख वाली प्रतिमाएं, जिनकी आंखें ठीक से खुलती भी नहीं।' पूर्वोत्तर के निवासी लंबे समय से नस्ली पूर्वग्रह और हिंसा झेल रहे हैं। 2014 में दिल्ली में अरुणाचल प्रदेश के एक किशोर की हत्या के बाद बेजबरुआ कमिटी बनी थी। कमिटी ने अपनी रिपोर्ट में कहा था कि भारतीय महानगरों में पूर्वोत्तर के 10 में से 9 लोगों को नस्ली भेदभाव का सामना करना पड़ता है। एक अन्य रिपोर्ट में बताया गया कि पूर्वोत्तर की हर तीन में से दो महिलाएं किसी ना किसी प्रकार के भेदभाव की शिकार होती हैं। सबसे ताजा उदाहरण मेघालय हनीमून कांड का है, जो सुर्खियों में छाया रहा है। सोशल मीडिया पर मनगढ़ंत खबरों के जरिए एलीफेंट फॉल्स, डबल-डेकर लिविंग रूट ब्रिज, माव्स्माई गुफा जैसे दर्शनीय स्थलों वाले राज्य की छवि धूमिल की गई। न केवल मेघालय, बल्कि पूरे पूर्वोत्तर को बदनाम करने का अभियान चलाया गया। वहां के निवासियों के खानपान से लेकर उनकी कद-काठी और भाषा को भी नहीं बख्शा गया। सार्वजनिक क्षेत्र में ऐसा बहुत कम आधिकारिक डेटा है, जो पूर्वोत्तर के निवासियों के योगदान को बताता हो, खासतौर पर हॉस्पिटैलिटी, विमानन और स्वास्थ्य क्षेत्र में। नेशनल सैंपल सर्वे ऑफिस (एनएसएसओ) के 2020 के सर्वेक्षण के अनुसार पूर्वोत्तर के राज्यों की प्रत्येक चार में से एक प्रवासी महिला हॉस्पिटैलिटी सेक्टर में कार्यरत है। पांच साल बाद यह आंकड़ा और बढ़ा ही होगा। सर्वे में सामने आया कि इनमें से अधिकतर महिलाएं अनौपचारिक, कम वेतन और बगैर सामाजिक सुरक्षा वाली नौकरियों में हैं। मेरा पूर्वोत्तर से पुराना नाता और विशेष लगाव है। 1991 में मैंने एडवरटाइजिंग की नौकरी छोड़कर क्विज शो करना शुरू किया। शुरुआती सालों में ये क्विज गुवाहाटी, शिलॉन्ग, कोहिमा, इम्फाल, दीमापुर समेत पूर्वोत्तर के कई शहरों में हुए थे। ये शो एक इंस्टेंट नूडल्स ब्रांड के प्रचार के लिए थे, जिसका उन क्षेत्रों में एक बड़ा बाजार था। हर शो के लिए मुझे 2500 रुपए मिलते थे। लेकिन साथ ही वह पूर्वोत्तर की यात्रा करने और उसे अच्छी तरह से समझने का बेहतरीन अवसर भी था। मैंने वहां के लोगों को हमेशा अपने स्वागत के लिए तत्पर पाया। जब भी कोई उनका गलत चित्रण करता है तो मुझे बेहद तकलीफ होती है। इस लेख को लिखते समय मैंने मणिपुर की 30 वर्षीय महिला तोंशिमला लीसन से बात की। वो एक प्रतिष्ठित एयरलाइन के केबिन क्रू में कार्यरत हैं। उन्होंने मुझे बताया कि एक वर्ष पहले दिल्ली मेट्रो में कुछ युवा उन्हें और मेरी मां को घूरे जा रहे थे। उन्होंने उन्हें देखकर 'चाइनीज', 'चिंकी' जैसी फब्तियां भी कसीं। उनके सहकर्मी भी उनके नामों को लेकर मजाक बनाते हैं। जहां कई या?त्री उनकी कड़ी मेहनत की तारीफ करते हैं, वहीं कई अन्य उन्हें अकसर नीचा दिखाने की कोशिश करते हैं। हाल ही में हादसे के शिकार हुए एअर इंडिया विमान के केबिन क्रू की दो सदस्य भी मणिपुर से थीं। एक कुकी और दूसरी मैतेई समुदाय से थी। लेकिन इससे कोई फर्क नहीं पड़ता। दुःख की घड़ी में पूरा मणिपुर एकजुट था। कोरोना के दौरान तो पूर्वोत्तर के लोगों के खिलाफ भेदभाव के मामले कई गुना बढ़ गए थे। दिल्ली की नेशनल लॉ यूनिवर्सिटी के सेंटर फॉर क्रिमिनोलॉजी एंड विक्टिमोलॉजी की ओर से हुए एक अध्ययन में सामने आया कि भारत के लोग जब चीन के लोगों की कल्पना करते हैं तो उसमें पूर्वोत्तर के लोग बिल्कुल फिट बैठते हैं। इससे उनके खिलाफ घृणा के मामले बढ़ रहे हैं। पिछले दिनों संसद में मणिपुर पर दो बार चर्चा हुई। पहली बार 2023 में, जब विपक्ष सरकार के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव लेकर आया और दूसरी बार इस साल अप्रैल में। गृह मंत्री अमित शाह ने सदन में कहा कि '13 फरवरी को मणिपुर में राष्ट्रपति शासन लागू किया गया था। बीते नवंबर से लेकर अब तक वहां कोई हिंसा नहीं हुई। इसलिए हमें गलत धारणा बनाने की कोशिश नहीं करनी चाहिए।' गृह मंत्री के भाषण से कुछ देर पहले ही आपके इस स्तम्भकार ने राज्यसभा में कहा था कि 'बीते 22 महीनों में प्रधानमंत्री ने देश-विदेश में 3.80 लाख किलोमीटर की यात्रा की है। यह दूरी पृथ्वी से चंद्रमा के बराबर है। लेकिन प्रधानमंत्री दिल्ली से 2400 किलोमीटर दूर मणिपुर नहीं जा पाए। आज हम रात के तीन बजे संसद में मणिपुर पर चर्चा कर रहे हैं। कोई टीवी चैनल नहीं है, कोई प्राइम टाइम नहीं है। मणिपुर को दिन के उजाले में सीधे उसकी आंखों में झांककर देखा जाए!' आंकड़ों के अनुसार पूर्वोत्तर के राज्यों की प्रत्येक चार में से एक प्रवासी महिला हॉस्पिटैलिटी सेक्टर में कार्यरत है। इनमें से भी अधिकतर महिलाएं अनौपचारिक, कम वेतन और बगैर सामाजिक सुरक्षा वाली नौकरियों में काम कर रही हैं। (ये लेखक के अपने विचार हैं। इस लेख के सहायक-शोधकर्ता आयुष्मान डे हैं।) डेरेक ओ ब्रायन

भक्त दुर्लभ होता है क्योंकि वह तनाव से मुक्त होता है

आप भक्त जैसे दिख सकते

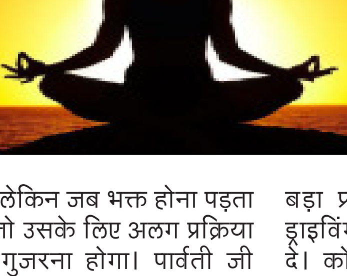

हैं, लेकिन जब भक्त होना पड़ता है तो उसके लिए अलग प्रक्रिया से गुजरना होगा। पार्वती जी शिव जी से कहती हैं- सब ते सो दुर्लभ सुरराया, राम भगति रत गत मद माया। हे महादेव जी, वह प्राणी दुर्लभ है, जो मद और माया से रहित होकर श्रीराम की भक्ति के परायण हो। तो यहां पार्वती जी ने संकेत दिया है कि जो मद और माया- इगो और इल्यूजन- इन दो बातों से परे होगा, उसके जीवन में भक्ति आसानी से उतर आएगी। भक्त सदैव तनाव-रहित होता है। इसलिए अपने आप को भक्त बना ?लीजिए, क्योंकि आजकल हमारे जीवन में सेकंड हैंड तनाव का बड़ा प्रचलन है। कोई गलत ड्राइविंग करे, हमें टक्कर मार दे। कोई सिगरेट पी रहा हो, वो धुआं हमें पीना पड़ रहा है। तो तीन काम करिए- संगति सकारात्मक रखिए, थोड़ा वॉक करिए और मेडिटेशन से गुजरिए। भक्ति आसानी से भीतर उतरेगी। आप दुर्लभ प्राणी होंगे और दुर्लभ व्यक्ति को तनाव मुक्त होना ही चाहिए।

इस युद्ध के बाद मध्य-पूर्व का इतिहास बदल सकता है

ईरान के परमाणु बुनियादी ढांचों पर हमलों को मध्य-पूर्व के इतिहास की एक गेमचेंजर घटना कहना

चाहिए। ये जिन घटनाक्रमों को गतिशील करेंगे, उनके दो नतीजे निकल सकते हैं। एक तो यह कि ईरान की हुकूमत गिर जाएगी और उसके स्थान पर एक अधिक धर्मनिरपेक्ष और सर्वसम्मत शासन की स्थापना की जा सकती है। दूसरा यह कि यह संघर्ष पूरे क्षेत्र को आग में झोंक सकता है और अमेरिका को भी इसमें उलझा सकता है। एक मध्य-मार्ग और है : आपसी बातचीत से समाधान, अलबत्ता वह टिकाऊ नहीं होने वाला।इस युद्ध की सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि इस बार इजराइल ने ईरान की परमाणु हथियार बनाने की क्षमता को खत्म करने तक लड़ाई जारी रखने की कसम खाई है। और इसके लिए ईरान ही दोषी है। उसने अपने यूरेनियम संवर्धन को बहुत तेजी से बढ़ाया है।उसने अपने इन प्रयासों को इस हद तक आक्रामक रूप से छिपाया कि अंतरराष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी को भी कहना पड़ा ईरान अपने परमाणु अप्रसार दायित्वों का पालन नहीं कर रहा है। वैसे, इजराइल ने पिछले 15 वर्षों में कई बार ईरानी परमाणु कार्यक्रम पर निशाना साधा है, लेकिन हर बार वह या तो अमेरिकी दबाव में या अपनी सैन्य क्षमताओं पर संदेह के कारण अंतिम समय पर पीछे हट गया था।लेकिन बड़ा सवाल यह है कि क्या इजराइल द्वारा नतांज जैसी परमाणु संवर्धन फेसिलिटीज़ पर बमबारी ने यूरेनियम संवर्धन के लिए इस्तेमाल किए जाने वाले सेंट्रीफ्यूज को पर्याप्त नुकसान पहुंचा दिया है, जिससे वे कुछ समय के लिए निष्क्रिय हो गए हैं?इससे और कुछ नहीं तो ईरान का काम जरूर धीमा हो जाएगा और यह इजराइल की कोई मामूली उपलिब्ध नहीं होगी। हालांकि अभी यह स्पष्ट नहीं है कि फोर्दो स्थित न्यूक्लियर फेसिलिटी को नुकसान पहुंचाया गया है या नहीं।सवाल यह भी है कि इस संघर्ष का इराक, लेबनान, सीरिया और यमन पर क्या असर होगा, क्योंकि वहां पर ईरान एक लंबे समय से अपना प्रभाव जमाए हुए है और सशस्त्र उग्रवादियों को पोषित करता आया है। हिजबुल्ला की रीढ़ तोड़ने से इस परिदृश्य में बदलाव की शुरुआत पहले ही हो चुकी है और लेबनान-सीरिया में पहले ही इसका लाभ मिल चुका है, जहां नए, बहुलतावादी नेताओं ने सत्ता संभाली है। ईरान के प्रभाव-क्षेत्र से इराक का पलायन भी वहां के लोगों के बीच व्यापक रूप से लोकप्रिय रहा है।एक दृष्टिकोण यह भी है कि ईरान भी जानबूझकर तेल की कीमतों को आसमान छूने के लिए मजबूर करके ट्रम्प प्रशासन को अस्थिर करने की कोशिश कर सकता है और पश्चिमी देशों में मुद्रास्फीति बढ़ा सकता है। इसके लिए उसे होर्मुज स्ट्रैट में कुछ तेल या गैस टैंकरों को डुबोना भर होगा और निर्यात प्रभावी रूप से अवरुद्ध हो जाएगा। वास्तव में इसकी संभावना ही तेल की कीमतों को बढ़ाने के लिए काफी है।आप इजराइल की खुफिया क्षमताओं पर भी ताज्जुब कर सकते हैं, क्योंकि उसने ईरान के शीर्ष मिलिट्री अधिकरियों की सटीक लोकेशन खोजकर उन्हें मार गिराया है। इससे मालूम होता है कि कितने ईरानी अधिकारी इजराइल के लिए काम करने के लिए तैयार हैं, क्योंकि वे अपनी सरकार को नापसंद करते हैं।हालत यह है कि हर बार जब ईरान के सैन्य और राजनीतिक नेता इजराइल के खिलाफ ऑपरेशन की योजना बनाने के लिए इकट्ठा होते हैं, तो उनमें से प्रत्येक को खुद से पूछना पड़ता है कि कहीं उनके बगल में बैठा व्यक्ति इजराइल का एजेंट तो नहीं? ईरान के सर्वोच्च नेता ने अपने प्रमुख जनरलों को अपनी आंखों के सामने मरते देखा है और उन्हें निश्चित रूप से पता है कि इजराइल उन्हें भी कभी भी खत्म कर सकता है।गाजा के विपरीत इजराइल ने ईरानी नागरिकों पर हमला करने से बचने के लिए हरसंभव प्रयास किया है, क्योंकि अंततः इजराइल चाहता है कि वे खुद अपनी हुकूमत के खिलाफ आंदोलन करें। क्योंकि उसने उनकी बेहतरी के बजाय परमाणु हथियार बनाने में बहुत सारे संसाधनों को बर्बाद कर दिया है। ईरान के लोग भले ही नेतन्याहू की अपील से प्रेरित न हों, लेकिन यह तय है कि ईरान की हुकूमत अवाम में लोकप्रिय नहीं है।

लेकिन अगर इजराइल अपने प्रयास में विफल हो जाता है और तमाम चोटें खाने के बावजूद ईरान परमाणु हथियार बनाने में सक्षम हो जाता है तो इससे क्षेत्र पहले से कहीं अधिक अस्थिर हो जाएगा। तेल संकट भी बढ़ेगा। और संभवतः ईरान अमेरिका-समर्थक अरब शासनों पर हमला करने के लिए प्रेरित हो सकता है। तब अमेरिका के पास इस लड़ाई में कूदने के अलावा कोई विकल्प नहीं बचेगा।इजराइल चाहता है कि ईरान के लोग भी अपनी हुकूमत के खिलाफ आंदोलन करें। उसने उनकी बेहतरी के बजाय परमाणु हथियार बनाने में बहुत सारे संसाधनों को बर्बाद कर दिया है। ईरान की हुकूमत अवाम में लोकप्रिय नहीं है। (द न्यूयॉर्क टाइम्स से)थॉमस एल. फ्रीडमैन

दुनिया की सबसे भयानक बीमारी का बेस्ट इलाज भारतीयों के पास है!

83 वर्ष के रिटायर बैंकर मर्विन मार्कस के पास इन दिनों एक नया मित्र है। और वर्तमान में इस नए

मित्र की मित्रता महज 23 लोगों के साथ ही है। इसका नाम है 'मीला', यह ऐसा ही है जैसा आपने पहले 'एलेक्सा' सुना था। यह नया दोस्त फिलहाल पायलट तौर पर अध्ययन के लिए अमेरिका में वरिष्ठजनों के सामुदायिक आवास के निवासियों के साथ है। मीला अकेले रहने वाले लोगों के साथ चैट करने के लिए आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस से संचालित एक साथी है, जिसका प्राथमिक उद्देश्य यूजर्स के मानसिक स्वास्थ्य को बेहतर बनाना है। अतः यह ना सिर्फ एक ऐसी साथी है, जिससे आप जब चाहो, जिस विषय पर चाहो बात कर सकते हो, बल्कि बेहद सहानुभूतिपूर्ण भी है। यदि आप किसी बात पर हताश हो तो मीला पीछे से कहेगी कि 'यह समझ आता है'। वहां से कुछ सौ किलोमीटर दूर कनाडा में 57 वर्षीय ब्रेन फर्नांडीज 'को-हाउसिंग सिस्टम' बनाकर संयुक्त परिवार प्रणाली को दोहराने की योजना बना रहे हैं, जहां भिन्न पृष्ठभूमि के लोग साथ रहें व देखें कि मिलकर कितने बेहतर तरीके से उम्रदराज हो सकते हैं। उन्होंने बचपन भारत में, खासकर संयुक्त परिवार में बिताया। वो सिंगल हैं, संतान नहीं है, इसलिए चाहते हैं कि उनके जैसे लोग ओंटेरियो में उनकी 17 एकड़ की संपत्ति में रहें, जो उन्होंने खासकर एलजीबीटीक्यू वर्ग के 40 वरिष्ठजनों के लिए तय की है। वरिष्ठजनों के लिए दीर्घकालिक देखभाल सुविधा में लंबे समय काम के दौरान फर्नांडीज ने देखा कि उनसे मिलने कभी कोई नहीं आता, इसलिए उन्हें इस समुदाय के बुजुर्गों की चिंता थी। सोशल एपिडेमियोलॉजिस्ट, जो ये स्टडी करते हैं कि सामाजिक कारक कैसे लोगों की हेल्थ पर असर डालते हैं और सामाजिक-आर्थिक स्तर, नस्ल, लिंग, पड़ोस का वातावरण, सोशल नेटवर्क, सामाजिक नीतियों का कैसा असर पड़ा है। उनका कहना है कि लोग तब सबसे अच्छा महसूस करते हैं, जब वो ऐसे सामाजिक मेलमिलाप में रहें, जहां उन्हें स्वच्छंदता भी मिले। मुझे नहीं लगता, इसे समझने के लिए 'सोशल एपिडेमियोलॉजिस्ट' जैसे आकर्षक नाम की जरूरत है। हमारे पूर्वजों ने पहले ही ऐसा कुछ बनाया, जिसे हम संयुक्त परिवार कहते हैं। जब परिवार में ज्यादा बच्चे होते थे तो एक परिजन सभी के टूथब्रश पर मटर के दाने बराबर टूथपेस्ट रखता और निगरानी भी करता कि सभी प्रतिदिन नहाकर, साफ कपड़े पहनें। जब परिवार में बहुत से बुजुर्ग होते तो बीच की उम्र का एक सदस्य (पुरुष या महिला) वो सारे काम सुनिश्चित करता जो बच्चों के लिए थे। संयुक्त परिवारों में बुजुर्ग सामाजिक मेलजोल में रहते हैं, उन्हें ये भरोसा दिलाया जाता है कि उनकी मर्जी व जरूरतों का ख्याल रखा जाएगा। जब मैंने कमाना शुरू किया तो परिवार में बच्चों को मेरी गिफ्ट बॉम्बे (अब मुम्बई) के विले पार्ले से लाए पार्ले के ब्रोकन ग्लूकोज बिस्किट होते थे और नानाजी के लिए कुछ किलो किस्मी टॉफी होती थीं, जिसे वो गाल में दबाकर मिनटों चूसा करते थे। आज कुछ लोग कह सकते हैं, 'देखो, कैसे बच्चे जैसे कैंडी चूस रहे हैं', पर तब हमें उनका बच्चों जैसा व्यवहार और बिना दांतों की मुस्कान बहुत पसंद थी। उन्हें कभी भी डायबिटीज नहीं हुई, क्योंकि वो मंदिर में परिक्रमा करते रहते थे, चलते रहते थे, ताकि अगले जन्म के लिए पुण्य कमा सकें, यदि ऐसा कुछ होता है तो। घर में कुछ बच्चे उन्हें मंदिर ले जाते और जब नानी कहतीं कि 'नाना को ले आओ, खाना तैयार है, वो वहां मंदिर में ऐसे बैठे हैं, मानो भगवान ही उनके लिए खाना बनाने जा रहा है।' तो बच्चे उन्हें लेने जाते थे। इस बात में हताशा नहीं थी। क्योंकि दोनों ने वही चुना जो उन्हें अच्छा लगता था, नाना ने मंदिर चुना और नानी ने रसोई। मंदिर से लौटते हुए वो कहानियां, ऑफिस के पुराने किस्से सुनाते, फिर भले ही उस उम्र में वह हमारे समझ नहीं आते हों। लेकिन नानाजी जानते थे कि उनका अनुभव तीसरी पीढ़ी को दिया जा रहा था। फंडा यह है कि अकेलापन निःसंदेह दुनिया की सबसे बड़ी बीमारी है। एआई और 'को-हाउसिंग सिस्टम' हमारी उस संयुक्त परिवार संस्कृति के आसपास भी नहीं आ सकता, जैसी बुजुर्गों ने अपनाई थी। आपको नहीं लगता कि हमें हमारी जड़ों की ओर लौटना चाहिए और इसे अपनाना चाहिए?

लखनऊ एयरपोर्ट की बाउंड्री में उतरा करंट, मौत:45 साल की महिला चपेट में आई, भीड़ का प्रशासन के खिलाफ हंगामा

लखनऊ। लखनऊ एयरपोर्ट

वीआईपी रोड के किनारे लगे टीनशेड में करंट उतर आया। यहां जामुन बीनने आई महिला की करंट लगने से मौत हो गई। घटना की सूचना मिलते ही मौके पर भारी भीड़ जमा हो गई। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया है। मृतका की पहचान रायबरेली की रहने वाली 42 वर्षीय नसीरा के रूप में हुई। नसीरा पिछले 15 वर्षों से सरोजनी नगर के चिल्लावां में अपनी बुआ मुन्नी और उनके परिवार के साथ किराए के मकान में रह रही थी।नसीरा शुक्रवार दोपहर करीब 12 बजे जामुन बीनने के लिए घर से निकली थी। एयरपोर्ट वीआईपी रोड से चिल्लावां गांव जाने वाले रास्ते पर लगे लोहे की टीन शेड वाली बाउंड्री वॉल में उतरे करंट की चपेट में आ गई।राहगीरों ने महिला को जमीन पर पड़ा देखा और परिजनों को सूचना दी। घटना की जानकारी मिलते ही सरोजनी नगर पुलिस और एसीपी कृष्णा नगर विकास पांडेय मौके पर पहुंचे। पुलिस ने घटनास्थल का निरीक्षण किया और शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया।परिजनों ने बताया कि नसीरा जन्म से मानसिक रूप से दिव्यांग थी और अविवाहित थी। उसकी मां मेहरुन का देहांत करीब 25 वर्ष पहले हो चुका है। उसके पिता मुन्ना नगराम में अकेले रहते हैं। मृतका के बाएं हाथ की हथेली में करंट लगने के निशान मिले हैं।घटनास्थल पर जमा लोग एयरपोर्ट प्रशासन से काफी नाराज दिखे। उनका कहना था कि रास्ते के पास लोहे की टीन शेड युक्त बाउंड्री स्थानीय लोगों के लिए खतरनाक साबित हो रही है। बाउंड्री वाल में अक्सर करंट उतर आता है। जिसकी चपेट में आकर अब तक कई लोगों के करंट लग चुका है।इसको लेकर कई बार एयरपोर्ट प्रशासन से शिकायत की गई, लेकिन किसी ने नहीं ध्यान दिया। उधर, घटना के बाद पुलिस ने उक्त लोहे की बाउंड्री वॉल के पास रस्सी बांधकर बैरिकेडिंग कर दी है। जिससे कि अब बाउंड्री वाल के पास कोई जा न सके। बिजली सप्लाई रोक कर बाउंड्री वाल में करंट वाले जगह का पता लगाया जा रहा है।

टिकटॉक पर क्यों बैन नहीं लगा पा रहा अमेरिका, चीनी ऐप को तीसरी बार मौका देने की वजह क्या?

नयी दिल्ली। अमेरिका में टिकटॉक चलाने वाली बाइटडांस को तीसरी बार मोहलत दी गई है। टिकटॉक, यूएस में काफी पॉपुलर हैं। रिपोर्ट्स के अनुसार, अमेरिका में लगभग 17 करोड़ लोग टिकटॉक है।बाइटडांस ने ट्रंप प्रशासन के फैसले का स्वागत किया है और सपोर्ट करने के लिए आभार जताया

शॉर्ट वीडियो प्लेटफॉर्म को वहां 90 दिनों का एक्सटेंशन मिला है। जनवरी में अमेरिका का राष्ट्रपति बनने के बाद से ट्रंप और अमेरिका की सरकार चाहती है कि टिकटॉक अपने यूएस बिजनेस को किसी अमेरिकी कंपनी को बेच दे। लेकिन अबतक ऐसा नहीं हो पाया है। अमेरिकी की पिछली बाइडन सरकार राष्ट्रीय सुरक्षा के मद्देनजर टिकटॉक को बैन कर देने के फैसले पर थी। तभी ट्रंप राष्ट्रपति बन गए और टिकटॉक का काम चालू रखने के लिए समयसीमा को बढ़ाते जा रहे हैं। आखिर ट्रंप के काबू क?यों नहीं आ पा रहा टिकटॉक, चीनी ऐप पर क्यों बैन नहीं लगा पा रहा अमेरिका, इसकी वजहों को समझते हैं।किसी भी अमेरिकी शॉर्ट वीडियो प्लेटफॉर्म के मुकाबले चला रहे हैं। टिकटॉक को लेकर अनश्चितता का फायदा मेटा के इंस्टाग्राम को हुआ है। इंस्टा पर अमेरिकी यूजर्स की संख्या भी लगभग 17 करोड़ के आसपास है। अगर टिकटॉक को अमेरिका में बैन किया गया तो लोग ऐपल ऐप स्टोर या गूगल प्ले स्टोर से उसे डाउनलोड नहीं कर पाएंगे।टिकटॉक जैसे शॉर्ट वीडियो प्लेटफॉर्म्स सिर्फ मनोरंजन का जरिया नहीं। ये क्रिएटर्स को आर्थिक रूप से भी सपोर्ट करते हैं। रिपोर्ट्स के अनुसार, हजारों अमेरिकी क्रिएटर्स जिनके अच्छे-खासे फॉलोअर्स हैं, वो टिकटॉक पर ब्रैंड प्रमोशन के जरिए पैसे बनाते हैं। इस तरह से टिकटॉक अमेरिकी नागरिकों की कमाई का जरिया भी बना है और ट्रंप सरकार इसे यूएस में काम करते देखना चाहती है। हालांकि सच्चाई यह है कि बाइटडांस को अपना यूएस बिजनेस बेचना होगा तभी वह अमेरिका में ऑपरेट कर पाएगा। अमेरिकी की कई कंपनियां- जिनमें एमेजॉन, परप्लेक्सिटी आदि शामिल हैं टिकटॉक के यूएस बिजनेस को खरीदने में उनकी दिलचस्पी है। बाइटडांस को किसी भी फैसले तक पहुंचने के लिए चीनी सरकार की मंजूरी चाहिए होगी। कहा जाता है कि दोनों देशों नतीजे तक पहुंचने वाले थे लेकिन अमेरिका के लगाए टैरिफ ने चीन को नाराज कर दिया। टिकटॉक पर आरोप लगते रहे हैं कि वह यूजर्स के डेटा को चीन में मौजूद डेटा सेंटर्स में भेजता है। हालांकि बाइडडांस का कहना है कि उसके किसी भी काम से अमेरिकी यूजर्स की सिक्योरिटी को खतरा नहीं है।

पाकिस्तान से उम्मीद तो है... ट्रंप और जनरल मुनीर के लंच पर आई ईरान की प्रतिक्रिया, जानें क्या बोले भारत में ईरानी राजनयिक

तेहरान। तेहरान के वरिष्ठ राजनयिक और भारत में ईरान रहा है कि पाकिस्तान से अमेरिका को समर्थन मिल सकता है। ईरान ने आत्मरक्षा के लिए संयुक्त राष्ट्र चार्टर का सहारा लेने के

मिशन के उप प्रमुख मोहम्मद जावेद हुसैनी ने अपने देश पर हमले के लिए एक बार फिर इजरायल को घेरा है। उन्होंने कहा कि इजरायल ने जिस तरह का आक्रामक रवैया अपनाया है, वो अब पूरी तरह दुनिया के सामने है। जावेद ने अमेरिकी प्रेसीडेंट डोनाल्ड ट्रंप और पाक आर्मी चीफ असीम मुनीर की मुलाकात पर भी बात की है। उन्होंने कहा कि ईरान को उम्मीद है कि पड़ोसी देश होने के नाते पाकिस्तान उनके साथ खड़ा होगा। ईरान की ओर से ट्रंप-मुनीर मुलाकात पर यह पहली प्रतिक्रिया है। मोहम्मद जावेद हुसैनी ने शुक्रवार को मुनीर-ट्रंप के लंच पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि उम्मीद है पाकिस्तान हमारे साथ खड़ा रहेगा। हुसैनी का बयान इसलिए अहम है क्योंकि ट्रंप और मुनीर की मुलाकात के बाद माना जा हालांकि इजरायल के हमले का पाकिस्तान सरकार ने कड़ा विरोध किया है और ईरान के साथ एकजुटता जताई है लेकिन मुनीर के अमेरिकी दौरे से इस्लामाबाद की नीयत पर सवाल उठ रहे हैं।इजरायल-ईरान युद्ध की वजह से पश्चिम एशिया में गहराते संकट पर कहा कि लोगों को सच्चाई जानने की जरूरत है। लोगों को पश्चिम की मीडिया से जानकारी मिल रही है, जो सच्चाई से परे है। दुनिया को पश्चिम के प्रोपेगैंडा से बचने और ईरान की सच्चाई जानने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि ईरान हमेशा शांति का पक्षधर रहा है लेकिन इजरायल के रवैये ने पूरे क्षेत्र की शांति को खतरे में डाला है।जावेद हुसैनी ने कहा है कि इजरायल ने कुछ निराधार आरोपों को आधार बनाकर ईरान पर हमला किया है। इसके बाद कोशिश करते हुए जवाबी कार्रवाई की। हमने दिखाया कि ईरान अपनी जमीन और नागरिकों की रक्षा करने में सक्षम हैं। उन्होंने कहा कि दुनिया को इजरायल पर दबाव बनाना चाहिए और उसकी जवाबदेही तय की जानी चाहिए।इजरायल के 13 जून के तेहरान पर हमले के बाद दोनों ओर से संघर्ष जारी है। ईरान पर लगातार इजरायली आर्मी बमबारी कर रही है। उसने ईरान के परमाणु कार्यक्रम और बैलिस्टिक मिसाइल क्षमताओं को नष्ट करने की बात कही है। दूसरी ओर ईरान ने भी इजरायल में जवाबी कार्रवाई की है। ईरान ने इजरायल के प्रमुख शहरों पर मिसाइलें दागी हैं। इससे पश्चिम एशिया में स्थिति बिगड़ी है और स्थिरता खतरे में पड़ी है।

पीएम मोदी ने ट्रंप का न्योता क्यों ठुकराया? ओडिशा के जनता मैदान में सब कुछ बताया

नयी दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी शुक्रवार को ओडिशा

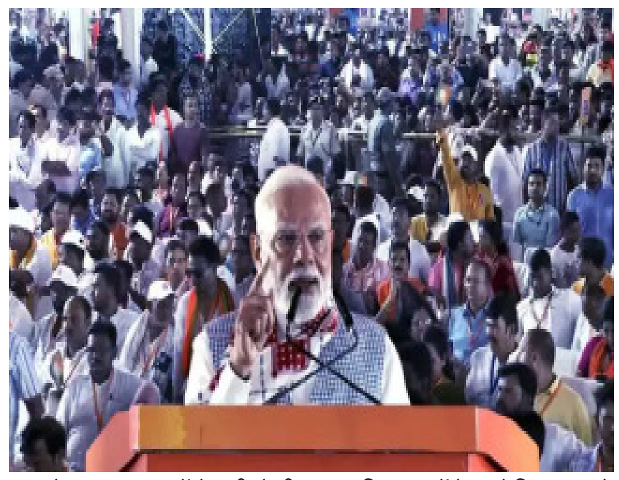

पहुंचे। वहां उन्होंने बीजेपी सरकार के पहला साल पूरा होने पर एक बड़े कार्यक्रम में भाग लिया। भुवनेश्वर में उनका जोरदार स्वागत हुआ। उन्होंने लगभग 19,000 करोड़ रुपये की विकास परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास किया। इस दौरान पीएम मोदी ने अमेरिका न जाने का कारण भी बताया।पिछले हफ्ते कनाडा में जी 7 शिखर सम्मेलन के दौरान अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को वाशिंगटन आने का न्योता दिया था। पीएम मोदी ने यह न्योता इसलिए ठुकरा दिया क्योंकि उन्हें ओडिशा जाना था। यह बात पीएम नरेंद्र मोदी ने ओडिशा में कई विकास परियोजनाओं का उद्घाटन करने के दौरान कही। पीएम मोदी ने जनता मैदान में लोगों को संबोधित करते हुए कहा कि उनके लिए 'महा प्रभु की धरती' पर होना जरूरी था। इसलिए उन्होंने अमेरिका जाने के बजाय ओडिशा आना पसंद किया। दरअसल पीएम मोदी इस सप्ताह अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रम्प से मिलने वाले थे। लेकिन पश्चिम एशिया में इजरायल-ईरान संघर्ष के कारण ट्रम्प को वाशिंगटन वापस जाना पड़ा। इसलिए यह मुलाकात नहीं हो सकी।पीएम मोदी ने ओडिशा में 18,600 करोड़ रुपये की 105 परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास किया। इस दौरान बीजेपी सरकार के एक साल पूरे होने का जश्न भी मनाया गया। पीएम मोदी ने कहा कि ओडिशा सिर्फ एक राज्य नहीं है। बल्कि भारत की विरासत का चमकता सितारा है। सालों से ओडिशा ने भारत की संस्कृति और विरासत को समृद्ध किया है। उन्होंने कहा कि विकास और विरासत के मंत्र के साथ ओडिशा की भूमिका और भी बढ़ गई है।इससे पहले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ओडिशा पहुंचे। वहां उन्होंने बीजेपी सरकार के पहला साल पूरा होने पर एक बड़े कार्यक्रम में भाग लिया। भुवनेश्वर में उनका जोरदार स्वागत हुआ। उन्होंने 'लखपति दीदी' योजना के लाभार्थियों से बातचीत की और लगभग 25 स्वतंत्रता सेनानियों को सम्मानित किया। पीएम मोदी ने 'ओडिशा विजन डॉक्यूमेंट' भी जारी किया। इसका लक्ष्य 2036 तक 'समृद्ध ओडिशा' बनाना है। पिछले 12 महीनों में पीएम मोदी का ओडिशा का यह छठा दौरा था।प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि आज 20 जून का दिन बहुत विशेष है। आज ओडिशा में पहली भाजपा सरकार ने सफलतापूर्वक एक वर्ष पूरा किया है। यह वर्षगांठ सिर्फ सरकार की नहीं है। यह सुशासन की स्थापना की वर्षगांठ है। यह एक वर्ष जनसेवा और जनविश्वास को समर्पित है। मैं ओडिशा के लोगों को हृदय से बहुत-बहुत बधाई देता हूं। मैं मुख्यमंत्री मोहन माझी और उनकी पूरी टीम को भी बधाई देता हूं।पीएम मोदी ने बताया कि अभी दो दिन पहले मैं 37 समिट के लिए कनाडा में था। उस दौरान अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने मुझे फोन किया और बड़े आग्रह के साथ निमंत्रण दिया। मैंने, अमेरिका के राष्ट्रपति से कहा, निमंत्रण के लिए आपका धन्यवाद, लेकिन मुझे तो महाप्रभु की धरती पर जाना जरूरी है। इसलिए मैंने उनका निमंत्रण विनम्रता से मना किया। आपका प्रेम मुझे महाप्रभु की धरती तक खींच लाया है।पीएम मोदी ने आगे कहा कि महाप्रभु के आशीर्वाद से श्रीमंदिर से जुड़े विषयों का समाधान भी हो गया है। मैं

मोहन जी और उनकी सरकार का अभिनंदन करता हूं कि उन्होंने करोड़ों भक्तों के निवेदन का मान रखा। यहां सरकार बनते ही श्रीमंदिर के चारों द्वार खोल दिए थे। श्रीमंदिर का रत्न भंडार भी खुल गया है। ये कोई राजनीतिक जय-विजय का विषय नहीं है, ये करोड़ों भक्तों की आस्था का सम्मान करने का कार्य हुआ है।जनसभा से पहले पीएम मोदी एक विशेष कार में जनता मैदान पहुंचे। जनता मैदान के रास्ते में सड़क के दोनों किनारों पर खड़े बीजेपी कार्यकर्ताओं और आम लोगों ने तिरंगा और पीएम मोदी के पोस्टर लहराकर उनका अभिवादन किया। राज्य के विभिन्न हिस्सों से आए सांस्कृतिक दलों ने भुवनेश्वर हवाई अड्डे से जनता मैदान तक सड़क पर पारंपरिक सांस्कृतिक कार्यक्रम और संगीत वाद्ययंत्र बजाकर पीएम मोदी का स्वागत किया। समर्थकों ने पीएम मोदी के काफिले पर फूलों की बारिश भी की। पीएम मोदी ने भी हाथ हिलाकर समर्थकों का अभिवादन किया।जनता मैदान में एक बड़ी सभा में पीएम मोदी ने भाषण दिया। उन्होंने पिछले एक साल में बीजेपी सरकार की उपलब्धियों पर प्रकाश डाला। ओडिशा पुलिस ने राज्य पुलिस और केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बलों सहित विभिन्न एजेंसियों के साथ मिलकर भुवनेश्वर में सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए थे। यह इंतजाम पीएम मोदी के दौरे को देखते हुए किए गए थे, जो 20 जून को हुआ था। भुवनेश्वर में सुरक्षा व्यवस्था के लिए पुलिस बल की 133 प्लाटून और कई वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों को तैनात किया गया था।गौरतलब है कि ओडिशा में पहली बार बीजेपी की सरकार बनने के बाद पिछले 12 महीनों में पीएम मोदी का यह छठा दौरा था।

लोग कहते हैं, मैंने परिवार की इज्जत खराब कर दी... गाजियाबाद में अकबर से शादी करने वाली सोनिका का छलका दर्द

गाजियाबाद। 'हर दिन कोई ना कोई आता है और बस एक ही बात कहता है कि मैंने अपने परिवार की इज्जत मिट्टी में मिला दी। मुझे समझाने की कोशिश करते हैं कि मैं एक हिंदू हूं और जिसके साथ मैंने शादी की है, वो एक मुस्लिम। मेरी इस शादी से पूरे परिवार की बेइज्जती हो रही है। लेकिन, मैं बस उसी के साथ रहना चाहती हूं। पता नहीं ये सब कब खत्म होगा...।' मायूसी भरे ये शब्द हैं 25 वर्षीय उस सोनिका चौहान के, जिनकी गैर धर्म में हुई शादी को लेकर दिल्ली से सटे यूपी के गाजियाबाद में हंगामा मचा हुआ है। दरअसल, सोनिका ने मुस्लिम युवक अकबर से शादी की है।गाजियाबाद के इंदिरापुरम इलाके में रहने वाली सोनिका और अकबर ने करीब तीन साल पहले अपनी मर्जी से शादी की थी। अकबर इंदिरापुरम के न्यायखंड इलाके में एक जनसुविधा केंद्र चलाते हैं। पास में ही सोनिका का अपना सैलून है। हालांकि, सोनिका और अकबर अब एक दूसरे के साथ नहीं हैं। अकबर के ऊपर सोनिका के अपहरण और लव जिहाद का आरोप लगा है। इसी आरोप में अकबर 14 दिन की जेल भी काटकर आए हैं।सबसे पहले आपको बताते हैं कि इन दोनों की कहानी कैसे शुरू हुई। इंडियन एक्सप्रेस की रिपोर्ट के मुताबिक, अकबर और सोनिका पड़ोस में ही रहते हैं। पड़ोसियों ने बताया कि दोनों बचपन से एक-दूसरे को जानते थे, लेकिन करीब 9 साल पहले अकबर और सोनिका करीब आए और आपस में प्यार करने लगे। उस वक्त सोनिका केंद्रीय विद्यालय में पढ़ती थी और बस से स्कूल जाती थी।कुछ दिन बाद बस स्टॉप पर दोनों के बीच बातचीत शुरू हुई। अकबर बस स्टॉप पर खड़े होकर अक्सर उसे देखते थे और यहीं से दोनों के बीच इस रिश्ते की नींव पड़ गई। अगले पांच साल में दोनों ने स्कूल और कॉलेज की पढ़ाई पूरी कर ली। सोनिका को पढ़ाई में दिलचस्पी नहीं थी और उसने अपना सैलून खोलने की योजना बनाई। इसलिए, उसने ओपन स्कूल से ग्रेजुएशन किया और इसके बाद वीएलसीसी ट्रेनिंग प्रोग्राम जॉइन कर लिया।साल 2019 में सोनिका का कोर्स पूरा हुआ, लेकिन ट्रेनिंग इंस्टीट्यूट ने उसे लर्निंग सर्टिफिकेट

देने से इनकार कर दिया। अकबर का एक भाई वकील है और इसलिए सोनिका ने उसकी मुलाकात अपने पिता से करवाई। सोनिका के अलावा कई और लड़कियां भी थीं, जिन्हें सर्टिफिकेट नहीं दिए गए। अकबर के भाई ने 140 लड़कियों की तरफ से शिकायत दर्ज कराई और आखिरकार सोनिका सहित इन सभी को सर्टिफिकेट मिल गए।इस घटना के बाद सोनिका के घर में अकबर का आना-जाना शुरू हो गया। वक्त बीता और थोड़ी-बहुत मुश्किलों के बाद, साल 2022 में सोनिका ने अपना सैलून खोल लिया। अकबर बताते हैं कि इस मोड़ पर उन्होंने उसकी काफी मदद की। शायद उसका कोई दोस्त भी ऐसा नहीं कर पाता। अकबर का कहना है कि सोनिका के मां-बाप को भी पता था कि वो दोनों एक दूसरे से प्यार करते हैं।सैलून खुलना सोनिका के लिए एक सपने के पूरा होने जैसा था। इधर अकबर का जनसुविधा केंद्र चल रहा था और उधर सोनिका का सैलून। दोनों आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर थे और इसी मोड़ पर उन्होंने शादी करने का फैसला कर लिया। 29 अगस्त 2022 को दोनों ने कोर्ट मैरिज कर ली। अकबर और सोनिका ने अपनी इस शादी को गुप्त रखा। दोनों ने सोचा कि सही वक्त आने पर परिवारों को इस बारे में बता देंगे।24 मई 2025 को अकबर अपनी दुकान पर थे और सोनिका अपने सैलून में। दोपहर करीब 1 बजे सोनिका की मां ने उसे घर बुलाया। इसके बाद दोपहर 1.28 बजे, सोनिका अपनी मां के साथ वापस लौटी और उससे मिलने आई। सोनिका ने कहा कि घर से सोने के गहने गायब हैं। अकबर ने कहा कि वो इस बारे में पता लगाएगा। शाम करीब 4 बजे सोनिका अपने सैलून में लौट आई और अकबर के दोस्त ने उसकी मां को घर छोड़ दिया।कुछ वक्त बाद शाम को सोनिका की मां वापस लौटी और गुस्साते हुए दोनों से उनकी शादी के बारे में पूछने लगी। अकबर ने बताया कि उन दोनों ने उन्हें समझाने की कोशिश की और मोबाइल पर शादी के सर्टिफिकेट की कॉपी भी दिखाई। सोनिका के सैलून में काम करने वाली कल्पना ने बताया कि शाम करीब 6-7 बजे सोनिका की मां सैलून में आई और उससे इसे बंद करने के लिए कहा।सैलून में ग्राहक कम थे, लेकिन फिर भी सोनिका ने बंद करने से मना कर दिया। इसपर सोनिका की मां ने उसके ऊपर हाथ उठा दिया। कुछ ही देर में सोनिका के पिता भी वहां पहुंच गए। अकबर ने बताया कि जब सोनिका के पिता ने उससे उनकी शादी के बारे में पूछा, तो उसने सच बताने के लिए कहा। थोड़ी देर बाद अकबर और सोनिया गाड़ी से इलाहाबाद के लिए रवाना हो गए।दोनों ने कार में एक वीडियो शूट किया। वीडियो में उन्होंने कहा कि दोनों शादीशुदा हैं। साथ ही उन्होंने अपने परिवारों से अनुरोध किया कि उन्हें नुकसान न पहुंचाया जाए। लेकिन, अगले कुछ ही पलों में पूरी कहानी बदल गई। अगली सुबह जब दोनों कानपुर पहुंचने वाले थे, तभी एक पुलिस अधिकारी ने अकबर को फोन किया और बताया कि उनके खिलाफ एफआईआर दर्ज हुई है, इसलिए दोनों तुरंत इंदिरापुरम थाने आकर सरेंडर करें।अकबर और सोनिका को लगा कि पुलिस के पास पहुंचकर उन्हें सुरक्षा मिलेगी, लेकिन ऐसा नहीं था। सोनिका के पिता लक्ष्मण सिंह चौहान ने गाजियाबाद पुलिस में शिकायत दर्ज कराई थी। उन्होंने अपनी शिकायत में आरोप लगाया कि उनकी बेटी का अपहरण कर लिया गया है और उसे अकबर नाम के एक शख्स ने गलत तरीके से कैद कर रखा है। 25 मई को अकबर और सोनिका ने इंदिरापुरम थाने में सरेंडर कर दिया।इधर, उसी दिन बजरंग दल, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ, इंदिरापुरम युवा मोर्चा और उत्तराखंड समाज आधिकारिक से जुड़े लोगों ने अकबर की दुकान में तोड़फोड़ की। इन लोगों ने लव जिहाद के आरोप भी लगाए। 26 मई को अकबर को गिरफ्तार कर लिया गया। उसकी बहनों सहित कुछ और रिश्तेदारों को भी गिरफ्तार किया गया। 14 दिनों तक जेल में रहने के बाद 8 जून को अकबर को जमानत मिल गई।हालांकि, पुलिस ने अभी तक सोनिका को अदालत में पेश नहीं किया है, ताकि उसका बयान दर्ज किया जा सके। फिलहाल अकबर और सोनिका अलग-अलग हैं। सोनिका ने बताया, 'लोग मुझसे बार-बार एक ही बात कहते हैं कि मैं हिंदू हूं और वह मुस्लिम। उसके साथ शादी करके मैंने अपने परिवार का अपमान किया है। लेकिन, मैं बस उसके साथ रहना चाहती हूं। पता नहीं यह सब कब खत्म होगा?'अकबर का कहना है, 'हमारी पर्सनल जिंदगी को एक राजनीतिक ड्रामा बनाकर रख दिया गया है। लोग इसे लव जिहाद बता रहे हैं, लेकिन क्या वे हमारी कहानी जानते हैं? क्या उन्हें एहसास है कि वह मेरी पत्नी है? हम शादीशुदा हैं, मैं कोई क्रिमिनल नहीं हूं। हम दोनों में से किसी ने भी अपना धर्म नहीं छोड़ा और ये शादी स्पेशल मैरिज एक्ट के तहत की गई है। मैं उसके धर्म का सम्मान करता था और हर उस मंदिर में जाता था, जहां वह जाना चाहती थी।'अकबर ने आगे बताया, 'हमने सोचा था कि एक बार जब हम शादी कर लेंगे, तो हमारे माता-पिता हम पर दबाव नहीं डाल पाएंगे और एक ना एक दिन इस रिश्ते को स्वीकार कर लेंगे। लेकिन, जो लोग हमारी शादी के गवाह थे, आज उन्हें धमकी दी जा रही है। समस्या पुलिस या सोनिका के माता-पिता नहीं हैं, बल्कि यह समाज है। मैं चाहता हूं कि सोनिका को कोर्ट में लाया जाए, उसे कहने दो कि वह क्या कहना चाहती है।' वहीं, इस मामले पर ट्रांस-हिंडन के डीसीपी पाटिल निमिष दशरथ का कहना है कि वह सोनिका को कोर्ट में पेश करने की तैयारी कर रहे हैं। जब वह तैयार हो जाएगी तो उसे पेश किया जाएगा।

सैटेलाइट इंटरनेट के बाद डिजिटल पेमेंट की दुनिया हिलाएंगे मस्क? एक्स बनेगा 'सुपर ऐप', यह है तैयारी

नयी दिल्ली। दुनिया के सबसे अमीर लोगों में शुमार एलन मस्क ने सैटेलाइट इंटरनेट के क्षेत्र को मुकाम पर पहुंचाया है। उनकी कंपनी स्टारलिंक दुनिया के तमाम देशों में अपनी सेवाएं दे रही है। भारत में भी स्टारलिंक को सैटेलाइट इंटरनेट शुरू करने के लिए अप्रूवल मिल गया है। मस्?क का अगला टार्गेट अब सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स है। एक्स को पहले ट्विटर नाम से जाना जाता है। मस्क ने उसे खरीदा और अब वह उसका तेवर और कलेवर बदलने की तैयारी में जुटे हैं। फाइनेंशियल टाइम्स एक रिपोर्ट के अनुसार,एक्स अब सिर्फ सोशल

मीडिया प्लेटफॉर्म नहीं रहेगा। कंपनी की सीईओ, लिंडा याकारिनो का कहना है कि एक्स ऐप के जरिए लोग इन्वेस्टमेंट और पेमेंट भी कर पाएंगे।फाइनेंशियल टाइम्स को दिए इंटरव्यू में लिंडा याकारिनो ने कहा कि आने वाले दिनों में एक?स एक ऐसा प्लेटफॉर्म होगा, जिसके जरिए लोग पिज?जा का पेमेंट कर पाएंगे। वह इस ऐप से इन्वेस्टमेंट कर सकेंगे। ट्रेडिंग भी कर पाएंगे। कहा जाता है कि एक्स बहुत जल्द अपने क्रेडिट और डेबिट कार्ड लॉन्च कर सकता है।रिपोर्ट का अनुसार, एलन मस्क का सपना एक सुपर ऐप बनाना है। एक्स में इसकी संभावनाओं को देखा जा रहा है। यह भी गौरतलब है कि कंपनी 'एक्स मनी' नाम से डिजिटल वॉलेट शुरू करने की तैयारी में है। वॉलेट की मदद से सामान खरीदा जा सकेगा। पैसे ट्रांसफर किए जा सकेंगे। रिपोर्ट के अनुसार, यह सब काफी आसान लगता है, लेकिन असल में है नहीं। कंपनी को कई नियमों का पालन करना होगा।एक्स की तरह ही चीन का वीचैट भी लोगों को मैसेजिंग के साथ-साथ पेमेंट और शॉपिंग की सुविधाएं देता है। कहा जाता है कि? मस्क वीचैट से प्रेरित हैं और एक?स को उसी के जैसा बनाने चाहते हैं। इसकी थोड़ी कोशिश वॉट्सऐप की तरफ से भी हुई थी, लेकिन बहुत कामयाब नहीं हो पाई। अगर एक्स मनी लॉन्च होता है तो लोग ऐप की मदद से सामान खरीद पाएंगे। पेमेंट कर सकेंगे। कहा जाता है कि आने वाले वक्त में एक?स माइक्रोब्लॉगिंग प्लेटफॉर्म ना होकर सुपर ऐप के रूप में काम करेगा।एक?स मनी को सबसे पहले अमेरिका में शुरू किया जाएगा। फ?िर उसका रोलआउट दुनिया के बाकी देशों में होगा। भारत में यह सर्विस आएगी या नहीं, अभी स्पष्ट नहीं है। हालांकि मस्क पूरी कोशिश करेंगे क्योंकि भारत दुनिया के सबसे बड़े बाजारों में से एक है।

मूवी रिव्यूः कुबेर

नयी दिल्ली। यह हफ्ता सिनेमा प्रेमियों के लिए वाकई कुछ खास लेकर आया है। एक ओर

आमिर खान की फिल्म 'सितारे जमीन पर' है, जो डाउन सिंड्रोम से जूझ रहे बच्चों की जिंदगी को संवेदनशीलता और गहराई से प्रस्तुत करती है। वहीं दूसरी ओर, बहुभाषी फिल्म 'कुबेरा'(हिंदी, तमिल, तेलुगू) दर्शकों को एक बिल्कुल अलग दुनिया में ले जाती है, जहां कहानी का नायक धनुष खुद एक भिखारी है। एक्टर द्वारा निभाया गया यह किरदार, निर्देशक शेखर कम्मुला की कल्पना और संवेदना का बेहतरीन उदाहरण है। हिंदी सिनेमा में अक्सर अमीरी और गरीबी की खाई को नायक और खलनायक के प्रतीक रूप में दिखाया गया है। लेकिन शायद पहली बार, एक भिखारी को ही नायक बनाकर पूंजीपतियों के भूख, लालच और समाज की व्यवस्था से टकराव को सशक्त ढंग से प्रस्तुत किया गया है। बंगाल की खाड़ी के अथाह जल में, एक दुर्लभ तेल भंडार की गुप्त खोज नीरज मित्रा (जिम सर्भ) के लालच को और बढ़ा देती है। नीरज एक महत्वाकांक्षी उद्योगपति है, जो इस खजाने को धन, सत्ता और राजनीतिक दबदबे का जरिया बनाना चाहता है। अपने मंसूबों को अंजाम देने के लिए वह अपने पिता (दलीप ताहिल) और उच्च-स्तरीय नेताओं का समर्थन जुटाकर एक बेहद गोपनीय स्कैम तैयार करता है, ताकि उसके अथाह काले धन को सफेद किया जा सके। इस स्कैम में वह दीपक शर्मा (नागार्जुन) पर दांव लगाता है। दीपक कभी एक ईमानदार और बेखौफ सीबीआई अधिकारी हुआ करता था, लेकिन भ्रष्ट तंत्र के खिलाफ खड़ा होने की सजा के रूप में उसे जेल हो जाती है। न्याय व्यवस्था से विश्वास उठ जाने वाले दीपक के पास लौटने का कोई रास्ता नहीं, इसलिए वह अनिच्छा-पूर्वक नीरज के प्रस्ताव को स्वीकार कर लेता है।हालांकि इस घपले में वह लालच और अनैतिकता का विरोधी ही है। इस घोटाले को अंजाम देने के लिए वह देश के सबसे ज्यादा अनदेखे और तिरस्कृत तबके भिखारियों का सहारा लेता है। इन्हीं में से एक है देवा (धनुष), जो मासूम है और इस बात से अनजान कि उसे किसी षड्यंत्र में फंसाया जा रहा है। देवा के अन्य साथी भिखारियों को जब काम खत्म होने के बाद मौत के घाट उतार दिया जाता है, तब देवा अपनी जान बचा कर भागता है। इस भागा-दौड़ी में देवा की मुलाकात स्टेशन पर समीरा (रश्मिका मंदाना) से होती है, जो खुद अपने बॉयफ्रेंड राजू के लिए घर से भागी है, मगर राजू उसे धोखा दे गया है। ऐसे में बहादुर और संवेदनशील समीरा अनजाने में उसकी सहयोगी बन जाती है।

इसके बाद ये दोनों ही एक ऐसी रोमांचक यात्रा पर निकल पड़ते हैं, जहां पर एक तरफ मौत खड़ी है, तो दूसरी तरफ विश्वास, शक्ति संघर्ष और अस्तित्व दांव पर लगा है। शेखर कम्मुला एक सेलिब्रेटेड ही नहीं बल्कि राष्ट्रीय पुरस्कार समेत कई सम्मानों से नवाजे जा चुके निर्देशक हैं। यकीनन कहानी को एक नया प्रिमाइजेज देने के लिए उनकी तारीफ की जानी चाहिए। विषय को उन्होंने संवेदनशील और बोल्ड तरीके से हैंडल किया है। कहानी का बांधे

रखने वाला तेज रफ्तार थ्रिलर आस्पेक्ट फिल्म का प्लस पॉइंट है। शेखर ने अपने किरदारों को गहराई से गढ़ा है। जैसे -जैसे स्टोरी आगे बढ़ती जाती है, परतें खुलती जाती है। यह सदियों से चली आ रही अमीरी और गरीबी की खाई पर करारा प्रहार भी करती है कि लालच और पावर में अंधे हो चुके लोग इंसानियत को कैसे कुचल देते हैं?डायरेक्टर ने अस्तित्व की जंग को शानदार ढंग से दर्शाया है, मगर इसकी 3 घंटे और 4 मिनट की लंबाई खलती है। पहला भाग थ्रिलर का हाथ पकड़ कर तेज भागता है, मगर दूसरे भाग में कहानी कई जगहों पर हिचकोले खाती है, मगर फिर संभल भी जाती है। कुछ दृश्यों में दोहराव खटकता है। क्लाइमैक्स इमोशनल है, मगर और प्रभावी हो सकता था, क्योंकि कुछ सवाल अनुत्तरित रह जाते हैं। तकनीकी पक्ष की बात करें तो निकेत बॉमिरेड्डी की सिनेमैटोग्राफी में दम है। फिल्म का बैकग्राउंड स्कोर जानदार है। पुष्पा फेम देवी श्री प्रसाद के संगीत में 'जाके आना यारा रे' गाना याद रह जाता है।एक्टिंग के मामले में यह फिल्म बाजी मार ले जाती है। 'रांझणा' जैसी फिल्म से हिंदी दर्शकों में लोकप्रियता पाने वाले राष्ट्रीय अवार्ड विजेता धनुष के लिए एक भिखारी के किरदार को निभाना यकीनन दुस्साहस भरा रहा होगा, मगर धनुष उन्नीस-बीस नहीं बल्कि इक्कीस साबित हुए हैं। उन्हें अगर फिल्म की रूह कहा जाए, तो गलत न होगा। जिस बालसुलभ और बेचारगी के साथ उन्होंने देवा का किरदार निभाया है, यह उनके करियर की बेस्ट परफॉर्मेंस मानी जा सकती है। नागार्जुन दीपक की ग्रे शेड वाली भूमिका के साथ पूरा न्याय करते हैं। नैतिक और भावनात्मक संघर्ष के बीच झूलता उनका किरदार प्रभावी है। समीरा के चरित्र में रश्मिका मन मोह लेती हैं। उनकी सहजता, सादगी और आश्चर्य किरदार को दर्शनीय बनाते हैं। पर्दे पर उनकी और धनुष की अनकही केमेस्ट्री खूब मनोरंजन करती है। नीरज मित्रा के रोल में जिम सर्भ खूब जमे हैं तो वहीं दलीप ताहिल और सयाजी शिंदे ने छोटी भूमिकाओं में अपनी मौजूदगी दर्शाई है।मनोरंजन के साथ ही नैतिकता और सामाजिक पैमानों पर सवाल खड़े करने वाली इस थ्रिलर को देखा जा सकता है।

मलाइका अरोड़ा को सीढ़ियों से उतरते देख उन्हीं लोगों ने किए ऊटपटांग कॉमेंट, जो उनके डांस वीडियो पर गड़ाए थे नजरें

नयी दिल्ली। हाल ही में मलाइका का एक डांस वीडियो खूब

चर्चा में रहा जिसमें 'मुन्नी बदनाम हुई' गाने पर उनके लटके-झटके देख लोग हैरान रह गए। अब मलाइका का एक नया वीडियो दिखा है जिसमें वो अपने रेस्टोरेंट से सीढ़ियों से उतरती दिख रही हैं और लोग कॉमेंट करने से बाज नहीं आ रहे।बॉलीवुड एक्ट्रेस, डांसर, एंकर, बिजनेसवुमन मलाइका अरोड़ा तमाम टीवी रिऐलिटी शोज़ को जज कर चुकी हैं। इन शोज़ में जहां मलाइका का ह्यूमर, ग्लैमर दिखता है वहीं अक्सर वो अपने डांस की भी झलकियां अपने फैन्स को ऐसे शोज़ में दिखाती हैं। खैर , यहां मलाइका का एक वीडियो सामने आया है जिसमें वो अपने रेस्ट्रॉन्ट से बाहर निकलती दिख रही हैं। मलाइका अरोड़ा को देखकर फैन्स अक्सर यही कहा करते हैं कि ये दिन-ब-दिन यंग होती जा रही हैं। 51 साल की मलाइका को देखकर उनकी उम्र का पता लगाना बेहद मुश्किल है। हालांकि, खुद को फिट और स्लिम रखने के लिए मलाइका अपने ऊपर काफी मेहनत किया करती हैं। मलाइका का जो नया वीडियो सामने आया है वो रेस्टोरेंट से बाहर निकलती दिख रही हैं और वो भी पूरे स्वैग के साथ।इस वीडियो पर लोगों ने कहा है- लगता है टाइम इनके लिए रिवर्स गियर में चल रहा है। एक ने कहा- इनको ऐसे अमेजिंग कपड़े मिलते कहां से हैं। एक और ने कहा- वैसे ये सीढ़ियों से ठीक वैसे ही उतर रहीं जैसे 55 की लेडीज़। कहा- ये जैसे सीढ़ियों से उतर रहीं वैसे ही 55 साल की आंटी उतरती हैं। वहीं किसी ने बीच में उन्हें रामू काका भी कह दिया है। एक और ने कहा- उन्होंने प्लास्टिक सर्जरी, सिलिकॉन इम्प्लांट्स, फिलर्स, बोटोक्स, प्लास्टिक सर्जरी से साबित कर दिया है कि उम्र कोई मायने नहीं रखती और वे चमत्कार कर सकती हैं।हाल ही में मलाइका का एक डांस वीडियो तेजी से इंटरनेट पर छाया जिसमें वो किसी इवेंट में 'मुन्नी बदनाम हुई' गाने पर जबरदस्त डांस करती हुई दिख रही हैं। इस वीडियो में मलाइका के किलर मूव्स ने लोगों को खूब दीवाना बनाया है। इस उम्र में भी मलाइका के इस लाजवाब डांस की जमकर तारीफें कर रहे लोग।बता दें कि मलाइका अरोड़ा ने मुंबई, बांद्रा में एक नया रेस्टोरेंट खोला है जिसका नाम 'स्कारलेट हाउस' है। यह रेस्टोरेंट 90 साल पुराने पुर्तगाली स्टाइल में है। मलाइका ने यह रेस्टोरेंट अपने बेटे अरहान खान के साथ मिलकर खोला है। इस रेस्टोरेंट को एक 90 साल पुराने बंगले तैयार किया गया है जिसमें विंटेज वाला अट्रैक्शन और मॉडर्न लग्जरी का मिलाजुला अंदाज है।बता दें कि मलाइका ने कई सारे रिएलिटी शोज़ में जज की भूमिका निभाई है। मलाइका 'नच बलिए', 'झलक दिखला जा', 'इंडियाज गॉट टैलेंट', 'एमटीवी सुपरमॉडल ऑफ द ईयर' और 'इंडियाज बेस्ट डांसर' शामिल हैं। वर्तमान में, वह 'हिप हॉप इंडिया' के दूसरे सीज़न के भी जज की कुर्सी को संभाल चुकी हैं।

आमिर खान के बेटे जुनैद को सलमान खान के बॉडीगार्ड ने दिया धक्का, 'सितारे जमीन पर' की स्क्रीनिंग से वीडियो वायरल

नयी दिल्ली। 'सितारे जमीन पर' की स्क्रीनिंग में सितारों का जमावड़ा लगा। शाहरुख खान से लेकर सलमान खान

तक ने शिरकत की। एक वीडियो सामने आया है, जहां सलमान के पास जुनैद जाने की कोशिश करते हैं, लेकिन बॉडीगार्ड्स उन्हें रोक देते हैं। वो पहचान नहीं पाए कि वो आमिर के बेटे हैं।आमिर खान ने 'सितारे जमीन पर' फिल्म से एक्टिंग में वापसी की है। मुंबई में बीती रात को फिल्म की स्क्रीनिंग हुई, जिसमें सलमान खान ने भी शिरकत की। एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। इसमें जुनैद को आमिर के नजदीक जाने की कोशिश करते हुए देखा जा सकता है, लेकिन भाईजान के बॉडीगार्ड्स उन्हें पहचान नहीं पाते हैं और उन्हें दूर हटने को कहते हैं। इस वायरल वीडियो में सलमान खान को 'सितारे जमीन पर' की स्क्रीनिंग के बाद बाहर आते हुए देखा जा सकता है। उनकी सुरक्षा के लिए बॉडीगार्ड्स का घेरा है। तभी जुनैद भाईजान के नजदीक आने लगते हैं, लेकिन गार्ड्स उन्हें रोक देते हैं और सलमान आगे बढ़ते हुए बाहर निकल जाते हैं।

'नथुनिया' की सफलता के बाद खेसारी लाल यादव लाए नया गाना 'नथुनिया 2', डेजी शाह संग लगाएंगे रोमांस का तड़का

गोरखपुर। खेसारी लाल यादव

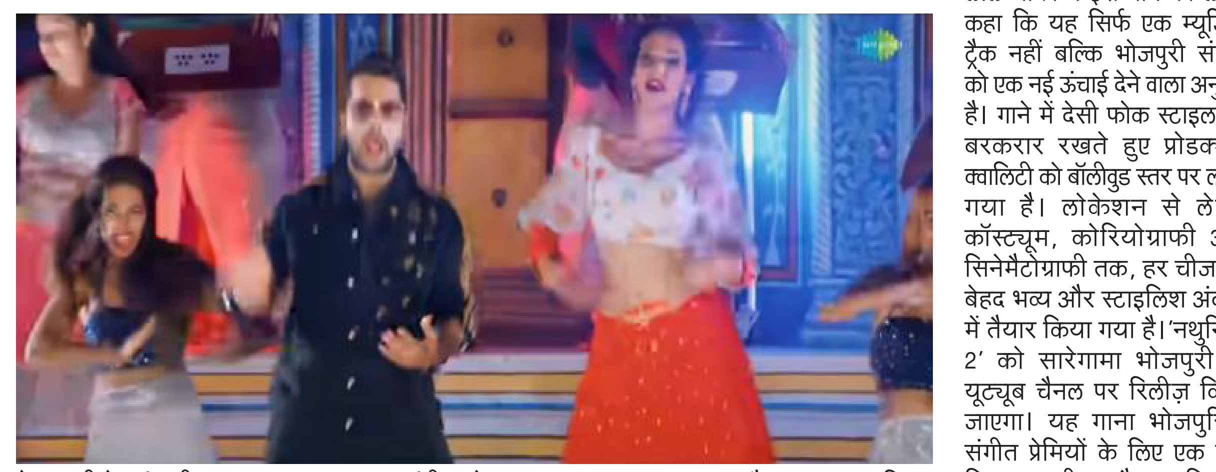

ने हाल ही प्रेमानंद जी महाराज पर भक्ति गीत रिलीज किया, जो चर्चा में है। अब वह नया गाना 'नथुनिया 2' लेकर आ रहे हैं, जिसमें उनके ऑपोजिट डेजी शाह होंगी। इस गाने का पहला पार्ट ब्लॉकबस्टर रहा था।भोजपुरी म्यूजिक इंडस्ट्री में एक बार फिर बड़ा धमाका होने जा रहा है, क्योंकि सुपरस्टार खेसारी लाल यादव अपना नया गाना 'नथुनिया 2' लेकर आ रहे हैं। यह गाना 23 जून को रिलीज होगा। इस गाने में पहली बार खेसारी के साथ बॉलीवुड एक्ट्रेस डेजी शाह नजर आएंगी, जो सलमान खान संग 'जय हो' में काम कर चुकी है।शादी के माहौल में फिल्माए गए इस गाने में जबरदस्त देसी रोमांस, नोक-झोंक और रंग-बिरंगे लोकेशन्स का तड़का देखने को मिलेगा। दर्शकों को इस फ्रेश जोड़ी से काफी उम्मीदें हैं। रिपोर्ट्स के मुताबिक, खेसारी लाल और डेजी शाह की केमिस्ट्री बेहद दमदार है।मालूम हो कि खेसारी लाल यादव ने साल 2022 में 'नथुनिया' गाना रिलीज किया था, जो सुपरहिट रहा था। तब इसने यूट्यूब और अन्य म्यूजिक प्लेटफॉर्म्स पर कई रिकॉर्ड तोड़े थे। इस गाने को 1200 मिनिट्स से अधिक बार सुना जा चुका है और यह 21 हफ्तों से अधिक समय तक यूट्यूब के ग्लोबल टॉप चार्ट्स में शामिल रहा था। 'नथुनिया' स्पॉटीफाई पर भी तकरीबन 2 साल (128 हफ्तों) तक वीकली चार्ट में नंबर 1 बना रहा।अब 'नथुनिया 2' उसी विरासत को आगे बढ़ाते हुए और भी बड़े स्केल पर भोजपुरिया दर्शकों के दिलों को जीतने के लिए आ रहा है। खेसारी लाल यादव ने इस गाने को लेकर कहा कि यह सिर्फ एक म्यूजिक ट्रैक नहीं बल्कि भोजपुरी संगीत को एक नई ऊंचाई देने वाला अनुभव है। गाने में देसी फोक स्टाइल को बरकरार रखते हुए प्रोडक्शन क्वालिटी को बॉलीवुड स्तर पर लाया गया है। लोकेशन से लेकर कॉस्ट्यूम, कोरियोग्राफी और सिनेमैटोग्राफी तक, हर चीज को बेहद भव्य और स्टाइलिश अंदाज में तैयार किया गया है।'नथुनिया 2' को सारेगामा भोजपुरी के यूट्यूब चैनल पर रिलीज़ किया जाएगा। यह गाना भोजपुरिया संगीत प्रेमियों के लिए एक बड़ा विजुअल ट्रीट और म्यूजिकल धमाका साबित होने वाला है, जिसमें खेसारी लाल और डेजी शाह की नई जोड़ी पहली धमाल मचाने साथ आ रही है। शादी के सीजन में देसी स्टाइल के साथ यह गाना संगीत प्रेमियों को खूब लुभाने वाला है। खेसारी ने हाल ही प्रेमानंद जी महाराज पर भी एक भक्ति गीत रिलीज किया। इसके बोल हैं 'तेरे प्रेम में पागल प्रेमानंद', और अभी तक लाखों बार देखा जा चुका है।

अक्षय खन्ना ने संजय कपूर की दुल्हन बनीं करिश्मा कपूर का चूम लिया था हाथ, जिनसे कभी उनकी खुद होनेवाली थी शादी

नयी दिल्ली। करिश्मा कपूर शादी से पहले अक्षय खन्ना के साथ अपने करीबी रिश्ते को लेकर चर्चा में रही हैं। बताया जाता है कि करिश्मा के पिता ने इस रिश्ते को

हरी झंडी दे दी थी। वहीं जब करिश्मा की शादी में अक्षय खन्ना पहुंचे तो उनके चेहरे पर चोड़ी मुस्कान थी।करिश्मा कपूर की कहानी तब की है जब उनकी शादी हो रही थी। याद दिला दें कि संजय कपूर के साथ शादी के बंधन में बंधने से पहले करिश्मा की सगाई अभिषेक बच्चन से हुई थी जो बाद में टूट गया। हालांकि, इससे पहले करिश्मा और विनोद खन्ना के बेटे अक्षय खन्ना के अफेयर की भी काफी चर्चा थी और कहते हैं कि बात शादी तक जा पहुंची थी। वहीं जब करिश्मा और संजय कपूर की शादी हुई तो वहां अक्षय खन्ना भी पहुंचे थे और उस दौरान का एक वीडियो सामने आया था जो इमोशनल करने वाला है।साल 2003 में संजय कपूर और करिश्मा कपूर की शादी की खबर ने सबको हैरान कर दिया था। ये शादी इंडस्ट्री में उन दिनों होनेवाली सबसे बड़ी शादियों में से एक थी। करिश्मा और संजय 29 सितंबर, 2003 को एक गुरुद्वारे में हिंदू और सिख रीति-रिवाजों के अनुसार शादी रचाई थी। संजय और करिश्मा ने गुरुद्वारे में लावां फेरे लिए, उसके बाद करिश्मा के पैतृक घर, मुंबई में कृष्णा राज बंगले में एक भव्य समारोह का आयोजन किया गया।बताया जा रहा है कि करिश्मा और संजय की शादी बेहद ग्लैमरस थी जहां फिल्म इंडस्ट्री, पॉलिटिक्स और बिजनेस इंडस्ट्री की कई नामचीन हस्तियां इस शादी में शामिल हुईं। इस जोड़े को आशीर्वाद देने के लिए पूरा कपूर खानदान वहां मौजूद था। फिल्म इंडस्ट्री से कई नामचीन सितारे भी इस शादी में शामिल हुए जिनमें से एक अक्षय खन्ना भी थे। जहां एक तरफ कभी करिश्मा को वो अपनी दुल्हन बनाने का ख्वाब देख रहे थे. वहीं उनकी शादी में पहुंचकर उन्होंने उनके अच्छे भविष्य के लिए उन्हें विश किया था।इस शादी में सलमान खान, गोविंदा, अमरीश पुरी, विवेक ओबेरॉय, तब्बू, राजेश खन्ना और कई कलाकार पहुंचे थे। करिश्मा कपूर और संजय कपूर की शादी की कुछ पुरानी झलकियों में अक्षय खन्ना इस पार्टी में नजर आ रहे हैं। इसी दौरान गुलाबी लहंगे में सजी-धजी करिश्मा कपूर को शादी की बधाई देने पहुंचे अक्षय खन्ना दुल्हन का हाथ चूमते दिखे थे।करिश्मा और संजय से मिलते ही अक्षय ने काफी खुश होकर उनका अभिवादन किया और करिश्मा का हाथ चूमा। बता दें कि अक्षय के साथ उनके साथ उनके भाई राहुल खन्ना और उनकी मां गीतांजलि खन्ना भी थीं। अक्षय खन्ना और करिश्मा कपूर के बीच बहुत अच्छी बॉन्डिंग थी जिन्हें वो अपना बहुत अच्छा दोस्त मानती थीं। कुछ समय बाद, दोनों एक-दूसरे से प्यार करने लगे और रणधीर कपूर ने भी कथित तौर पर उनके रिश्ते को हरी झंडी दे दी थी।लेकिन करिश्मा की मां बबीता ये रिश्ता पसंद नहीं आया। बबीता ने ये शादी नहीं होने दी। रिपोर्ट्स के मुताबिक, बबीता करिश्मा को लेकर खुश नहीं थीं क्योंकि तब वो अपने करियर के टॉप पर थीं। बताया जाता है कि अक्षय कुमार की फैमिली लाइफ को लेकर बबीता को लगा था कि उनकी बेटी के लिए ये रिश्ता सही नहीं।वहीं ,संजय कपूर से शादी के 11 साल बाद करिश्मा की जिंदगी में दरार आने लगी और उन्होंने आपसी सहमति से तलाक के लिए अर्जी दाखिल कर दी। करिश्मा और संजय के तलाक का मामला तब और बिगड़ गया जब उन्होंने पति पर घरेलू हिंसा का आरोप लगाया। करिश्मा के दावों पर जवाब देते हुए संजय ने भी कई आरोप लगाए थे और कहा कि उन्होंने उनके पैसों के लिए उनसे शादी की। उनकी अदालती लड़ाई दो साल तक चली और 2016 में दोनों को तलाक मिल गया।बता दें कि करिश्मा कपूर के एक्स हसबैंड संजय कपूर की इंग्लैंड में 12 जून को पोलो खेलते हुए हार्ट अटैक से मौत हो गई। उनका अंतिम संस्कार 19 जून को दिल्ली में किया गया, जहां करिश्मा अपने बच्चों के साथ शामिल हुईं।

2 साल की हुई क्लिन कारा, राम चरण और उपासना पहुंचे हैदराबाद जू, उनकी बेटी का इस बाघिन से है खास कनेक्शन

नयी दिल्ली। साउथ के फेमस स्टार राम चरण और उनकी पत्नी उपासना ने बेटी क्लिन कारा का दूसरा बर्थडे बहुत ही खास तरीके से सेलिब्रेट किया। वे हैदराबाद के जू में गए, जहां पर पिछले साल जन्मी बाघिन का नाम भी क्लिन कारा रखा गया था। उनकी फोटो वायरल हो रही है।साउथ स्टार राम चरण और उपासना कामिनेनी कोनिडेला 20 जून 2025 को अपनी बेटी क्लिन कारा का दूसरा जन्मदिन मना रहे हैं। दोनों ने इस खास दिन को खास अंदाज में सेलिब्रेट करने का फैसला किया। वे हैदराबाद में जू में पहुंचे और अपनी बेटी को एक नन्ही बाघिन से मिलवाया। दरअसल, इस बाघिन का जन्म भी पिछले साल हुआ था और उसका नाम भी राम और उपासना की बेटी के नाम क्लिन कारा पर रखा गया था।जानकारी के मुताबिक, पिछले साल हैदराबाद जू की जर्नी के दौरान एक शावक बाघिन का जन्म हुआ और उसका नाम क्लीन कारा के नाम पर रखा गया। ये पल राम चरण और उपासना के लिए एक स्पेशल मेमोरी बन गया। इस साल अपने दूसरे जन्मदिन पर क्लिन कारा पहली बार अपने नाम वाली बाघिन से मिली, जो अब तेजी से बड़ी हो रही है।

सितारे जमीन पर के प्रीमियर में साथ दिखे तीनों खान

नयी दिल्ली। आमिर खान और जेनेलिया डिसूजा की फिल्म सितारे जमीन पर आज रिलीज हो चुकी है। रिलीज से पहले गुरुवार को मुंबई में सेलेब्स के लिए इसकी स्पेशल स्क्रीनिंग रखी गई थी, जिसमें बॉलीवुड इंडस्ट्री के कई दिग्गज कलाकार पहुंचे हैं। इस दौरान शाहरुख खान और सलमान खान भी आमिर को सपोर्ट करने पहुंचे।सलमान ने प्रीमियर में आमिर खान को गले लगाया फिर खुद मीडिया के पास पहुंचकर कहा, एक तो मैं इंटरव्यू दे रहा हूं, तुम लोग ले नहीं रहे। मैंने बोला कि बहुत अच्छी पिक्चर है, मुझे करना है ये पिक्चर। फिर आमिर ने कॉल करके कहा कि मैं कर चुका हूं।बताते चलें कि फिल्म सितारे जमीन पर 2018 में आई स्पेनिश फिल्म चैम्पियंस की ऑफिशियल रीमेक है। फिल्म में आमिर खान और जेनेलिया डिसूजा लीड रोल में हैं। आमिर खान के होम प्रोडक्शन की इस फिल्म को आर.एस.प्रसन्ना डायरेक्ट कर रहे हैं।

कुशा कपिला का ट्रांसफॉर्मेशन कर रहा हैरान, हिमाचल प्रदेश से शेयर की नई फोटो, यूजर्स बोले- गोल मटोल अच्छी लगती थी

नयी दिल्ली। सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर और एक्ट्रेस कुशा कपिला का ट्रांसफॉर्मेशन फैंस को हैरान कर रहा है। वो इन दिनों अपने जितने पोस्ट शेयर कर रही हैं, उसमें ज्यादा कॉमेंट्स उनके लुक्स को लेकर होते हैं। लोगों का कहना है कि वो बहुत दुबली हो गई हैं और अच्छी नहीं लग रही हैं।यूट्यूब की दुनिया से निकलकर एक्टिंग की दुनिया में एंट्री कर चुकीं सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर कुशा कपिला इन दिनों चर्चा में हैं। वो पहले से काफी स्लिम और फिट नजर आती हैं। उन्होंने हाल ही में हिमाचल प्रदेश से अपनी कुछ फोटोज शेयर कीं, जिनपर फैंस ने जमकर प्यार लुटाया, लेकिन कुछ लोगों को उनका ये रूप खटक रहा है। उनका कहना है कि उन्हें पहले वाली 'चबी कुशा' ज्यादा अच्छी लगती थी। Kusha Kapika ने इंस्टाग्राम पर हिमाचल प्रदेश में बिताए खूबसूरत पलों को फैंस के साथ भी शेयर किया है। पहली फोटो में वो किसी रेस्त्रां में बैठी दिख रही हैं। उन्हें देखकर बहुत सारे लोग उनके ट्रांसफॉर्मेशन लेकर कॉमेंट्स कर रहे हैं। एक ने लिखा, 'मुझे सच में उस गोल-मटोल कुशा की याद आती है, उसका चार्म अलग था।'एक यूजर ने कहा, 'मैम आप हेल्दी बहुत अच्छे लगते थे। आप पतले क्यों हो रहे हो?' एक ने लिखा, 'यें घ्जेनरेटेड है।' दूसरे यूजर ने कहा, 'वह गोल-मटोल कुशा और उसका सेवेज सेंस ऑफ ह्यूमर याद आ रहा है।' एक और फैन ने कहा, 'दीदी आप ना हट्टी-कट्टी ही अच्छी लगती थीं। कैसी थीं आप और कैसी हो गई हैं।'दिल्ली की रहने वाली कुशा कई फिल्मों और वेब सीरीज में नजर आ चुकी हैं। उन्हें 2024 में 'इश्क विश्क रिबाउंड' फिल्म में देखा गया था। वेब सीरीज की बात करें तो वो 'लाइफ हिल गई' में नजर आई थीं।कुशा सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर हैं। उनके फनी वीडियो वायरल होते हैं। उन्हें इंस्टाग्राम पर 4.2 मिलियन लोग फॉलो करते हैं।

स्वत्वाधिकारी एवं मुद्रक
डॉ. दीपक अरोरा
द्वारा रामा प्रिंटर्स 53/25/1 ए बेली रोड न्यू कटरा प्रयागराज (उ.प्र) 211002 से मुद्रित एवं सी-41यूपी एसआईडीसी औद्योगिक क्षेत्र नैनी प्रयागराज।
संपादक/प्रकाशक
डा.पुनीत अरोरा
मो.न.09415608710
RNINO.UPHIN/2015/63398
www.adhuniksamachar.com

नोटः- इस समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी0आर0बी0 एक्ट के अन्तर्गत उत्त्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होगा।